दैनिक आधुनिक राजस्थान

Whatsapp broadcast no. 9352002525 e-paper: adhunikrajasthan.com

ADHUNIKS
THE WOMEN'S PARADISE
*Women's Apparel * Women's Accessories * Women's Boutique
Salwar Suits, Designer Suits, Tops, Lehangaas, Kurtis, Boutique Design, Saree and Suits, Jeans, Cosmetic, Jewellerys (Imitation & Silver), Nightwear, Gowns and etc.
Dainik Adhunik Rajasthan, Madan Gopal Marg, Kaiserganj, Ajmer Ph. 0145-2422777, 2620777

वर्ष: 43 अंक: 102 आर. एन. आइ. पंजीयन संख्या 35155/79 अजमेर, गुरुवार 30 जनवरी 2025 डाक पंजीयन आर.जे./ए.जे./03/2019-21 फोन: 2620777 पृष्ठ: 6- डाक मूल्य - दो रुपया

क्या हरियाणा सरकार मेरे पीने के पानी में जहर मिला सकती है-पीएम मोदी

नई दिल्ली(जीएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दिल्ली विधानसभा के चुनावी दंगल में उतर गए। उन्होंने उत्तर-पूर्वी दिल्ली के करतार नगर में जनसभा को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा, अब दिल्ली में एक ही आवाज गूंज रही है- आप-दा नहीं सहेंगे... बदल के रहेंगे! आप संयोजक अरविंद केजरीवाल के हरियाणा सरकार पर यमुना के पानी को जहरीला बनाने के आरोप पर पीएम मोदी ने दिल्ली के मतदाताओं कहा कि हरियाणा का भेजा हुआ यही पानी दिल्ली में रहने वाला हर कोई पीता है, पिछले 11 साल से ये प्रधानमंत्री भी पीते हैं, सभी न्यायमूर्ति और बाकी सभी सम्मानित लोग भी पीते हैं। पीएम मोदी ने कहा, आप-दा वाले कह रहे हैं कि हरियाणा वाले दिल्ली के पानी में जहर मिलाते हैं। ये सिर्फ हरियाणा का नहीं बल्कि भारतीयों का अपमान है, हमारे संस्कारों का अपमान, हमारे चरित्र का अपमान है। ये वो देश है, जहां पानी पिलाना धर्म माना जाता है। ऐसी ओछी बातें करने वालों को दिल्ली इस बार सबक सिखाएगी। इन आप-दा वालों की लुटिया यमुना में ही डूबेगी। दिल्ली का यह क्षेत्र यमुना किनारे बसा है। बाबा श्याम गिरि भी यहां विराजते हैं। जनसभा का ये दृश्य दिल्ली का मूड बता रहा है। ये दिल्ली के जनादेश के दर्शन करा रहा है। दिल्ली एक ऐसी सरकार चाहती है जो गरीबों के लिए घर बनाए। हर घर जल पहुंचाए और टैंकर माफिया से मुक्ति दिलवाए। बीजेपी की सरकार बनने पर संकल्प पत्र के सारे वादे समय सीमा में पूरे किए जाएंगे। ये मोदी की गारंटी है। मोदी को गारंटी मतलब गारंटी पूरा होने की गारंटी। विकसित भारत की राजधानी भी मॉडल शहर बने। क्या दिल्ली में आधुनिक रंग रूप नजर आ रहा है? साथियों मुझे जवाब देने की जरूरत नहीं है। दिल्ली वासी अपनी पीड़ा व्यक्त करते हैं। 14 साल कांग्रेस ने राज किया और दिल्लीवासियों ने 11 साल आप दा सरकार को दिए फिर भी समस्या वहीं की वहीं है। लोग पीने के पानी के लिए लोग तरस रहे हैं। इन हालातों से दिल्ली को बाहर निकलना है। आपका एक वोट इन मुसीबतों से मुक्ति दिला सकता है। पिछले पेंडिंग काम निपटाना है, आगे 20-25 साल की तैयारी करनी है। मोदी को सेवा करने का मौका दीजिए। दिल्ली में मुझे आपने सेवा करने का अवसर नहीं दिया। मुझे अवसर दीजिए। जैसे परिवार का मुखिया अपने परिवार का ख्याल रखता है, मैं वैसे ही आपका ख्याल रखूंगा। आपके सपने मेरे सपने होंगे। कांग्रेस के जमाने की कोई योजना बंद कर दी क्या... नहीं..हमने उसे आगे बढ़ाया। हम योजना बंद करने वालों में से नहीं, बल देने वालों में से हैं। आपदा वालों ने दिल्ली को पानी माफिया के भरोसे छोड़ दिया। इन्होंने यमुना की सफाई के नाम पर वोट मांगे, इनकी बेशर्मी देखिए, अब कह रहे हैं कि यमुना साफ करने से वोट थोड़ी मिलेंगे। अपने राजनीतिक स्वार्थ में आपदा वालों ने एक घोर पाप किया है। कोई माफ नहीं करेगा। दिल्ली नहीं भूल सकती कि एक पूर्व मुख्यमंत्री ने हरियाणा के लोगों पर गंभीर आरोप लगा दिए। क्या हरियाणा के लोग पानी में जहर मिला सकते हैं? आपदा वालों की नीयत ही काम करने की नहीं है। पिछले पांच सालों में दिल्ली विधामसभा 70-75 दिन ही चली है। कानून सिर्फ 14 कानून पास हुए, पांच कानून विधायकों की सैलरी तय करने के लिए रहे। आपदा वालों को दिल्ली की समस्या से कोई लेना देना नहीं है। इसी आपदा पार्टी ने सेना पर सवाल उठाए थे। ऐसे लोगों को सजा देने का मौका पांच फरवरी को है। आप सभी को इनकी (आप-दा वालों की) एक और चाल से सावधान रहना है। आप-दा को हार का एहसास हो चुका है, इनके हर विधायक को लेकर जनता में बहुत गुस्सा है। इसलिए आप-दा और कांग्रेस ने पर्दे के पीछे एक-दूसरे से गठबंधन कर लिया है। आप-दा कोशिश कर रहे हैं कि उसका नहीं तो कांग्रेस का विधायक जीत जाए, ताकि बाद में मिलकर सत्ता हथियाने का काम हो जाए, ऐसे तो दिल्ली पर डबल आपदा आ जाएगी।

संक्षिप्त न्यूज

महाकुंभ भगदड़ में 30 लोगों की मौत हुई, 90 श्रद्धालुओं को लाया गया था अस्पताल

भगदड़ में जान गंवाने वाले प्रत्येक मृतक के परिजनों को यूपी सरकार द्वारा 25-25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता की घोषणा

नई दिल्ली(जीएनएस)। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में सुबह मची भगदड़ पर मेला अधिकारी और DIG कुंभ वैभव कृष्ण ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान DM मेला विजय किरण आनंद और डीआईजी मेला वैभव कृष्ण ने श्रद्धालुओं की मौत का आधिकारिक आंकड़ा जारी करते हुए बताया कि भगदड़ में 30 लोगों की मौत हुई है, इनमें 25 मृतकों की पहचान कर ली गई है। वहीं, 36 घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। डीआईजी ने बताया कि भीड़ की वजह से कुछ बैरिकेड टूट गए। कुछ श्रद्धालु बैरिकेड्स तोड़कर आगे जाना चाहते थे जिससे वहां सोए हुए श्रद्धालुओं पर भीड़ चल पड़ी। हादसे के बाद 90 लोगों को अस्पताल लाया गया। डीआईजी ने बताया कि वहां कोई वीआईपी प्रोटोकॉल नहीं था। घायलों की जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 1920 जारी किया गया है। बता दें कि प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ से आज सुबह भगदड़ की खबर सामने आई थी। इस हादसे पर पीएम मोदी ने भी दुख जताया था और वह लगातार सीएम योगी के साथ संपर्क में बने हुए थे। पीएम मोदी ने कहा, %प्रयागराज महाकुंभ में हुआ हादसा अत्यंत दुखद है। इसमें जिन श्रद्धालुओं ने अपने परिजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव मदद में जुटा हुआ है। इस सिलसिले में मैंने मुख्यमंत्री योगी जी से बातचीत की है और मैं लगातार राज्य सरकार के संपर्क में हूं। पीएम ने ये भी कहा, कुंभ में जो दुखद हादसा हुआ है, कई पुण्य आत्माओं को खोना पड़ा है। मैं संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं कसरकार से लगातार संपर्क में हूं। मौनी अमावस्या की वजह से तहत भीड़ है। कुछ देर के लिए स्नान रुका था, अब सुचारू रूप से चल रहा है।

वक्फ की बैठक खत्म, JPC ने बिल को 11 के मुकाबले 14 वोट से स्वीकार कर लिया

नई दिल्ली(जीएनएस)। वक्फ को लेकर हुई बैठक खत्म हो गई है। वक्फ जेपीसी ने बिल को 11 के मुकाबले 14 वोट से स्वीकार कर लिया है। विपक्षी सदस्यों को आज शाम 4 बजे तक अपना असहमति नोट देने के लिए कहा गया है। इस मामले में असदुद्दीन ओवैसी का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा, आज तो ड्राफ्ट रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया गया। 14 वोट इसके पक्ष में थे और 11 वोट विपक्ष में थे। कल रात में 650 पेज के ऊपर रिपोर्ट दी गई, कैसे किसी को हम इतनी जल्दी पढ़कर देंगे। हम हमारी पार्टी की तरफ से असहमति नोट दे रहे हैं और हमारा मानना है कि मोदी सरकार जो अमेंडमेंट लेकर आई है वह प्रॉपर्टी को बचाने के लिए नहीं है बल्कि बर्बाद करने के लिए है। वक्फ मुसलमानों के लिए इबादत है, उसे छीना जाना चाहते हैं।% असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, हमारा मानना है कि मोदी सरकार वक्फ प्रॉपर्टी को मुसलमानों से छीनना चाहती है। सरकार के पास बहुमत है तो उन्होंने इस अमेंडमेंट को पास करवा लिया। अब ये संसद में जाएगा लेकिन हम संसद में लड़ाई लड़ेंगे। जरूरत पड़ेगी तो हम बाहर भी इसका विरोध करेंगे। बता दें कि इससे पहले वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 पर चर्चा कर रही संसद की संयुक्त समिति ने सत्तारूढ़ भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सदस्यों द्वारा प्रस्तावित सभी संशोधनों को सोमवार को स्वीकार कर लिया था और विपक्षी सदस्यों के संशोधन प्रस्तावों को खारिज कर दिया था। समिति के अध्यक्ष जगदम्बिका पाल ने बैठक के बाद बताया था कि समिति द्वारा स्वीकार किए गए संशोधनों से कानून बेहतर और प्रभावी होगा। हालांकि, विपक्षी सांसदों ने बैठक की कार्यवाही की निंदा की और पाल पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को 'पलटने' का आरोप लगाया। तृणमूल कांग्रेस के कल्याण बनर्जी ने कहा था, ''यह हास्यास्पद कवायद थी। हमारी बात नहीं सुनी गई। जगदंबिका पाल ने तानाशाही तरीके से काम किया है।

दक्षिणी सूडान में भीषण प्लेन हादसा, एक भारतीय समेत 18 लोगों की हुई मौत

नई दिल्ली(जीएनएस)। दक्षिण सूडान में एक विमान हादसे का शिकार हो गया है। इस विमान में यात्रियों और क्रू मेंबर्स समेत 21 लोग सवार थे। प्लेन हादसे में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई है। विमान यूनिटी ऑयलफील्ड एयरपोर्ट से उड़ान भरकर राजधानी जुबा जा रहा था तभी यह हादसा हुआ। यूनिटी राज्य के सूचना मंत्री गटवेच बिपाल ने इस दुर्घटना की पुष्टि की है। इस विमान में तेल क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारी सवार थे जो ग्रेटर पायनियर ऑपरेटिंग कंपनी से जुड़े थे। यह कंपनी चाइना नेशनल पेट्रोलियम कॉरपोरेशन और नाइल पेट्रोलियम कॉरपोरेशन के साथ मिलकर काम करती है। मृतकों में दो चीनी नागरिक और एक भारतीय नागरिक भी शामिल हैं फिलहाल, हादसे के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। दक्षिण सूडान में पिछले कुछ वर्षों में कई हवाई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। साल 2018 में, जुबा से यिरोल जा रहा एक विमान हादसे का शिकार हो गया था जिसमें 19 लोगों की मौत हो गई थी। 2015 में भी, जुबा हवाई अड्डे से उड़ान भरते ही एक रूसी मालवाहक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें दर्जनों लोगों की जान चली गई थी।

सेंट्रल और स्टेट वक्फ बोर्ड में 2 से 4 गैरमुस्लिम; जेपीसी की ड्राफ्ट रिपोर्ट

नई दिल्ली(जीएनएस)। वक्फ संशोधन विधेयक पर बनी संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने अपनी सिफारिशें पेश कर दी है। इसमें सेंट्रल और स्टेट वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम सदस्यों की संख्या बढ़ाने का प्रस्ताव है। सिफारिश में कहा गया है कि बोर्डों में कम से कम दो गैर-मुस्लिम सदस्य होने चाहिए और ये संख्या 4 तक बढ़ सकती है। इसके अलावा, दाउदी बोहरा और आगा खानी समुदायों के ट्रस्टों को इस कानून के दायरे से बाहर रखने की भी सिफारिश की गई है। विपक्षी सांसदों ने इस रिपोर्ट पर असहमति जताई है और इसे सरकार का मनमाना रवैया बताया है। डीएमके सांसद ए. राजा ने तो जेपीसी और उसके अध्यक्ष पर सरकार के इशारे पर काम करने का आरोप भी लगाया है। संयुक्त संसदीय समिति वक्फ कानून में बदलाव के लिए लाए गए बिल पर विचार कर रही थी। इस समिति ने अपनी रिपोर्ट में कुछ अहम सुझाव दिए हैं। इन सुझावों में सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अब वक्फ बोर्ड में कम से कम दो और ज्यादा से ज्यादा चार गैर-मुस्लिम सदस्य हो सकते हैं। अगर पदेन सदस्य गैर-मुस्लिम हैं तो उन्हें इसमें नहीं गिना जाएगा। पहले बिल में सिर्फ दो गैर-मुस्लिम सदस्यों का प्रावधान था। इसके अलावा, दो पदेन सदस्य भी होंगे। इनमें एक केंद्रीय वक्फ मंत्री और दूसरा मंत्रालय का एक अतिरिक्त/संयुक्त सचिव। इस समिति ने शिया समुदाय के दो पंथों दाउदी बोहरा और आगा खानी समुदायों की मांग को भी मान लिया है। इनकी मांग थी कि उनके ट्रस्टों को इस कानून के दायरे से बाहर रखा जाए। हमारे सहयोगी इकनॉमिक टाइम्स ने सूत्रों के हवाले से बताया कि रिपोर्ट में एक प्रावधान जोड़ा जा सकता है कि यह कानून, किसी भी अदालत के फैसले के बावजूद, उन ट्रस्टों पर लागू नहीं होगा जो किसी मुस्लिम द्वारा वक्फ जैसे ही उद्देश्यों के लिए जन कल्याण हेतु बनाए गए हैं, चाहे वे इस कानून के लागू होने से पहले बनाए गए हों या बाद में। एक अन्य सूत्र के अनुसार, गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल करने से वक्फ प्रबंधन अधिक व्यापक और समावेशी बनेगा। समिति ने वक्फ संपत्तियों के किरायेदारों के हितों की रक्षा के लिए भी कुछ उपाय सुझाए हैं। इस रिपोर्ट पर चर्चा और इसे स्वीकार करने के लिए समिति की बैठक बुधवार को होनी है। लगभग सभी विपक्षी सांसदों ने इस रिपोर्ट पर असहमति जताई है और अलग से अपनी राय दर्ज कराने की बात कही है। डीएमके सांसद ए. राजा ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि समिति के सदस्यों को बताया गया कि 655 पन्नों की ड्राफ्ट रिपोर्ट पर बुधवार सुबह 10 बजे चर्चा होगी। रिपोर्ट अभी भेजी गई है। सांसदों से उम्मीद की जाती है कि वे इसे पढ़ेंगे, टिप्पणियां देंगे और असहमति नोट जमा करेंगे। यह संभव नहीं है। अगर सरकार को अपनी मनमानी ही करनी है तो एक स्वतंत्र संसदीय समिति का क्या मतलब है? यह मामला वक्फ बोर्ड के कामकाज और उसकी संरचना से जुड़ा है। वक्फ बोर्ड मुस्लिम समुदाय की धार्मिक संपत्तियों का प्रबंधन करता है। इस बिल के जरिए सरकार वक्फ बोर्ड के कामकाज में बदलाव लाना चाहती है। हालांकि, विपक्षी दलों का कहना है कि सरकार इसके जरिए वक्फ संपत्तियों पर कब्जा करना चाहती है। यह मामला आगे भी चर्चा का विषय बना रहेगा।

सीरिया में मिला सामूहिक कब्रों का बड़ा जखीरा, निकाले गए 26 से ज्यादा जले हुए शव; मचा हड़कंप

नई दिल्ली(जीएनएस)। सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर-अल-अशद को सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद सामूहिक कब्रों का बड़ा जखीरा खोजा गया है। सीरिया में नागरिक सुरक्षा कार्यकर्ताओं ने दमिश्क के ग्रामीण क्षेत्र में दो अलग-अलग तहखानों से 26 से अधिक लोगों के जले हुए शव बरामद किए। यह देखकर लोगों के बीच हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि ये शव पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार के कथित अत्याचारों के पीड़ित लोगों के हो सकते हैं। इन सामूहिक कब्रों का पता चलना दिसंबर में असद सरकार के पतन के बाद से उजागर हो रही सामूहिक कब्रों की बढ़ती संख्या में इजाफा है। ऐसा माना जा रहा है कि शवों में पुरुष, महिलाएं और बच्चे शामिल हैं, तथा उन पर गोली लगने और जलने के निशान हैं। सीरिया के स्वयंसेवी नागरिक सुरक्षा समूह व्हाइट हेलमेट्स के सदस्य ने सबनेह कस्बे में दो संपत्तियों के तहखानों से इन टूटे-फूटे, जले हुए कंकालों को बाहर निकाला। सुरक्षा सूट पहने इन कार्यकर्ताओं ने हर शव को चिह्नित किया और कोडिंग के बाद शवों को बैग में डालकर, ट्रकों के माध्यम से फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया। व्हाइट हेलमेट्स के बचावकर्मी अबेद अल-रहमान मव्वास ने समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (एपी) को बताया कि 28 नवंबर के बाद से संगठन ने 780 से अधिक शवों का पता लगाया है।

इनमें से ज्यादातर की पहचान अज्ञात है। कुछ शव उथली कब्रों में थे, जिन्हें स्थानीय लोगों ने या जानवरों ने खोदकर उजागर किया। शवों को फॉरेंसिक विशेषज्ञों के पास भेजा गया है ताकि उनकी पहचान, मृत्यु का समय और कारण निर्धारित किया जा सके और शवों को उनके परिवारों को सौंपा जा सके। स्थानीय निवासी मोहम्मद अल-हेराफे ने बताया कि 2016 में जब वह अपने परिवार के साथ वापस आए, तब घर में सड़ते शवों की दुर्गंध भरी हुई थी। उन्हें तहखाने में शव मिले, लेकिन उन्होंने सरकार से डरकर इसकी सूचना नहीं दी। स्थानीय निवासियों ने कहा, ''हम जानते थे कि यह सरकार का ही किया हुआ था, इसलिए कुछ नहीं कह सके।

'' असद सरकार पर यह आरोप लगते रहे हैं कि उसने हवाई हमले, यातनाएं, फांसी और सामूहिक गिरफ्तारियां कर अपने शासन को बनाए रखा और विरोधियों का बलपूर्वक दमन किया। एक अन्य तहखाने से शव निकालने वाले अम्मार अल-सलमो ने कहा कि शवों की पहचान के लिए विस्तृत जांच की जरुरत होगी। स्थानीय निवासी मोहम्मद शिबत ने बताया कि उन्होंने 2012 में अपना इलाका छोड़ा और 2020 में लौटे, तब उन्हें तथा उनके पड़ोसियों ने शवों की जानकारी दी, लेकिन किसी ने कार्रवाई नहीं की। संयुक्त राष्ट्र सीरिया जांच आयोग की सोमवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया कि सामूहिक कब्रों के फॉरेंसिक विश्लेषण से लापता लोगों की सच्चाई सामने आ सकती है। रिपोर्ट में 2000 से अधिक गवाहों और 550 से अधिक यातना पीड़ितों की गवाही के आधार पर बताया गया कि कैसे असद शासन के दौरान जेलों में कैदियों को बिजली के झटके, जलाने, नाखून उखाड़ने, बलात्कार, यौन हिंसा, मानसिक और शारीरिक यातनाओं से मारा जाता था। असद सरकार के आठ दिसंबर को पतन के बाद, सैकड़ों परिवार अपने प्रियजनों को ढूंढने के लिए जेलों और मुर्दाघरों में भटक रहे हैं। हालांकि, कई लोग वर्षों बाद रिहा हुए, लेकिन हजारों अब भी लापता हैं।

गांव बंद आंदोलन, किसानो ने उपखण्ड़ अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक राजस्थान)संजीव पाराशर अंराई। खेत को पानी और फसल को दाम सहित विभिन्न मांगों को लेकर किसानों ने जिला कलक्टर के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में किसानों ने फसल खराबा मुआवजा नहीं सहित कई समस्याओं के समाधान की मांग की है। वहीं किसान महापंचायत के बुधवार को गांव बंद आंदोलन को लेकर पुलिस भी सर्तक रही। थानाधिकारी भोपाल सिंह की अगुवाई में पुलिसकर्मी तहसील चौराहा क्षेत्र में तैनात रहे। यहां किसानों के संभावित आंदोलन को लेकर पुलिस ने विशेष एहतियात बरती। शांतिपूर्वक ज्ञापन देने के बाद किसान रवाना हो गए। तब जाकर अधिकारियों ने राहत की सांस ली। वहीं कटसूरा में भी किसानों ने सरकार की किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ नाराजगी जताते हुए शांतिपूर्वक प्रदर्शन किया।

सऊदी अरब में हुआ भीषण सड़क हादसा, 9 भारतीयों की मौत

नई दिल्ली(जीएनएस)। सऊदी अरब में भीषण सड़क हादसा हुआ है। इस हादसे में 9 भारतीयों की मौत हो गई है। जेद्दा में भारतीय मिशन ने इस बारे में जानकारी दी है। मिशन ने बताया कि यह हादसा पश्चिमी सऊदी अरब में जीजान के पास हुआ है। मिशन ने बताया कि वह हादसे में मारे गए लोगों के परिवारों के संपर्क में है। भारतीय मिशन सऊदी के अधिकारियों के संपर्क में भी है जहां से उन्हें पूरा समर्थन मिल रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी इस हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि वह दुर्घटना और लोगों की मौत के बारे में जानकर %दुखी% हैं। एक्स पर एक पोस्ट में विदेश मंत्री ने कहा कि जेद्दा में हमारे महावाणिज्यदूत से बात हुई, जो संबंधित परिवारों के संपर्क में हैं। वह इस दुखद स्थिति में पूरा समर्थन दे रहे हैं। भारतीय वाणिज्य दूतावास ने एक्स पोस्ट में कहा कि हम सऊदी अरब के पश्चिमी क्षेत्र में जिजान के पास सड़क दुर्घटना में 9 भारतीय नागरिकों की दुखद मौत पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं। पीड़ित परिवारों के प्रति हमारी संवेदना है। जेद्दा में भारत का महावाणिज्य दूतावास पूर्ण सहायता प्रदान कर रहा है और पीड़ित परिवारों के संपर्क में है। हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना करते हैं।

मधुबनी, कैमूर सहित चार जिलों की ग्रामीण सड़कों के लिए 116.45 करोड़ रुपये मंजूर

नई दिल्ली(जीएनएस)। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने समस्तीपुर, मधुबनी, कैमूर और अररिया जिलों की कुल 59.770 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों की मरम्मत और रखरखाव के लिए 116.45 करोड़ से अधिक राशि खर्च करने की मंजूरी दी। चुनाव प्रचार के लिए दिल्ली जाने से पहले चौधरी ने बताया कि मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना के अन्तर्गत बजट में अनुसूचित जाति बहुल क्षेत्रों में कुल बजट का 15 प्रतिशत एवं अनुसूचित जनजाति बहुल क्षेत्रों में 1 प्रतिशत राशि आवंटित की गई है। इससे अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन जाति बहुल क्षेत्रों में सड़क का विकास तेज होगा। उन्होंने बताया कि ग्रामीण सड़कों की मरम्मत, सुदृढ़ीकरण एवं बेहतर रखरखाव (प्रबंधन) कार्यक्रम के तहत् अनुसूचित जाति मद में समस्तीपुर जिला के पूसा प्रखण्ड में पूसा बाजार बोस कंपनी चौक से दुभा रोड तक 11.600 किमी सड़क के लिए 18.61330 करोड़ दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि कल्याणपुर प्रखंड में 12.680 किमी सडक के लिए कुल 20.94090 करोड़, मधुबनी जिला के जयनगर प्रखण्ड में 9.600 किमी, लंबे बासोपट्टी- दुबी पथ के लिए 19.78863 करोड़ , कैमुर जिला के प्रखण्ड मोहनियाँ में पथ सियापोखर ब्रिज कैनाल रोड से पासपिपरा रोड तक 13.460 किमी लंबी सड़क के लिए 28.27313 करोड़, अररिया जिला के कार्य प्रमंडल-फारबिसगंज के प्रखण्ड-रानीगंज में कमालपुर डाक बंगला से पचीरा बसगढा तक 12.430 कि.मी. सड़क की मरम्मत के लिए 28.85311 करोड़ रुपये दिये गए हैं।

मौनी अमावस्या पर अमृत स्नान के लिए त्रिवेणी संगम पर एकत्रित हुए अखाड़े

नई दिल्ली(जीएनएस)। मौनी अमावस्या के अवसर पर अमृत स्नान के लिए अखाड़ों के सदस्य बुधवार को त्रिवेणी संगम पर छोटी संख्या में एकत्र हुए। पंचायती निरंजनी अखाड़े के दिगंबर नागा बाबा चिदानंद पुरी ने अमृत स्नान के बाद कहा कि महाकुंभ में आज की भगदड़ जैसी स्थिति के बाद निरंजनी अखाड़े के लोग कम संख्या में पवित्र डुबकी लगाने के लिए आ रहे हैं।

कैबिनेट ने 16300 करोड़ रुपये के खनिज मिशन को मंजूरी दी

नई दिल्ली(जीएनएस)। केंद्रीय मंत्रीमंडल ने 16,300 करोड़ रुपये के खनिज मिशन को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को इसका एलान किया। इसके साथ ही कैबिनेट ने सी श्रेणी के भारी गुड़ से उत्पादित इथेनॉल की एक्स-मिल कीमत 56.28 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 57.97 रुपये प्रति लीटर करने को भी मंजूरी दे दी है। सरकार की ओर से निर्धारित इथेनॉल की कीमतें 2022-23 इथेनॉल आपूर्ति वर्ष (नवंबर-अक्तूबर) के बाद से नहीं बढ़ाई गई थी। गन्ने के रस, बी-हैवी गुड़ और सी-हैवी गुड़ से उत्पादित इथेनॉल की वर्तमान दरें क्रमश: 65.61 रुपये, 60.73 रुपये और 56.28 रुपये प्रति लीटर हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को इस वर्ष 31 अक्तूबर को समाप्त होने वाली 2024-25 अवधि के लिए इथेनॉल की कीमतों का एलान किया। सी श्रेणी के भारी गुड़ से प्राप्त इथेनॉल की एक्स-मिल कीमत 1.69 रुपये बढ़ाकर 57.97 रुपये प्रति लीटर करने को मंजूरी दी गई। बी श्रेणी के भारी गुड़ और गन्ना रस/चीनी/चीनी सिरप से उत्पादित इथेनॉल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया। इनकी कीमतें क्रमश: 60.73 रुपये प्रति लीटर और 65.61 रुपये प्रति लीटर पर अपरिवर्तित रखी गईं। इथेनॉल की कीमतें बढ़ाने का फैसला आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने ली। इसकी जानकारी देते हुए सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2024-25 के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के लिए इथेनॉल खरीद मूल्य में संशोधन को मंजूरी दी गई है। सरकार ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य भी 2030 से घटाकर इथेनॉल वर्ष 2025-26 कर दिया है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है, इस दिशा में एक कदम उठाते हुए, तेल विपणन कंपनियों ने चालू ईएसवाई 2024-25 के दौरान 18 प्रतिशत इथेनॉल के मिश्रण की योजना बनाई है। इस बीच, चीनी और इथेनॉल से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में तेजी दिखी है। ईआईडी-पैरी, श्री रेणुका शुगर्स, बलरामपुर चीनी मिल्स और त्रिवेणी इंजीनियरिंग के शेयरों में बीएसई सेंसेक्स पर 3.7त्न, 4.5त्न, 2.5त्न और 2.3त्न की बढ़त दर्ज की गई। सेंसेक्स 0.62त्न की बढ़त दिखी।

इसरो का 100वां लॉन्च सफल: भारत हुआ ताकतवर

नई दिल्ली(जीएनएस)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का 100वां लॉन्च मिशन सफल हो गया है। एनवीएस-02 उपग्रह को सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित करने के बाद इसरो की इस उपलब्धि को बड़ा मुकाम करार दिया जा रहा है। देशभर की बड़ी हस्तियों ने इस मिशन की सफलता को लेकर इसरो को बधाई दी हैं। इसरो ने बुधवार सुबह 6.23 बजे अपना 100वां मिशन लॉन्च किया। इसके तहत श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से जीएसएलवी-एफ15 के जरिए 2250 किलोग्राम की नैविगेशन सैटेलाइट एनवीएस-02 को भेजा गया। नैविगेशन उपग्रह एनवीएस-2 नैविगेशन विद इंडियन कॉन्स्टेलेशन यानी नाविक शृंखला का दूसरा उपग्रह है। इस शृंखला में कुल पांच सैटेलाइट भेजी जानी हैं। इससे पहले एनवीएस-01, जो दूसरी पीढ़ी का पहला सैटेलाइट था, 29 मई 2023 को जीएसएलवी-एफ12 के जरिए लॉन्च किया गया था। जबकि, एनवीएस-02, एनवीएस सीरीज का दूसरा सैटेलाइट है। इसमें एल1, एल5 और एस बैंड में नेविगेशन पेलोड के साथ-साथ सी-बैंड में रेंजिंग पेलोड भी लगाया गया है, जैसा कि इसकी पहली पीढ़ी की सैटेलाइट एनवीएस-01 में था। अंतरिक्ष मामलों के विशेषज्ञों के मुताबिक, एनवीएस-02 के जरिए भारत अपने नाविक सिस्टम को मजबूत करेगा। इसरो का यह उपग्रह पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से देश में ही बना है। इसे यूआर सैटेलाइट सेंटर (यूआरएससी) में डिजाइन, विकसित और तैयार किया गया है। नवंबर-दिसंबर 2024 के बीच इस सैटेलाइट की टेस्टिंग की गई, जिसमें इसकी हर परिस्थिति का सामना करने की काबिलियत को परखा गया। इसमें भारत के सटीक समय की जानकारी देने के लिए एक परमाणु घड़ी भी लगाई गई है, जिसे रूबिडियम एटॉमिक फ्रीक्वेंसी स्टैंडर्ड (आरएएफएस) भी कहा जाता है। जिस नाविक प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए इस उपग्रह को लॉन्च किया गया है, उसके जरिए भारत को कई क्षेत्रों में स्वतंत्र और स्वायत्त बनाने के लिए की गई है। मसलन भारत में अभी नक्शों से लेकर मोबाइल-कंप्यूटर पर समय तक के लिए लोगों को विदेशी तकनीक पर निर्भर रहना पड़ता है। भारत में नक्शे पर किसी भी जगह या किसी चीज की सटीक स्थिति बताने, गति और डिजिटल डिवाइसेज पर सही समय बताने के लिए देश अब तक अमेरिका के ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) तकनीक या रूस के ग्लोनास सिस्टम पर निर्भर है। इतना ही नहीं दुनिया की अधिकतर महाशक्तियों ने सैटेलाइट नैविगेशन सिस्टम के क्षेत्र में स्वायतत्ता हासिल करने के लिए अपनी खुद की प्रणालिया बना ली हैं। अमेरिका और रूस के अलावा चीन ने अपना बेइडू नैविगेशन सिस्टम स्थापित किया है। इसके अलावा यूरोपीय संघ अपने क्षेत्र में नैविगेशन सेवाओं के लिए गैलिलियो सिस्टम का इस्तेमाल करता है। भारत की तरफ से अपना नैविगेशन सिस्टम- नाविक बनाने की एक अहम वजह कूटनीतिक स्तर पर स्वतंत्रता और स्वायत्तता हासिल करना है। दरअसल, किसी तनाव की स्थिति में विदेशी ताकतें अपने सैटेलाइट नैविगेशन सिस्टम के इस्तेमाल को दूसरे देशों के लिए बंद कर सकती हैं। भारत के साथ 1999 में यह हो भी चुका है। कारगिल युद्ध के दौरान भारत ने अमेरिका से अपने ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) के जरिए ट्रैकिंग की सुविधा कारगिल में मुहैया कराने की मांग की थी। इसके जरिए भारत आतंकियों की सही स्थिति जानने की कोशिश में था। हालांकि, तब अमेरिका ने इस मांग को नकार दिया था। तब भारत को पहली बार अपने स्वदेशी सैटेलाइट नैविगेशन सिस्टम की जरूरत महसूस हुई, जो देश के नक्शे पर सही स्थिति, सही समय और गति बताने का काम करे। इसी कड़ी में 2006 में भारत ने स्वदेशी प्रोजेक्ट नाविक की शुरुआत की। भारत की तरफ से इस प्रोजेक्ट में सैटेलाइट लॉन्च करने की प्रक्रिया 2013 से ही शुरू कर दी गई थी। तब भारत ने आईआरएनएसएस वर्ग की सैटेलाइट लॉन्च की थीं। 2013 से 2018 तक इस रेंज की कुल नौ सैटेलाइट लॉन्च की गईं। भारत ने इसके बाद एनवीएस सीरीज की सैटेलाइट्स लॉन्च करना शुरू किया। इन सैटेलाइट का मकसद आईआरएनएसएस सैटेलाइट प्रणालियों को और मजबूत करना है। एनवीएस-2 इस श्रेणी की सबसे नई सैटेलाइट है। इस प्रोजेक्ट के तहत अब तक कुल 11 सैटेलाइट लॉन्च की गई हैं, जिनमें से एक का लॉन्च नाकाम रहा था। वहीं 10 सैटेलाइट अपनी कक्षाओं में हैं। इनमें से 6 सैटेलाइट ठीक ढंग से काम कर रही हैं। वहीं चार सैटेलाइट शॉर्ट मैसेज ब्रॉडकास्ट सेवाओं में काम आ रही हैं। भारत का यह सैटेलाइट नैविगेशन सिस्टम फिलहाल सैन्य क्षेत्रों में इस्तेमाल के लिए ही सीमित रखा गया है। यानी इस सिस्टम को कूटनीतिक क्षेत्र में प्रयोग किया जा रहा है। हालांकि, एनवीएस सैटेलाइट्स के कक्षा में स्थापित होने के बाद नाविक सिस्टम और ज्यादा मजबूत होकर उभरेगा। एनवीएस वर्ग की पांच सैटेलाइट्स की स्थापना के बाद नाविक सैटेलाइट नैविगेशन सिस्टम को नागरिकों को भी मुहैया कराए जाने की संभावना है। यह सिस्टम कितना सटीक होगा, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह भारत की धरती पर 10 मीटर की दूरी तक की सही गणना बता देगा। यानी सैटेलाइट हर 10 मीटर के क्षेत्र पर मूवमेंट पर निगाह रखेंगी। इतना ही नहीं, भारत के बाहर यह सिस्टम 20 मीटर तक सटीक होगा। इस पूरे सिस्टम की रेंज भारत और आसपास के क्षेत्र में 1500 किलोमीटर तक होगी।

जब कोई देश खेल में आगे बढ़ता है तो, देश की साख बढ़ती है-प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली(जीएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड में 38वें राष्ट्रीय खेलों का रंगारं देहरादून में राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जब कोई देश खेल में आगे बढ़ता है तो, देश की साख और प्रोफाइल भी बढ़ती है। इसलिए सरकार खेल को विकास से जोड़कर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की तीसरी बडी आर्थिक शक्ति बन रहा है तो इसमें स्पोर्ट्स इकोनॉमी का भी अहम योगदान होने जा रहा है। इससे खिलाड़ी ही नहीं बल्कि सहायक स्टॉफ से लेकर मैन्यूफैक्चर तक जुड़े होते हैं। उन्होने कहा कि भारत खेल सामग्री उत्पादन का हब बनता जा रहा है। अकेले मेरठ में खेल सामग्री निर्माण की 35 हजार से अधिक यूनिट हैं, जहां तीन लाख लोग काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड आज युवा ऊर्जा से और भी दिव्य हो उठा है, बाबा केदार, बद्रीनाथ जी, मां गंगा के शुभाशीष के साथ आज यहां नेशनल गेम्स शुरू हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये वर्ष उत्तराखंड के निर्माण का 25वां वर्ष भी है, इस खास अवसर पर इस युवा राज्य में देश के अलग-अलग हिस्सों से आए, हजारों युवा अपना सामर्थ्य दिखाने वाले हैं। इससे यहां एक भारत, श्रेष्ठ भारत की सुंदर तस्वीर नजर आ रही है। प्रधानमंत्री ने शानदार आयोजन के लिए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और उनकी टीम को बधाई दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अब देश में सालभर कई खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं, खेलो इंडिया सीरीज में कई सारे नए टूर्नामेंट जोड़े गए हैं। खेलो इंडिया यूथ गेम्स की वजह से युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मौका मिला है। इसी तरह यूनिवर्सिटी गेम्स और पैरा ओलंपिक गेम्स से भी मौके बढ़े हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अभी कुछ दिन पहले लद्दाख में खेलो इंडिया विंटर गेम्स का पांचवां संस्करण शुरु हुआ है। पिछले साल ही बीच गेम्स का भी आयोजन किया। सरकार के साथ ही भाजपा सांसद भी सांसद निधि से खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा दे रहे हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संसदीय क्षेत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि अकेले काशी संसदीय क्षेत्र में आयोजित हो रही खेल प्रतियोगिता में हर साल करीब ढाई लाख युवाओं को खेलने का मौका मिल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते दिनों उनसे मिलने ओलंपिक टीम के सदस्य आए थे, उस दौरान एक खिलाड़ी ने पीएम की नई परिभाषा बताई, जिसके अनुसार खिलाड़ी पीएम को प्राइम मिनिस्टर नहीं बल्कि परम मित्र कह कर बुलाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि दस साल में खेल का बजट तीन गुना बढ़ गया है, टॉप स्कीम के तहत दर्जनों खिलाड़ियों पर सैकडों करोड़ रुपए का निवेश हो रहा है। देशभर में आधुनिक खेल सुविधाओं का विकास हो रहा है। देश की पहली खेल यूनिवर्सिटी मणिपुर में है। सरकार के प्रयासों का असर पदक तालिका के रूप में नजर आ रहा है। देश के साथ ही उत्तराखंड के खिलाड़ी भी मैडल जीत रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज हॉकी के गौरवशाली दिन वापस लौट रहे हैं। कुछ दिन पहले ही खो ङ्क खो टीम ने वर्ल्ड कप जीता है। अब युवा खेल को प्रमुख कैरियर के रूप में अपना रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि जैसे हमारे खिलाड़ी हमेशा बड़े लक्ष्य लेकर चलते हैं, वैसे ही हमारा देश भी बडे संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है। इसलिए भारत 2036 में ओलंपिक की मेजबानी का प्रयास कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जहां भी ओलंपिक होते हैं वहां अनेक सेक्टर को गति मिलती है। खिलाड़ियों के लिए बेहतर सुविधाए बनती हैं। ठीक ऐसे ही नेशनल गेम्स से यहां देवभूमि उत्तराखंड को अनेक लाभ मिलेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि बाबा केदार के दर्शन के बाद उनके मुंह से अचानक ही निकला था, कि 21वीं सदी का ये दशक, उत्तराखंड के नाम होने जा रहा है। अब उन्हें खुशी है कि राज्य तेजी से इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कल ही उत्तराखंड समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने वाला राज्य बन गया है। यूसीसी सही मायने में सेक्युलर सिविल कोड है, जो हमारी बेटियों, माताओं और बहनों के गरिमापूर्ण जीवन का आधार बनेगा। इससे लोकतंत्र की भावना भी मजबूत होगी। कहा कि जैसे हर मैडल के पीछे सबको साथ लेकर चलने की भावना छुपी होती है, यही भावना यूसीसी में भी है। उन्होंने राज्य सरकार की पीठ थपथपाते हुए कहा कि उत्तराखंड में पहली बार इतने बडे पैमाने पर नेशनल ईवेंट हो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था सिर्फ चारधाम यात्रा पर ही निर्भर नहीं रह सकती है। इसी दिशा में उत्तराखंड ने अब शीतकालीन यात्रा को भी प्रोत्साहित किया है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड उनका दूसरा घर है, इसलिए उनकी भी शीतकालीन यात्रा का हिस्सा बनने की इच्छा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि शीतकाल के दौरान उत्तराखंड में युवाओं के लिए एडवेंचर टूरिज्म के लिए भी कई अवसर होते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से भी शीतकालीन टूरिज्म का आनंद उठाने की अपील की।

संपादकीय

वित्तीय वर्ष 2025-26 के केंद्रीय बजट से मिल सकती हैं कई सौगातें

वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली छमाही (अप्रेल-सितम्बर 2024) में भारत की आर्थिक विकास दर कुछ कमजोर रही है। प्रथम तिमाही (अप्रेल-जून 2024) में तो सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर गिरकर 5.2 प्रतिशत के निचले स्तर पर आ गई थी। इसी प्रकार द्वितीय तिमाही (जुलाई-सितम्बर 2024) में भी सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 5.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। इससे वित्तीय वर्ष 2024-25 में यह वृद्धि दर घटकर 6.6 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है, जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत की रही थी। वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम छमाही में आर्थिक विकास दर के कम होने के कारणों में मुख्य रूप से देश में सम्पन्न हुए लोक सभा चुनाव है और आचार संहिता के लागू होने के चलते केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्चों एवं अन्य खर्चों में भारी भरकम कमी दृष्टिगोचर हुई है। साथ ही, देश में मानसून की स्थिति भी ठीक नहीं रही है। केंद्र सरकार ने हालांकि मुद्रा स्फीति पर अंकुश लगाने में सफलता तो अर्जित कर ली है परंतु उच्च स्तर पर बनी रही मुद्रा स्फीति के कारण कुल मिलाकर आम नागरिकों, विशेष रूप से मध्यमवर्गीय परिवारों, की खर्च करने की क्षमता पर विपरीत प्रभात जरूर पड़ा है और कुछ मध्यमवर्गीय परिवारों के गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे परिवारों की श्रेणी में जाने का खतरा उत्पन्न हो गया है। किसी भी देश में मध्यमवर्गीय परिवारों की जितनी अधिक संख्या रहती है, उस देश की आर्थिक विकास दर ऊंचे स्तर पर बनी रहती है क्योंकि मध्यमवर्गीय परिवार ही विभिन्न प्रकार के उत्पादों (दोपहिया वाहन, चारपहिया वाहन, फ्रिज, एयर कंडीशनर जैसे उत्पादों एवं नए फ्लेट्स एवं भवनों आदि) को खरीदने पर अपनी आय के अधिकतम भाग का उपयोग करता है। इससे आर्थिक चक्र में तीव्रता आती है और इन उत्पादों की बाजार में मांग के बढ़ने के चलते इनके उत्पादन को विभिन्न कम्पनियों द्वारा बढ़ाया जाता है, इससे इन कम्पनियों की आय एवं लाभप्रदता में वृद्धि होती है एवं देश में रोजगार के नए अवसर निर्मित होते हैं। भारत में पिछले कुछ समय से मध्यमवर्गीय परिवारों की व्यय करने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ा है अतः दिनांक 1 फरवरी 2025 को केंद्र सरकार की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन से अब यह अपेक्षा की जा रही है कि वे वित्तीय वर्ष 2025-26 के केंद्र सरकार के बजट में मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए विशेष रूप से आय कर में छूट की घोषणा करेंगी। देश के कई अर्थशास्त्रियों का तो यह भी कहना है कि न केवल आय कर में बल्कि कारपोरेट कर में भी कमी की घोषणा की जानी चाहिए। इनफोसिस के संस्थापक सदस्यों में शामिल श्री मोहनदास पई का तो कहना है कि 15 लाख से अधिक की आय पर लागू 30 प्रतिशत की आय कर की दर को अब 18 लाख से अधिक की आय पर लागू करना चाहिए। आय कर मुक्त आय की सीमा को वर्तमान में लागू 7.75 लाख रुपए की राशि से बढ़ाकर 10 लाख रुपए कर देना चाहिए। आयकर की धारा 80सी के अंतर्गत किए जाने निवेश की सीमा को भी 1.50 लाख रुपए की राशि से बढ़ाकर 2 लाख रुपए कर देना चाहिए। मकान निर्माण हेतु लिए गए ऋण पर अदा किए जाने वाले ब्याज पर प्रदान की जाने वाली आयकर छूट की सीमा को 2 लाख रुपए से बढ़ाकर 3 लाख रुपए किया जाना चाहिए। फरवरी 2025 माह में ही भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मोनेटरी पोलिसी की घोषणा भी होने जा रही है। भारतीय रिजर्व बैंक से अब यह अपेक्षा की जा रही है कि वे रेपो दर में कम से कम 25 अथवा 50 आधार बिंदुओं की कमी तो अवश्य करेंगे। क्योंकि, पिछले लगातार लगभग 24 माह तक रेपो दर में कोई भी परिवर्तन नहीं करने के चलते मध्यमवर्गीय परिवारों द्वारा मकान निर्माण एवं चार पहिया वाहन आदि खरीदने हेतु बैंकों से लिए गए ऋण की किश्त की राशि का बोझ बहुत अधिक बढ़ गया है। बैंकों से लिए गए इस प्रकार के ऋणों एवं माइक्रो फाइनैन्स की किश्तों की अदायगी में चूक की घटनाएं भी बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं। अब मुद्रा स्फीति की दर खाद्य पदार्थों (फलों एवं सब्जियों आदि) के कुछ महंगे होने के चलते ही उच्च स्तर पर आ जाती है जबकि कोर मुद्रा स्फीति की दर तो अब नियंत्रण में आ चुकी है। खाद्य पदार्थों की महंगाई को ब्याज दरों को उच्च स्तर पर बनाए रखकर कम नहीं किया जा सकता है। अतः भारतीय रिजर्व बैंक को अब इस ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में सम्पन्न हुए लोक सभा चुनाव के चलते देश में पूंजीगत खर्चों में कमी दिखाई दी है। इसीलिए अब लगातार यह मांग की जा रही है कि देश में वन नेशन वन इलेक्शन कानून को शीघ्र ही लागू किया जाना चाहिए क्योंकि बार बार देश में चुनाव होने से केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा आचार संहिता के लागू होने के चलते अपने बजटीय खर्चों को रोक दिया जाता है जिससे देश का आर्थिक विकास प्रभावित होता है। अतः वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए लोक सभा में पेश किए जाने वाले बजट में पूंजीगत खर्चों को बढ़ाने पर गम्भीरता दिखाई जाएगी। हालांकि वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट में 7.50 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्चों का प्रावधान किया गया था, वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में 10 लाख करोड़ रुपए एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में 11.11 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्चों का प्रावधान किया गया था। अब वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कम से कम 15 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्चों का प्रावधान किये जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इससे देश में धीमी पड़ रही आर्थिक गतिविधियों को तेज करने में सहायता मिलेगी और रोजगार के करोड़ों नए अवसर भी निर्मित होंगे, जिसकी वर्तमान समय में देश को अत्यधिक आवश्यकता भी है। विभिन्न राज्यों द्वारा चलायी जा रही फ्रीबीज की योजनाओं पर भी अब अंकुश लगाए जाने के प्रयास किए जाने चाहिए। इन योजनाओं से देश के आर्थिक विकास को लाभ कम और नुक्सान अधिक होता है। केरल, पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं दिल्ली की स्थिति हम सबके सामने है। इस प्रकार की योजनाओं को चलाने के कारण इन राज्यों के बजटीय घाटे की स्थिति दयनीय स्थिति में पहुंच गई है। पंजाब तो किसी समय पर देश के सबसे सम्पन्न राज्यों में शामिल हुआ करता था परंतु आज पंजाब में बजटीय घाटा भयावह स्थिति में पहुंच गया है। जिससे ये राज्य आज पूंजीगत खर्चों पर अधिक राशि व्यय नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि इन राज्यों की न तो आय बढ़ रही है और न ही बजटीय घाटे पर नियंत्रण स्थापित हो पा रहा है। पिछले कुछ समय से भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी कम हो रहा है। यह सितम्बर 2020 तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद का 4.3 प्रतिशत था जो अब गिरकर सकल घरेलू उत्पाद का 0.8 प्रतिशत के स्तर तक नीचे आ गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में इस विषय पर भी गम्भीरता से विचार किया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2019 के बजट में कोरपोरेट कर की दरों में कमी की घोषणा की गई थी, जिसका बहुत अच्छा प्रभाव विदेशी प्रत्यक्ष निवेश पर पड़ा था और सितम्बर 2020 में तो यह बढ़कर सकल घरेलू उत्पाद का 4.3 प्रतिशत तक पहुंच गया था।

कोटा मंडल के देवी सिंह 38 वें राष्ट्रीय खेल में बॉक्सिंग निर्णायक की भूमिका के लिए चयनित

(आधुनिक राजस्थान)कोटा। 38वें राष्ट्रीय खेल भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा दिनांक 29 जनवरी से 08 फरवरी, 2025 तक पिथौरागढ़, उत्तराखंड में आयोजित किया जा रहा है। जिसमें बॉक्सिंग खेल में निर्णायक के रूप में रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा कुल 5 खिलाड़ियों को चयनित किया गया है। जिसमें पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल से मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के इंजीनियरिंग विभाग में मुख्य कार्यालय अधीक्षक के रूप में कार्यरत देवी सिंह को चुना गया है। उत्तराखंड में आयोजित किए जा रहे राष्ट्रीय खेल में बॉक्सिंग निर्णायक के तौर पर चयनित होने पर वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी एवं मंडल खेलकूद अधिकारी सुप्रकाश, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) संजय यादव सहित विभाग के सभी साथी कर्मचारियों ने शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

जैन सोशयल श्वेताम्बर पद्मिनी ग्रुप ने चिकित्सालय की भोजनशाला में दी सेवाएं

(आधुनिक राजस्थान)ओम जैन शंभूपुरा। श्री सांवलियाजी राजकीय चिकित्सालय परिसर में मरीजों के हितार्थ चल रही भोजनशाला में अखिल भारतीय जैन सोशयल श्वेताम्बर पद्मिनी ग्रूप चित्तौड़गढ़ ने सेवाएँ देकर मानव सेवा कार्य किया। ग्रुप अध्यक्ष पदमा पगारिया ने बताया की शुद्ध एवं सात्विक भोजन उपलब्ध कराने वाली विभिन्न भामाशाहों के सहयोग से चल इस भोजनशाला में समय-समय पर आमजन अपनी सेवाएँ देकर मानव सेवा कार्य करते रहते हैं। इससे पूर्व भी ग्रुप अपनी सेवाएँ यहाँ देता रहा है। ग्रुप की निशा सिंघवी, अक्षरा सिंघवी, राशि सिंघवी, तनीषा पटवारी, ग्रूप चेयरपर्सन सीमा छाजेड, उपाध्यक्ष वंदना अलावत, निशा मेहता, सुनीता सुराणा, रीना पटवारी, सुनीता पोखरना, रिंकू भड़कत्या, रेखा सिंघवी, सीमा सिंघवी, हर्षा पटवारी, मंजू नाहटा आदि ने सेवा कार्य किया।

दिनेश सरगरा बने सरगरा युवा महासभा के प्रदेश महासचिव

(आधुनिक राजस्थान)भेराराम सेन, डेगाना। अखिल भारतीय क्षत्रिय सरगरा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र धवल ने प्रदेश कार्यकारिणी में दिनेश सरगरा,डेगाना (नागौर) को प्रदेश महासचिव नियुक्त किया प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र धवल ने कहा की दिनेश सरगरा सामाजिक उन्नयन व एकता में युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए दिनेश सरगरा को प्रदेश टीम में जिम्मेदारी दी है। सरगरा विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़कर समाज सेवा के क्षेत्र में कार्य कर रहे है। प्रदेश महासचिव नियुक्त होने पर दिनेश सरगरा ने कहा कि समाज ने मुझे इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी गई है इससे मैं ईमानदारी से निभाने की कोशिश करूंगा दिनेश सरगरा को प्रदेश महासचिव नियुक्त होने पर पर राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष संजयभाई पढियार, महासभा राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबुलाल आर्य व प्रदेश युवा अध्यक्ष महेन्द्र धवल सहित समाज बंधुओ व परिवार जनों दिनेश सरगरा को शुभकामनाएं दी।

पत्रकार महासंघ द्वारा आयोजित गोष्ठी संपन्न,श्री महावीर जी में बनेगा भारत का सर्वश्रेष्ठ पेनोरमा

(आधुनिक राजस्थान)जयपुर। जैन पत्रकार महासंघ के तत्वावधान में 29 जनवरी प्रातः 10:30 बजे जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश जैन तिजारिया की अध्यक्षता में, श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल के मुख्य आतिथ्य में बड़जात्या सभागार भट्टारकजी की नसियां नारायण सिंह सर्किल में जैन पत्रकारों की विचार गोष्ठी सफलता के साथ सम्पन्न हुई। जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने अवगत कराया कि राजस्थान सरकार ने नौ स्थानों पर पेनोरमा का निर्माण कराए जाने की घोषणा की गई थी जिसके अंतर्गत एक पेनोरमा श्री महावीर जी में निर्माण होगा इसके अन्तर्गत गोष्ठी में मुख्य अतिथि सुधांशु कासलीवाल जी ने पत्रकारों के समक्ष पूर्ण रूपरेखा रखी, उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को पैनोरमा निर्माण के लिए श्री महावीर जी में प्रबंध समिति की ओर से भूमि भी चिन्हित कर दी गई है उन्होंने कहा कि यह पैनोरमा सरकार व महावीर जी क्षेत्र के सहयोग से जैन संस्कृति,देव , शास्त्र व गुरुओं पर आधारित भारत का सर्वश्रेष्ठ आधुनिक पेनोरमा का निर्माण होगा,इस संबंध में पत्रकारों ने अपने-अपने विचार रखे इसके संबंध में निर्णय हुआ कि एक सप्ताह के अंदर लिखित में जैन पत्रकार महासंघ के माध्यम से सुझाव प्रस्तुत किये जायें । कासलीवाल जी ने महावीर जी व जयपुर में श्रीमहावीरजी क्षेत्र द्वारा कराई जा रही योजनाओं के संबंध में भी पत्रकारों को अवगत कराया। गोष्ठी में राजस्थान सरकार से आदिनाथ जयंती एवं भारत सरकार द्वारा प्रत्येक राज्य में श्री महावीर जैयन्ती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित हो पर चर्चा हुई और निर्णय हुआ कि इस संबंध में राजस्थान व भारत सरकार से सम्पर्क कर प्रभावी कार्रवाई की जाए । अध्यक्षीय उद्बोधन में रमेश जैन तिजारिया ने कहा कि पत्रकार महासंघ तीर्थ क्षेत्रों , जैन संस्कृति आदि व पत्रकारों के हित में अनेकों कार्य कर रहा है ,आप महासंघ की प्रत्येक योजनाओं में सहयोग प्रदान करें और महासंघ से जुड़ें। इस अवसर पर डा अनिल जैन, दिलीप जैन, महेंद्र बैराठी, हीराचंद वैद , संजय बड़जात्या , राकेश गोदिका ,चक्रेश जैन , राकेश गोधा आदि ने पेनोरमा, श्रीमहावीरजी के हुए विकास कार्यों, जैन समाज व धर्म के सम्बन्ध में अपने-अपने विचार रखे। गोष्ठी में पीयूष जैन, राजेंद्र जैन वैद, दीपक गोधा ,अमन जैन कोटखावदा , राजा बाबू जैन गोधा, राजेंद्र कासलीवाल, विमल बज, नेमीचंद जैन आदि उपस्थित थे । गोष्ठी का संचालन राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने किया। अंत में पत्रकार महासंघ द्वारा प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के मोक्ष कल्याणक के अवसर पर उत्तर प्रदेश के बड़ोत शहर में दर्दनाक हादसे से 7 श्रावकों की मृत्यु होने पर दुःख व्यक्त किया नौ बार णमोकार मंत्र बोलकर व मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई।

फसल बीमा क्लेम राशि नहीं मिली :किसानो ने प्रदर्शन कर तहसीलदार को जिला कलेक्टर का नाम सौंपा ज्ञापन 3 दिन मे अनुदान राशि नही मिलने पर दी आंदोलन की चेतावनी

(आधुनिक राजस्थान) संजीव पाराशर अंराई। भारतीय किसान यूनियन के उमराव गोरेली तथा किसान महापंचायत के तहसील अध्यक्ष रतनलाल बटेसर के साथ किसानों ने बुधवार को जिला कलक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि अराई में वर्ष 2023 की खरीफ व रबी फसल का खराबा का मुआवजा किसानों को नहीं दिया गया है। किसानों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत प्रीमियम जमा करवाने सहित सभी आवश्यक खानापूर्ति कर दी थी। लेकिन इंश्योरेंस कंपनी की ओर से अभी तक मुआवजा राशि जारी नहीं की गई है। वहीं 2024 में अतिवृष्टि के कारण लगभग 90 प्रतिशत फसल खराब हो गई थी। जिसका भी मुआवजा नहीं दिया जा रहा है। ज्ञापन में बताया कि जिला कलक्टर की रात्रि चोपाल में भी किसानों ने गुहार लगाई थी मगर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इससे किसानों में रोष व्याप्त है। किसानों ने बताया कि तीन दिवस में मुआवजा राशि जारी नहीं करने पर आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान रामाकिशन माली, इन्द्रराज रेगर, रोडूराम, रामसहाय, राजू माली, गोपाल लाल, रामराज जाट, तेजमल रेगर, दिनेश माली, रामपाल, मोहनलाल, भागचन्द, अभिषेक वैष्णव सहित कई किसान मौजूद रहे।

जैनाचार्य वसुनंदी रचित महाकाव्य अशोक रोहिणी चरित्र का हुआ विमोचन

(आधुनिक राजस्थान)जयपुर (मनोज जैन नायक)। दिगंबर जैनाचार्य प्राकृत चक्रवर्ती श्री 108 वसुनंदी महामुनिराज द्वारा रचित महाकाव्य अशोक रोहिणी का मंगलवार को धर्म जागृति संस्थान राजस्थान प्रान्त द्वारा जयपुर के विभिन्न जैन मंदिरों के पदाधिकारियों से विमोचन कराया गया । संस्थान के संयुक्त महामंत्री संजय जैन बडजात्या कामां के अनुसार ग्रंथ असोग-रोहिणी-चरियं (अशोक रोहिणी चरित्र) महाकाव्य आचार्य श्री वसुनंदी जी महाराज द्वारा रचित दिगंबर परम्परा का सबसे वृहद् प्राकृत महाकाव्य है, जो 2442 गाथाओं में निबद्ध व 21 नंदों में विभक्त है। यह महाकाव्य रोहिणी व्रत के माहात्म्य को प्रदर्शित करने वाला है। इसमें अशोक व रोहिणी का अत्यंत प्रेरणादायक चरित्र है। यह ग्रंथ बहुत सरल, रुचिकर व महत्वपूर्ण है। इस अवसर स्थानीय जैन मंदिर जनकपुरी , कीर्ति नगर , मीरा मार्ग , थड़ी मार्केट , प्रताप नगर , बरकत नगर आदि के प्रतिनिधि उपस्थित रहे । पंकज लुहाड़िया ने बताया की प्रत्येक श्रावक को इस ग्रंथ का अध्ययन अवश्य ही करना चाहिए। इस ग्रंथ की इक्यावन प्रति उपस्थित सभी मंडल धारकों को मंदिरों के लिए स्वाध्याय हेतु उपहार स्वरूप प्रदान की गई ।

शहर के जागरूक युवाओं ने लगाई पुकार कलेक्टर साहब शहर की गंगा बनी प्लास्टिक और गन्दगी का गढ़, जरा इधर भी हो ध्यान आकर्षित

(आधुनिक राजस्थान)ओम जैन शंभूपुरा। अपने गौरवशाली इतिहास और दुर्ग के साथ प्राकृतिक सौंदर्य भी चितौड़गढ़ की पहचान व विरासत है। चित्तौड़ शहर उन गिने चुने शहरों की सूची में शामिल है जहां शहर के बीच से दो नदिया गुजरती है और उनका संगम भी यही होता है। इन नदियो का पवित्र जल शहर के लोगो की पानी की आवश्यकता पूर्ति करता है, एवं कई धर्म के लोग यहाँ पूजा आरती करने भी समय समय पर आते रहते है, लेकिन चित्तौड़ शहर की गंगा गंभीरी नदी में सैकड़ो टन प्लॉस्टिक प्रवाहित होता नज़र आ रहा है। नदी का किनारा मिट्टी के बजाय प्लास्टिक का गढ़ बन गया है जिससे नदी में फैलते प्लास्टिक प्रदूषण से पर्यावरण को गंभीर क्षति पहुँच रही है साथ ही नदियो के किनारे और जल निकायों में जलीय जीवन पर इसका असर पड़ रहा है, विशेष बात यह कि यह नदी कलेक्ट्रेट से मात्र 500 मीटर कि दूरी से ही होकर गुजर रही, जहाँ दिन में कई जिला स्तरीय अधिकारी, जिला कलेक्टर सहित सभी जनप्रतिनिधि भी यही से होकर गुजरते है, बावजूद इसके यह अनदेखी का शिकार हो रही है। बढ़ते प्लास्टिक और इनसे होने वाले प्रदुषण की रोकथाम हेतु शहर के जागरूक युवा दीपक राजोरा चीनू, गोविंद ईनानी, हरीश वेद, केशव माहेश्वरी ने ज़िला कलेक्टर चित्तौड़गढ़ का इस ओर ध्यान आकर्षित करने हेतु निवेदन किया। इस संबंध में दीपक राजोरा ने बताया कि नई पुलिया के पास नदी के किनारे से सटे ईनानी सीटी सेंटर पर आये दिन मनोरंजन, राजनीतिक, सामाजिक संबंधी इवेंट, मेले, कार्यक्रम होते रहते है जहाँ पर उपयोग किया गया सैंकड़ो टन प्लॉस्टिक कचरा सीधे तौर पर नदी में प्रवाहित कर दिया जाता है। इन इवेंट और कार्यक्रम के बाद उक्त जगह पर सैंकड़ो टन प्लास्टिक एकत्रित होता है जिसे गोवंश तो खाते ही है साथ ही साथ उसी कचरे को बाद मे नदी में डाल दिया जाता है। जिससे नदी में पानी से ज्यादा प्लास्टिक कचरा देखने को मिल रहा है। नदी में घुलते इस ज़हर को सरकार और प्रशासन द्वारा अनदेखा किया जा रहा है। एक और जहाँ सरकार द्वारा स्वच्छ भारत अभियान और नमामि गंगे जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है वही दूसरी ओर इन कार्यक्रमों और योजनाओं का असर शहर की नदी पर नज़र नहीं आ रहा है। इस संबंध में गोविंद इनानी ने बताया कि अगर इस प्लॉस्टिक कचरे को फैलाने वालों पर सख्त कार्यवाही कर इन्हें नहीं रोका गया तो हमे भविष्य में पर्यावरण संबंधी खतरों को झेलना पड़ेगा। इसके साथ ही नदी पर बने घाटों की सुध ली जाकर उनकी मरम्मत की जाये और साफ़ सफ़ाई की व्यवस्था की जाये। इस कड़ी में युवाओं ने शहरवासियो से आव्हान किया की वह आगे आकर कड़े कदम उठाकर नदी की साफ़ सफ़ाई में अपना योगदान दे।

इस्लामपुर के तिरंगा चौक पर गणतंत्र दिवस उत्साह के साथ मनाया गया

(आधुनिक राजस्थान)मनीषा संपत जाधव सांगली महाराष्ट्र। सांगली महाराष्ट्र के तहसील वाळवा के इस्लामपुर में संविधान जागर अभियान एवं फौजी मार्ट मित्र मण्डल की ओर से इस्लामपुर के तिरंगा चौक में हर्षोल्लास के साथ गणतंत्र दिवस मनाया गया. इस मौके पर पूर्व सैनिक एवं पुलिस अधिकारी संजय धुमाळ ने ध्वजारोहण किया। देशभक्ति गीतों व अन्य कार्यक्रमों से आस पास का माहौल देशभक्ति से ओत-प्रोत हो गया। एकलव्य विद्यालय के विद्यार्थियों ने परेड की, जिजाऊ ज्ञान मंदिर के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। उपस्थित पूर्व सैनिकों ने अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। संविधान जागर अभियान के माध्यम से महाराष्ट्र और सांगली जिले के विभिन्न तहसीलों में संविधान जागरूकता अभियान चल रहा है। इस अभियान के आयोजक वरिष्ठ विचारक धनाजी गुरव, उमेश शेवाळे शंकर महापुरे, बी जी पाटिल, शरद कांबळे, गजानन पाटील, भगवान पाटील, आशुतोष जाधव, शाकिर तांबोळी, फारूख मुल्ला, चंद्रकांत हिरगुडे, सागर खोत,अमितकुमार स्वामी,महेश सुपने,संपतराव माळी, नागेश वाघ,बाबासाहेब धुमाळ उपस्थित थे।श्रीमती कल्पना नांगरे, आशुतोष जाधव, अथर्व थोराटु, बोराटे सर, माळी सर ने मिठाई बाटी, उमेश शेवाळे ने उपस्थित सभी मान्यवरों को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया।

महात्मा गांधी घटियावली में इंडियन ऑयल की सीएसआर पहल,बालिकाओं के लिए बनाए टायलेट यूनिट का लोकार्पण

(आधुनिक राजस्थान)ओम जैन शंभूपुरा। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय घटियावली में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड चित्तौड़गढ़ टर्मिनल ने सीएसआर के तहत बालिकाओं के लिए टायलेट यूनिट का निर्माण करवाया। विद्यालय विकास प्रभारी गणपत आमेरिया ने बताया कि इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड चित्तौड़गढ़ टर्मिनल ने विद्यालय में बालिकाओं के लिए टायलेट यूनिट का निर्माण करवाया जिसका लोकार्पण इंडियन आयल कारपोरेशन के महाप्रबंधक मनीष चितकारा और चित्तौड़गढ़ टर्मिनल के वरिष्ठ प्रबंधक अत्री अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। संस्था प्रधान कैलाश चंद्र खटीक की अध्यक्षता में आयोजित हुए कार्यक्रम में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के बंथरा डीपो के एसडीएम दिनेश और सागर डीपो के प्रबंधक अनुराग सैनी अतिविशिष्ट अतिथि थे। जबकि इंडियन ऑयल के जगदीश शर्मा, शशांक जैन और कौशल जागृत विशिष्ट अतिथि थे। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के समस्त अधिकारियों का संस्था प्रधान कैलाश चंद्र खटीक, विद्यालय एसडीएमसी के पीईईओ दीनदयाल नाराणीवाल, उपसरपंच ज्ञानेश्वर पुरी गोस्वामी, आदित्यवीर सिंह शक्तावत, गोपाल कुमावत, रणजीत सिंह शक्तावत, डॉ इंदु श्रृंगी, शिक्षक संघ के प्रमोद गौड़ व वरिष्ठ ग्रामवासियों ने स्वागत अभिनन्दन किया। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों ने टायलेट यूनिट के लोकार्पण के साथ ही विद्यालय में अशोक के पांच पौधे भी लगाए तथा विद्यालय में आगे भी लगातार सहयोग का आश्वासन दिया तथा कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के समस्त विद्यार्थियों को पानी की बोतल भेंट की। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के हेमलता वैष्णव और गणपत आमेरिया ने संयुक्त रूप से किया।

नारायण सेवा संस्थान की मौनी अमावस्या पर सेवा गंगा-भंडारा, कंबल और नारायण लिंब वितरण

(आधुनिक राजस्थान)उदयपुर। आस्था और श्रद्धा के महामेले महाकुंभ में मौनी अमावस्या के पुण्यदाई मौके पर नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर द्वारा सेवा की गंगा बही। दान के हजार गुना फल प्राप्ति की भावना से अलसुबह की मंगल वेला में दूध, पकौड़ी और खिचड़ी का अल्पाहार बटना शुरू हुआ। साथ ही सर्दी की ठिठुरन में कांपते संत,गरीब एवं राहगीरों को कंबल वितरण भी हुआ। वक्त के साथ मध्यान 12 बजे भोजन शुरू हुआ,जो की रात भर चलेगा। करीब 10 - 15 हजार लोगों ने भंडारे का लाभ लिया वहीं 20 हजार कंबल का वितरण किया गया। नारायण सेवा संस्थान के अंतर्राष्टीय अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि नारायण सेवा संस्थान मकर संक्रांति 14 जनवरी से निरंतर महाकुंभ में महापुण्य प्राप्ति के लिए लंगर, भंडारा, कपड़े और कंबल का निःशुल्क वितरण बड़ी संख्या में कर रहा है। इस सेवा में संस्थान की 70 सदस्य टीम 24 घंटे सेवा में जुटी है। 400 लोगों को निःशुल्क आवास की व्यवस्था भी उपलब्ध कराई गई है। जिसमें संस्थान के दानी लोग आ रहे हैं। संस्थान द्वारा हजारों लोगों को मां-गंगा-जमुना -सरस्वती संगम की डुबकी का मौका मिल रहा है। हमारे छोटे से प्रयास से इन 45 दिनों में कई हजार लोग लाभान्वित होंगे। संस्थान निदेशक वंदना अग्रवाल और पलक अग्रवाल के नेतृत्व में कुंभ सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। हम दिव्यांग बंधु-बहिनों को मदद पहुंचाकर गंगा की डुबकी भी लगवा रहे है और कई दिव्यांगों को ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर, बैसाखी भी प्रदान कर रहे हैं। विशेष रूप से दुर्घटना में दिव्यांग हुए सभी आयु वर्ग के बंधु-बहनों का कुंभ नगर में ही माप लिया जाकर उन्हें निःशुल्क मॉड्यूलर कृत्रिम पैर और हाथ लगाए जा रहे हैं। उन्हें ट्रेनिंग भी दी जा रहे हैं।

श्री आदिनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक मनाया एवं निर्वाण लाडू चढ़ाया गया

(आधुनिक राजस्थान)प्रकाश पाटनी, भीलवाड़ा। बापू नगर स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में श्री आदिनाथ भगवान का निर्वाण महोत्सव उत्साह पूर्वक मनाया प्रचार मंत्री प्रकाश पाटनी ने बताया कि प्रातः श्री पदम प्रभु, श्री आदिनाथ भगवान सहित सभी प्रतिमाओं पर 108 रिद्धि मंत्रों से महामस्तकाभिषेक किया द्य बाद में पुलकित जैन एवं रूपेशकासलीवाल ने पदम प्रभु, गोवर्धनअग्रवाल ने आदिनाथ भगवान, अशोक कुमार पाटोदी ने मुनिसुव्रतनाथ भगवान पर शांतिधारा की द्य अन्य प्रतिमाओं पर भी शांतिधारा की गई द्य तथपश्चात निर्वाण कांड के पाठ द्वाराआदिनाथ भगवान के मोक्ष कल्याण का निर्वाण लाडू सामूहिक रूप से चढ़ाया गया द्य सारा वातावरण धर्ममय हो गया श्री आदिनाथ भगवान की पूजा- अर्चना कर अर्ग समर्पण किये द्य महिलाओं ने इस अवसर पर भक्ति भाव से बधाई गीत गाते नृत्य किया द्य जय करो से वातावरण गूंज उठा रात्रि 6:45 पर जिनेंद्र देव की आरती कर 48 दीपों से भक्तांबर की महाआरती कर धर्म का पूरा लाभ लियाद्य इस अवसर पर कई धर्मालुगण उपस्थित थे।

सद्भावना सेवा ट्रस्ट भीलवाड़ा शाखा किशनगढ़ द्वारा 300 स्वेटर वितरित

(आधुनिक राजस्थान)किशनगढ़। सद्भावना सेवा ट्रस्ट भीलवाड़ा शाखा किशनगढ़ एवं स्माइल फांउडेशन किशनगढ़ के सहयोग से किशनगढ़ व अरांई ब्लॉक के 10 राजकीय विद्यालयो मे जरुरत मंद विद्यार्थियों को अध्यक्षता कमला चौधरी एवं शम्भू सिंह चौरडिया के सौजन्य से गरम स्वेटर वितरण किये गये । जगमाल गुर्जर द्वारा चयनित राजकीय विद्यालय सरगांव, बीती, चांदना ढाणी , जोगियों का नाडा, तिलोनिया किशनगढ़ ब्लॉक व सील , सांदोलिया , बडला ढाणी, मोठी , काकलवाडा अरांई ब्लाक के विद्यालयो मे 325 जरुरत मंद विद्यार्थियों का चयन कर स्वेटर वितरित गया गया । इस अवसर पर नागरीदास कला संस्थान किशनगढ़ के गोविंद प्रसाद पाटोदिया, सीमा मेडतिया प्रधानाचार्य एवं पीईईओ, हिम्मत सिंह राजपुरोहित प्रधानाचार्य, नन्दसिंह प्रधानाध्यापक, भोलाराम चौधरी, विजय सिंह गुर्जर प्रधानाध्यापक, समाज सेवक रमेशचंद मालू, सज्जन सिंह रूपनारायण टेलर, रामलाल चौधरी सान्दोलिया तेजसिंह प्रधानाध्यापक मोठी, विष्णु कान्ता पारीक अध्यापिका काकलवाडा , रामू यादव के साथ विद्यालयो के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं व आगनवाड़ी कार्यकर्ता , अभिभावक भी उपस्थित थे । सभी विद्यालयो के संस्था प्रधानों ने इस पुन्य सेवा के लिए कमला चौधरी , शम्भु सिंह , जगमाल गुर्जर, रमेशचंद्र मालू, एवं गोविंद प्रसाद पाटोदिया को धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस अवसर पर शम्भु सिंह चौरडिया द्वारा सान्दोलिया उच्च माध्यमिक विद्यालय मे हार्मोनियम एवं ढोलक सेट देने की भी घोषणा की गई ।

तेजाजी धाम पर तेजाजन्मोत्सव मनाया

(आधुनिक राजस्थान)शिवनारायण सोनी रामसर। रामसर कस्बे में बस स्टेशन स्थित वीर तेजाजी व बासक बाबा धाम पर आज बुधवार को केक काटकर व विशेष पूजा अर्चना करके विशेष सजावट व डेकोरेशन करके तेजाजन्मोत्सव धुमधाम व हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया इस अवसर पर अनेक धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया रात्रि में भजन संध्या आयोजित की गई इस दौरान पुजारी गोविन्द माली विष्णु वैष्णव दामोदर प्रसाद मेहर विशाल साहू धन्ना लाल माली भाग चंद माली बन्ना लाल गुर्जर हीरा लाल माली सहित कई भक्त गण मोजुद थे।

झड़वासा में धूमधाम से मनाया वार्षिकोउत्सव,प्रतिभावन बच्चों, पत्रकारों व भामाशाहो का किया सम्मान

(आधुनिक राजस्थान)झड़वासा। कस्बे के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में वार्षिकोउत्स्व माँ सरस्वती की पूजा वंदना के साथ बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। झड़वासा में स्थानीय विद्यालय में आयोजित उक्त कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बहुत ही उत्साह से भाग लिया। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पंचायत समिति श्री नगर की प्रधान कमलेश गुर्जर, राजस्थान शिक्षक संघ प्रदेश के पदाधिकारी महावीर प्रसाद वर्मा उपस्थित थे वहीं मुख्य अतिथि के रूप सरपंच भंवर सिंह गौड, पूर्व सरपंच देवकरण गुर्जर उपस्थित थे उक्त मुख्य व विशिष्ट अतिथियों और एसएमसी व एसडीएमसी सदस्यों द्वारा भामाशाहों व प्रतिभावन छात्र व छात्राओं और विद्यालय में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों सहित प्रधानाचार्य कौशल्या यादव का सम्मान किया गया इस मौके पर छात्र छात्राओं द्वारा एक बढ़कर एक सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें प्रेरणास्पद चरी नाच, नाटक, एकल नृत्य किया कार्यक्रम संचालन व्याख्याता हेमराज मेघवंशी व पूजा सिंहल ने किया किया इस मौके पर ग्राम के सेंकड़ो महिला पुरुष व बच्चे उपस्थित थे।

सहजयोग में आत्मीय स्वार्थ को पाना ही जीवन का असली लक्ष्य

आजकल स्वार्थ का मतलब अपने हित के बारे में सोचना हो गया है। और अपनी हित सारे ही भौतिक हो गए हैं। स्वार्थ का मतलब अपनी भौतिक खुशी के लिए सब करना हो गया है। लेकिन अब इस स्वार्थ को बढ़ाने का वक्त आ गया है । यदि आप स्वार्थ का संधि विच्छेद करते हैं तो बनता है स्व + अर्थ = स्वार्थ, स्व को जानना सबसे बड़ा स्वार्थ है। स्व और कुछ नहीं बल्कि हमारी आत्मा है। अपनी आत्मा को पूरी तरह समझना, उसकी उन्नति के लिए सभी प्रयत्न करके उसे जागृत करना ही सबसे बड़ा स्वार्थ है। यदि आप स्व को नहीं जानते हैं, तो सारा स्वार्थ व्यर्थ है। तो आपको इस गलत पहचान को अपने दिमाग से पूरी तरह से निकाल देना चाहिए और अधिक से अधिक स्व बनने का प्रयास करना चाहिए। अब हमें यह प्रश्न आता है कि हम यह किस प्रकार करें। इसके लिए हमें अपना आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करना होगा। यह कुंडलिनी शक्ति को जागृत करने के बाद ही संभव है और फिर ध्यान द्वार अपने अंदर की ओर नजर करनी होगी। अब ध्यान करने से पहले, अपने दिल में, या, आपको अपने हृदय में झांकना चाहिए, और उसके अंतरतम भाग में वहां अपने गुरु को रखने का प्रयास करें। हृदय में स्थापित होने के बाद आपको पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ उसे प्रणाम करना चाहिए। अब आप अपने मन से जो कुछ भी करते हैं, बोध के बाद, वह कल्पना नहीं है क्योंकि अब आपका मन, आपकी कल्पना, स्वयं प्रबुद्ध है। तो अपने आप को इस तरह पेश करें कि आप अपने गुरु के चरणों में नतमस्तक हों और अब ध्यान के लिए आवश्यक स्वभाव, या ध्यान के लिए आवश्यक वातावरण के लिए प्रार्थना करें। ध्यान तब होता है जब आप परमात्मा के साथ एक हो जाते हैं। स्थापित होने के बाद आपको पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ उसे प्रणाम करना चाहिए। अब आप अपने मन से जो कुछ भी करते हैं, बोध के बाद, वह कल्पना नहीं है क्योंकि अब आपका मन, आपकी कल्पना, स्वयं प्रबुद्ध है। तो अपने आप को इस तरह पेश करें कि आप अपने गुरु के चरणों में नतमस्तक हों और अब ध्यान के लिए आवश्यक स्वभाव, या ध्यान के लिए आवश्यक वातावरण के लिए प्रार्थना करें। ध्यान तब होता है जब आप परमात्मा के साथ एक हो जाते हैं और फिर आपको अंदर देखना चाहिए और खुद देखना चाहिए कि सबसे बड़ी बाधा क्या है। इसके लिए आत्मसमर्पण बहुत जरूरी है ।

देशभक्ति जागे हृदय

शतदल शोभे भारती,हंसवाहिनी अम्ब।
हरो कपट छल मूढता,सुमति ज्ञान अवलम्ब।।1।।
बरसे बादल विमल जल,भरे ताल तालाब।
सिंचित हो भारत धरा,महकें प्रगति गुलाब।।2।।
पौरुष मेधा साथ से,बनते सभ्य समाज।
परहित सेवा रत मनुज,पहने भारत ताज।।3।।
नीति न्याय सब जन सुलभ,पौरुष नव आगाज।
रोजगार शिक्षापरक,सर्वोन्नति जन राज।।4।।
भंवर बनें कुसुमित वतन,पौरुष बने विकास।
मुस्काए भारत अधर,खुशियाँ दिखे मिठास।।5।।
अमर शहीदों को नमन,देते जो बलिदान।
है कृतज्ञ जन मन वतन,भारत सैन्य महान।।6।।
देशभक्ति जागे हृदय,बनती प्रजा मलंग।
तन मन धन रक्षण वतन,थिरके जनता अंग।।7।।
अनुशासन से विरत हो,युवाशक्ति बदरंग।
राष्ट्र द्रोह हिंसा कलह,मचा रहे हुड़दंग।।8।।
देशभक्ति सरिता बहे,मानवीय जल धार।
लोकतंत्र सिंचित प्रगति,संविधान भण्डार।।9।।
सामाजिक जन जागरण,नशामुक्ति आह्वान।
रोकें तम्बाकू चरस,ड्रग अफ़ीम अवसान।।10।।
निधन हुआ शुभ सोच का,राष्ट्र भक्ति परमार्थ।
मरी आज संवेदना,लोक लाज धर्मार्थ।।11।।
नहलाती माँ भारती,गंगा निर्मल धार।
हरियाली लाती धरा,भरे अन्न भंडार।।12।।

-डॉ. राम कुमार झा कोलकाता

शांतिनाथ सेवा संघ दिल्ली की बुंदेलखंड तीर्थ यात्रा संपन्न

(आधुनिक राजस्थान)नई दिल्ली (मनोज जैन नायक)। श्री शांतिनाथ सेवा संघ दिल्ली द्वारा वार्षिक तीर्थ यात्रा के क्रम में बुंदेलखंड तीर्थयात्रा का आयोजन किया गया । जानकारी देते हूए शांतिनाथ सेवा संघ के मुख्य संयोजक श्री अजय जैन अजिया, महामंत्री श्री दिनेश जैन टीटू ,श्री अंकित जैन ने बताया कि दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन से गोंडवाना एक्सप्रेस से यात्रा दमोह के लिए 24 जनवरी 2025 को शाम 6:00 बजे रवाना हुई। श्री शांतिनाथ सेवा संघ की यात्रा का भाजपा के विधायक प्रत्याशी श्री अभय वर्मा जी द्वारा भव्य स्वागत किया गया एवं जैसवाल जैन युवाजन द्वारा समस्त शांतिनाथ सेवा संघ एवं यात्रियों का स्वागत ढोल नगाड़े के साथ किया । यात्रा शाम को 6:00 बजे ट्रेन के द्वारा दमोह के लिए रवाना हुई। जैसे ही ट्रेन आगरा रेलवे स्टेशन पर पहुंची वहां पर जैसवाल जैन समाज छिपीटोला आगरा द्वारा यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। जिसमें श्री बल्लो बाबूजी अध्यक्ष, श्री राजीव जैन, श्री दीपक जैन, श्री अनिल जैन, श्री प्रवेश जैन, श्री राजेश जी जैन कैटर्स व्दारा स्वागत किया गया। स्वाल्पहार की व्यवस्था आगरा जैन समाज के वरिष्ठ समाजसेवी श्री राजेश जैन जी कैटर्स द्वारा की गई । जैनतीर्थ दर्शन यात्रा दमोह से बसों के द्वारा श्री विरागोदय तीर्थ क्षेत्र पथरिया के दर्शन कर 11:00 बजे गढ़ाकोटा के दर्शन कर, वीना बारह मे शाम के भोजन के पश्चात रहली पटनागंज में भव्य आरती का आयोजन किया गया। तत्पश्चात पुनः पथरिया में रात्रि विश्राम कर 26 जनवरी को प्रातः 8:00 बजे नैनागिरी जी की बंदना के पश्चात भोजन के बाद द्रोणगिरी जी के लिए लिए प्रस्थान किया । द्रोणगिरी जी से महा आरती के पश्चात कुंडलपुर के लिए प्रस्थान किया। प्रातः 27 जनवरी को कुंडलपुर की भव्य वंदना सभी यात्रियों ने उत्साह पूर्वक संपन्न की तट पश्चात 1:00 बजे बसों के माध्यम से श्री बेलाजी तीर्थ क्षेत्र पर आचार्य श्री सिद्धांत सागर जी महाराज के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। तत्पश्चात नसियां जी के दर्शन कर दमोह रेलवे स्टेशन के लिए रवाना हुए दमोह रेलवे स्टेशन पर मुनि श्री सुधा सागर जी महाराज की अगवानी करने का सौभाग्य समस्त यात्रियों को प्राप्त हुआ। वापसी में आते समय जैसे ही ट्रेन झांसी रेलवे स्टेशन पहुंची वहां पर उत्साहित झांसी सदर जैन समाज के श्री खेम चंद जैन, श्रीमती कीर्ति जैन, श्री प्रदीप जैन, श्रीमती स्नेहलता जैन, श्री नीरज जैन, श्री दीपक जैन, श्री विशाल जैन, श्रीमती ऊषा जैन, पुनम जैन द्वारा समस्त यात्रियों का भव्य स्वागत झांसी रेलवे स्टेशन पर किया गया एवं स्वाल्पहार की व्यवस्था श्री खेमचंद जैन-श्रीमती कीर्ती जैन परिवार द्वारा की गयी। यात्रा में विशेष सहयोग श्री हरिश्चंद्र जैन, श्री निखिलेश जैन, श्री अजय जैन अजिया, श्री दिनेश जैन टीटू, श्री दीपक जैन गणेश नगर, श्री राजकुमार जैन पप्पू, श्री मनोज जैन टिंकल, श्री,प्रदीप जैन कराहने वाले, श्री अंकित जैन, श्री सुनील जैन मंत्री , श्री दीपक जैन, श्री प्रदीप जैन, श्री कुशल जैन का रहा।

प्रदेश सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं से दिव्यांगों का कर रही सम्मान- सहारण

(आधुनिक राजस्थान)चूरू। प्रदेश सरकार बजट 2024-25 की घोषणा की अनुपालना में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा बुधवार को मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी योजना अन्तर्गत जिला मुख्यालय स्थित राजकीय महाविद्यालय स्तरीय कन्या छात्रावास में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी योजनान्तर्गत जिले के 42 दिव्यांगजनों स्कूटी वितरित की गई। कार्यक्रम विधायक हरलाल सहारण, जिला प्रमुख वंदना आर्य, प्रधान दीपचन्द राहड़, विक्रम सिंह कोटवाद, दीनदयाल सैनी, एसजेईडी उपनिदेशक नगेन्द्र सिंह राठौड़ सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए विधायक सहारण ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व कर प्रदेश सरकार अपनी जनकल्याणकारी योजनाओं के दिव्यांगों का सम्मान कर रही है। प्रदेश सरकार अपने जनहितैषी निर्णयों के माध्यम से समाज के वंचित वर्ग को मुख्याधारा में जोड़ने के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि जिले का कोई भी दिव्यांग आवश्यक सहायक अंग उपकरण से वंचित नहीं रहेगा। प्रदेश सरकार व स्थानीय शासन प्रशासन के सम्मिलित प्रयासों से प्रत्येक वंचित व जरूरतमंद की आवश्यकताओं को पूरा करने के प्रयास किए जाएंगे।

जिला प्रमुख वंदना आर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार ने अपनी संवेदनशीलता से दिव्यांगजनों की आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रयास किया है। प्रधान दीपचन्द राहड़ ने कहा कि विभागीय योजनाओं का पात्र लाभार्थियों को समुचित लाभ मिले। इस दौरान विक्रम सिंह कोटवाद व दीनदयाल सैनी ने भी विचार व्यक्त किए। विभाग उपनिदेशक नगेन्द्र सिंह राठौड़ ने अतिथियों का स्वागत करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। विभाग के अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी रामनिवास भुंवाल ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान सहायक प्रशासनिक अधिकारी लाखनसिंह बीका, छात्रावास अधीक्षक चन्द्रावती, संदीप झाझड़िया, वरिष्ठ सहायक मनीष जाखड़, कनिष्ठ सहायक पवन कुमार थालोड़, दिनेश् पूनियां सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी व दिव्यांगजन व छात्रावास की छात्राएं उपस्थित रहीं। संचालन व्याख्याता मुकेश शर्मा ने किया।

बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है सरकार -राठौड़

(आधुनिक राजस्थान)मसूदा। बालिकाओं को शिक्षा के प्रति बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने कई महत्वपूर्ण योजना बनाई है जिसमें बालिकाओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाया जा सके। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय शिखरानी में बुधवार को साइकिल व लेपटॉप वितरण कार्यक्रम के दौरान शिखरानी सरपंच एवं प्रधान प्रतिनिधि सुरेंद्र सिंह राठौड़ ने व्यक्त किया उन्होंने कहा कि बालिकाओं की शिक्षा से ही देश प्रगति है। आज देश में शिक्षा के प्रति अधिक बढ़ावा मिला है ।जिसके चलते बालिका शिक्षा प्राप्त करने मैं भी आगे बड़ी है ।साथ ही राज्य सरकार व केंद्र सरकार देश की बालिकाओं को शिक्षा में बढ़ावा देने के लिए यह योजना चलाकर बालिका शिक्षा को महत्व दिया जा रहा है । जिसके चलते बालिका पर लिखकर दो पीढ़ी को शिक्षित करने का काम कर रही है। और कहा कि प्रत्येक परिवार को बालिकाओं को उच्च शिक्षा दिलानी चाहिए वह बालिकाओं को पढ़ाई को अपना लक्ष्य मानकर आगे बढ़ना चाहिए। इस कार्यक्रम के दौरान सुरेंद्र सिंह राठौड़ ,कैलाश गुजर्र व जन प्रतिनिधि एवं विद्यालय परिवार कार्यक्रम में मौजूद रहे।

मसूदा उपखंड क्षेत्र में चोरों के फिर हुए हौसले बुलंद दिन दहाड़े दो घरों को निशाना बनाया

(आधुनिक राजस्थान)मसूदा। मसूदा उपखण्ड क्षेत्र में चोरों के फिर हुए हौंसले बुलंद चोरों ने दिन दहाड़े एक ही दिन ने दो अलग अलग गांवों में सुने घरों में हाथ साफ कर भागने में कामयाब हुए। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के ग्राम सूरजपुरा में बुधवार को दिन दहाड़े चोरों ने लूट को अंजाम दिया । चोरो ने सुने मकान में घुस कर चालीस हजार रुपए नकदी के साथ लाखों के जेवरात पर किया हाथ साफ कर दिया पीड़ित परिवार खेत पर कार्य करने गए थे ।पीछे से चोरों घर को निशाना बनाया और घर में घुस कर चोरी कर ले गए ।पीड़ित परिवार ने घटना की जानकारी पुलिस को दी गई ।मसूदा पुलिस मौके पर पहुचकर जानकारी प्राप्त की और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की तलाश करने पर एक बिना नंबरी मारुति कार में सवार होकर आए बदमाश,सीसी टीवी में कैद हुए हे चोरों की तस्वीर के आधार पर पुलिस पहुंच कर किए मौका मुआयना सीसीटीवी खंगाले का किया जा रहा प्रयास,पीड़ित कानसिंह पुत्र अन्ना सिंह ने बताया कि चालिस हजार रुपए नगद चांदी चैन 1तोले का बोर सोना,3तोले का हार , मोर की नथ, मादलीय 6आधा हायली, आधा किलो कंनकती आधा झांझरिया आधा किलो आंवला टॉपिक सोने के बहन के सोने का हार, रकड़ी, 1/4 चांदी की पायजेब, चांदी के हाथ चूड़ी मंगलसूत्र घटना मसूदा थाना क्षेत्र के सूरजपुरा बाघमाल गांव की।

भामाशाहों ने किया प्रिंसिपल मोहनलाल भाटी का सम्मान

(आधुनिक राजस्थान)सोजत सिटी। नगर में उप जिला कलेक्टर मसिंगा राम जांगिड़ एवं विधायक शोभा चौहान द्वारा 76 वें गणतंत्र दिवस पर सम्मानित होने वाले प्रिंसिपल मोहनलाल भाटी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नेहड़ा बेरा को भामाशाहों एवं SMC & SDMC सदस्यों द्वारा साफा एवं माला पहनाकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भामाशाह मदनलाल टॉक,बंबोलिया बेरा ने विद्यालय में DVR & 16 सीसीटीवी कैमरे सुरक्षा हेतु भेंट किये,इस उपलक्ष में प्रिंसिपल मोहनलाल भाटी ने भामाशाह मदनलाल टॉक को साफा ,माला,पीतांबर एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। और भामाशाह मुकन साहेब बेरा चोगोनिया,एवं भामाशाह व समाजसेवी व मिशन एजुकेशन इंडिया जोधपुर जोन के अध्यक्ष राजू भाई देवड़ा एवं भामाशाह व समाजसेवी व मानवाधिकार परिषद भारत राजस्थान प्रदेश सह सचिव व राजस्थान इंडियन स्टार डॉ. महेश सोनी ,कन्हैयालाल गुप्ता,सोहन लाल देवड़ा, पुना राम देवड़ा,मोहन लाल देवड़ा,SMC अध्यक्ष बाबू लाल परिहार,SDMC सचिव भारत कुमार व्याख्याता,स्काउट मास्टर मंगलारामजी ,भामाशाह प्रेरक भंवर लाल भाटी,प्रमिला ,गणकीदेवी,वरिष्ठ अध्यापक भूपेंद्र शर्मा,राम सिंह राठौड़ इत्यादि उपस्थित रहे।इस सम्मान समारोह में सभी का राजस्थानी परंपरा अनुसार कुंकुम तिलक ,माला साफा पहनाकर सम्मानित किया गया।साथ ही सेवानिवृत होने वाले अजीत सिंह उदावत को भी सम्मानित किया गया।अंत में संस्था प्रधान मोहन लाल भाटी ने सक्रिय प्रेरक समाजसेवी राजू देवड़ा की प्रशंसा करते हुए सभी भामाशाहों को आह्वान किया कि विद्यालय के लिए नव भवन की बहुत आवश्यकता है जिसके एक कमेटी का गठन कर कार्य आरम्भ शीघ्रता से करना चाहिए।जिससे विशेष रूप से बालिका शिक्षा को संबल प्रदान हो सके।

राष्ट्रीय राज मार्ग 48 पर मिला अधेड़ का शव

(आधुनिक राजस्थान)झड़वासा। राष्ट्रीय राज मार्ग 48 पर शिवपुरा के पास एक अधेड़ का खून से लथपथ शव मिला जो किसी अज्ञात वाहन से एक्सीडेंट हुआ है और जिसका दाहिना पैर और बायां हाथ टुटा हुआ था सर पर चोट के निशान थे हाइवे पर शव मिलने की सुचना मिलते ही सदर थाना नसीराबाद व झड़वासा से पुलिस चौकी से पुलिस कर्मी महेश प्रजापत अन्य पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचें और शव को एम्बुलेंस से नसीराबाद अस्पताल में मोर्चेरी में रखवाया सदर थानाधिकारी अशोक बिशु नें बताया की शव की अभी तक कोई शिनाख्त नहीँ हों पाई और जांच जारी है।

बजट पूर्व परिचर्चा 2025 -26 में संभाग स्तरीय जोधपुर भील समुदाय के सुझाव मांगे भील समाज शैक्षणिक शोध एण्ड विकास संस्थान जिला बालोतरा के सदस्यों ने भाग लिया

(आधुनिक राजस्थान)बालोतरा(किशनाराम भील)। राजस्थान सरकार द्वारा बजट सत्र से बजट पूर्व परिचर्चा 2025 -26 जोधपुर संभाग स्तरीय सभी जिलों से सुझाव मांगा गया इसी कड़ी में माडा जनजाति बोर्ड उदयपुर के द्वारा अति. आयुक्त जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग जोधपुर को मारवाड़ जनजाति क्षैत्रीय विकास बोर्ड से भी भील समाज शैक्षिक शोध और विकास संस्थान जिला बालोतरा के सदस्यों ने भाग लिया भील समाज की मुख्य मांग डीटीएसए (रेगिस्तान जनजाति विशेष क्षेत्र)घोषित करें इस मांग का जोधपुर संभाग के सभी जिलों ने समर्थन पुरजोर के साथ किया व भील समाज के प्रतिनिधि मंडल में श्री नखताराम जी भील गागरिया पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में सभी ने मिलकर डीटीएसए की पत्रावली अतिरिक्त आयुक्त को दी तथा इसे जितना हो सके उतना जल्दी मांग लागू करें, राजकीय जनजाति बालिका छात्रावास बालोतरा को मूलभूत सुविधा नहीं मिलने कारण उसको मूलभूत सुविधा उपलब्ध करवा व 50 सीटें से बढ़कर 100 सीटों की जाए व जिला मुख्यालय पर बालक उच्च अध्ययन आवासीय जनजाति छात्रावास बालोतरा में इस सत्र स्वीकृति प्रदान करावे,जिले के सिवाना, कल्याणपुर, पाटोदी, समदडी के मुख्यालय पर भी राजकीय जनजाति बालिका छात्रावास नये सत्र में स्वीकृति प्रदान करें बालोतरा जिला की ओर से विशनाराम भील किटनोद जिला अध्यक्ष एसटी मोर्चा बीजेपी, सांवलराम भील गूगरोट उपाध्यक्ष भील समाज शैक्षणिक शौध एवं विकास संस्थान जिला बालोतरा, दानाराम भील सराणा जिला प्रवक्ता,थानाराम जी भील ग्रामसेवक भीमरलाई, देवाराम भील सिलोर ब्लांक अध्यक्ष समदड़ी,मदन राणा पत्रकार सचिव ब्लांक समदड़ी सभी उपस्थित हुए।

विधायक मेघवाल ने किया ईटादा व गोहड़ का तला में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के नवीन भवन का लोकार्पण

(आधुनिक राजस्थान)धर्मेंद्र फुलवारियां बाड़मेर। बुधवार को धनाऊ ब्लॉक के ईटादा व गोहड़ का तला ग्राम में नवनिर्मित राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण चौहटन विधायक आदूराम मेघवाल के कर कमलों द्वारा किया गया। नवीन भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में विधायक आदूराम मेघवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि इन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के शुभारंभ से ग्रामीण क्षेत्र में आमजन को स्वास्थ्य सेवा और अधिक बेहतर तरीके से मिलेगी साथ ही विधायक मेघवाल ने उपस्थित ग्रामीण जनों को संबोधित करते हुए राजस्थान सरकार की स्वास्थ्य विभाग सहित विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के शुभारंभ के लिए बधाई व शुभकामनाएं दी एवं ग्रामीण जनों ने विधायक मेघवाल का साफा माला से भव्य स्वागत भी किया। गोहड़ का तला में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में वाटर कूलर लगाने के लिए पदमाराम मेघवाल द्वारा 5 लाख की घोषणा की गई। इस दौरान चौहटन प्रधान रूपाराम सारण, भाजपा धनाऊ मण्डल अध्यक्ष लूणाराम गढ़वीर, भाजपा ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष बाबुदान चारण, ईटादिया सरपंच प्रतिनिधि कादर खान, ईटादा सरपंच अमलु बाई, जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि जेठाराम जयपाल, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि जेठाराम चौधरी, पंचायत समिति प्रतिनिधि सैयद भुरेशाह, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि जमील खान, गोहड़ का तला सरपंच प्रतिनिधि जसवंतसिंह, मेघाराम गढ़वीर, मेघवाल समाज अध्यक्ष शेखाराम मेघवाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विष्णुराम विश्नोई, धनाऊ खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ महेंद्र यादव, चौहटन खण्ड चिकित्सा अधिकारी बांकाराम चौधरी, धनाऊ तहसीलदार भोमाराम मेघवाल, धनाऊ विकास अधिकारी सुभाष चौधरी सहित स्थानिय सरपँच व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

आदिनाथ जन्मकल्याणक पर सार्वजनिक अवकाश की मांग उठी हैदराबाद से

(आधुनिक राजस्थान)हैदराबाद। जैन समाज के प्रतिनिधिमंडल ने आज जैन समाज की कुछ मांगों को रखते हुए तेलंगाना आरएसएस प्रमुख चंद्रशेखर जी और यहां से राज्यसभा सांसद के लक्ष्मण जी से मुलाकात की और उन्हें ज्ञापन देकर उन मांगों से अवगत कराया। यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बताया गया कि कुछ दिनों में जैन समाज के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव और भगवान महावीर का जन्म कल्याणक महोत्सव आ रहा है । ऐसे में जैन समाज के प्रतिनिधियों ने बीजेपी नेताओं से मिलकर पूरे देश में इन दोनों तीर्थंकरों के जन्म कल्याणक दिवसों पर अवकाश का प्रावधान कराने व मांस की दुकानें बंद कराने के लिए केंद्र सरकार तक हमारी बात पहुंचाने की बात कही। विदित हो कि इस वर्ष भगवान ऋषभदेव का जन्म कल्याणक महोत्सव 23 मार्च को और भगवान महावीर का जन्म कल्याणक महोत्सव 10 अप्रैल को हैं। इस मौके पर के लक्ष्मण जी ने इस बात का आश्वासन दिया कि वो संसद में इस बात को उठाकर जैन समाज का पूरा सहयोग करेंगे और वो खुद भी शाकाहारी हैं इसलिए उन्हें शाकाहारी होने की महत्ता का बखूबी पता है। साथ ही चंद्रशेखर जी ने भी सुझाव दिया कि अवकाश के साथ साथ इन दोनों तीर्थंकरों के बारे में मीडिया, आम जनता व बच्चों को भी इनके जीवन से अवगत कराकर जागरूक किया जाये और बताया जाये कि जैन धर्म के सिद्धांत अहिंसा परमो धर्म और जीओ और जीने दो हम सब के जीवन में कितने जरूरी हैं। इस मौके पर समाज के बहुत से प्रतिष्ठित लोग जैन रत्न जसराज श्री श्रीमाल जैन , मुकेश जैन चौहान, रिद्धेश जागीरदार जैन, स्वाती जैन, आनंद वोहरा जैन आर के जैन और सतीश हुंडिया उपस्थित थे। राजस्थान प्रांत से भगवान आदिनाथ जनकल्याण के सार्वजनिक अवकाश की मांग अब दक्षिण के हैदराबाद से उठी है धर्म जागृति संस्थान के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री संजय जैन बड़जात्या ने समस्त समाज जनों से इस महत्वपूर्ण कार्य में सहयोग करने की अपील की है।

40 विद्यार्थियों को गणवेश की सेवा दी

(आधुनिक राजस्थान)अजमेर। लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल,लायन अतुल पाटनी,पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन मधु पाटनी एवम अन्य भामाशाहों के सहयोग से तीर्थराज पुष्कर के पास बसा ग्राम चावंडिया का स्लम एरिया नायकों की ढाणी में स्थापित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में शिक्षा के साथ संस्कार ग्रहण करने के लिए आने वाले विद्यार्थियों को प्रधानाध्यापक ओमप्रकाश राड़,अध्यापक गोपाल सिंह राठौड़,सामाजिक कार्यकर्ता श्रीकिशन सेन,छोटू सेन कन्हैयालाल सेन आदि की मौजूदगी में विद्यालय के 40 विद्यार्थियों को गणवेश की सेवा दी अध्यक्ष लायन रूपेश राठी ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी के संयोजन में दी गई सेवा पाकर सभी बच्चो के मध्य खुशी का माहौल देखा गया अंत में प्रधानाध्यापक ओम प्रकाश रॉड ने क्लब के सेवाभावी सदस्यों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

वार्षिक उत्सव पुरस्कार वितरण एवं भामाशाह सम्मान समारोह धूमधाम से आयोजित

(आधुनिक राजस्थान) संजीव पाराशर अंराई। कार्यक्रम संयोजक ब्रजराज सिंह ने अवगत कराया की बुधवार को छोटालाम्बा मे माहात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में वार्षिकउत्सव का आयोजन धूमधाम से किया गया कार्यक्रम मे सरपंच कानाराम पंचायत समिति सदस्य पानाराम बैरवा, भामाशाह प्रदीप जैन,रामरतन जाजुन्दा, विश्राम भींचर, अंकित जैन, राजू जी जाजुन्दा, रामधन बैरवा के मुख्य आतिथ्य में मनाया गया। कार्यक्रम में प्रतिभा सम्मान,पूर्व छात्र सम्मान,भामाशाह सम्मान तथा शानदार सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। साथ ही विद्यालय से हाल ही में स्थानांतरित हुए शिक्षक कैलाश चौधरी, नीलम कंवर, रश्मि शर्मा तथा सत्यनारायण जाट का विदाई समारोह भी रखा गया। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्रों व उपस्थित अथितियों को भोज करवाया गया।

देलून्दा सिनियर सेकेंडरी स्कूल में साइबर शील्ड व राष्ट्रीय सडक सुरक्षा माह के तहत एडीशनल एसपी जसवीर मीणा ने किया जागरूक

(आधुनिक राजस्थान)सुरेंद्र गौतम दबलाना। देलून्दा सिनियर सेकेंडरी स्कूल में बुधवार को साइबर शील्ड व राष्ट्रीय सडक सुरक्षा माह के तहत एडीशनल एसपी जसवीर मीणा ने विद्यार्थियों को कानून एवं सड़क सुरक्षा सहित विभिन्न जानकारियां देकर जागरूक किया। पुलिस अधीक्षक राजेंद्र कुमार मीणा ने बताया कि पुलिस मुख्यालय राजस्थान जयपुर के द्वारा साइबर जागरूकता के संबंध में विशेष अभियान साइबर शील्ड एवं सडक दुर्घटनाओं को कम करने के लिए राष्ट्रीय सडक सुरक्षा माह अभियान चलाये जा रहे है। उक्त अभियानों की पालना में जसवीर मीणा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महिला अपराध अनुसंधान सेल बून्दी द्वारा राजकिय उच्च माध्यमिक विधालय देलुन्दा में स्कूली छात्र छात्राओं को पोक्सो एक्ट, यातायात नियमों एवं साईबर सुरक्षा के बारे में जागरुक किया। स्कुली छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीणों को यातायात संबंधी नियमों की जानकारी दी गई। तथा बिना हेलमेट दो पहिया वाहन नही चलाने दोपहिया वाहन पर तीन व्यक्ति नही बैठाने शराब के नशे में वाहन नही चलाने व चोपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करने एवं नाबालिग बच्चो से वाहन नही चलाने व यातायात नियमों का पूर्ण पालन करने संबंधी संपूर्ण जानकारी दी गई ।एवं साईबर शील्ड अभियान के तहत छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीणो को साईबर अपराधो के तरिकों एवं उनसे बचाव के उपाय के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान समस्त विद्यालय स्टाफ, विद्यार्थी एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

357 किलो 542 ग्राम गांजा, डोडा चूरा, व अफीम के पोधो को जलाकर किया नष्ट

(आधुनिक राजस्थान)सुरेंद्र गौतम दबलाना। बूंदी पुलिस ने 357 किलो 542 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा, डोडा चूरा, व अफीम के पोधो को जलाकर नष्ट किया। पुलिस अधीक्षक राजेंद्र कुमार मीणा ने बताया की जिले के पुलिस थानों के मालखाना एनडीपीएस एक्ट में जब्तशुदा मादक पदार्थों की वजह से लबालब भरे पड़े थे, जिससे अन्य जब्तशुदा मालों के रखने की समस्या आ रही थी। इसके निस्तारण की कार्यवाही के क्रम में पुलिस अधीक्षक कार्यालय की अपराध शाखा द्वारा संबंधित थानाधिकारियों से माल के निस्तारण के संबंध में प्रस्ताव प्राप्त कर, रिकॉर्ड तैयार किया गया। उक्त कार्यवाही के दौरान जिला पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार मीणा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमा शर्मा, अपराध सहायक रामलाल मीणा पु.नि. एवं मालखाना प्रभारी आदि की उपस्थिति में आवश्यक रिकॉर्ड मिलान करने के बाद मादक पदार्थों का वजन किया गया तथा संबंधित मालों के वजन व नष्टीकरण के समय फोटो ग्राफी व विडियो ग्राफी करवाई गई। जिले के थाना कोतवाली, सदर, लाखेरी, बसोली, दबलाना, गेण्डोली, हिण्डोली तालेड़ा में दर्ज कुल 17 प्रकरणों में से अवैध मादक पदार्थ 245 किलो 292 ग्राम गांजा, 99 किलो 450 ग्राम डोडा चुरा, तथा 12 किलो 800 ग्राम अफीम के पोधो को जिला पुलिस द्वारा कार्यवाही के दौरान तस्करों के कब्जे से जब्त किया गया था। उक्त सभी प्रकरणों में जब्तशुदा अवैध मादक पदार्थों को जिला औषधि व्ययन समिति बून्दी द्वारा रिजर्व पुलिस लाईन परिसर में जलाकर नष्ट किया गया।

सार-समाचार

ट्रैफिक ब्लॉक के कारण रेल यातायात प्रभावित दौलतपुर चौक-साबरमती रेलसेवा रीशडयूल रहेगी

(आधुनिक राजस्थान)कोटा। उत्तर रेलवे द्वारा सरहिंद-दौलतपुर चौक रेलखण्ड के मध्य स्थित आनन्दपुर साहिब-नंगल डैम स्टेशनों के मध्य तकनीकी कार्य हेतु दिनांक 04.02.25 को ट्रैफिक ब्लॉक लिया जा रहा है। इस कार्य हेतु रेल यातायात प्रभावित रहेगा। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार उपरोक्त कार्य के कारण उत्तर पश्चिम रेलवे पर संचालित गाडी संख्या 19412, दौलतपुर चौक-साबरमती रेलसेवा दौलतपुर चौक से दिनांक 04.02.25 को अपने निर्धारित समय से 01 घंटा 20 मिनट की देरी से प्रस्थान करेगी।

159 छात्राओं को साइकिल वितरित

(आधुनिक राजस्थान)अजमेर। स्थानीय विद्यालय की कक्षा नौवीं छात्राओं की 159 छात्राओं को (सत्र 2024- 25) साइकिल वितरण की गई। एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया।प्रधानाचार्य डॉ सीमा कृपलानी ने बताया कि इस कार्यक्रम में जन प्रतिनिधि जवाजा पंचायत समिति प्रधान श्रीमान गणपत सिंह ज़ी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। वार्ड पार्षद श्रीमती सुनीता भाटी, श्रीमती मुन्नी देवी, स्स्ष्ट अध्यक्ष श्री अब्दुल्लाह तथा छात्राओं के अभिभावक उपस्थित थे। विद्यालय पधारे जनप्रतिनिधि श्री गणपत सिंह जी रावत का नारायण सिंह जी पँवार द्वारा माला और साफा पहना कर बहुम ान किया गया साथ ही पार्षद सुनीता भाटी जी का पूजा वासवानी एवं सविता शर्मा द्वारा माला एवं शॉल ओढ़ाकर बहुमान किया गया इन सभी के कर कमलों से छात्राओ को साइकिलें वितरित की गई। साइकिलें पाकर छात्राओं के चेहरे खिल उठे, जवाजा प्रधान श्री गणपत जी रावत ने बालिकाओं को राज्य सरकार की सभी योजनाओं का भरपूर लाभ लेते हुए राजकीय विद्यालय में प्रशिक्षित शिक्षकों से शिक्षा प्राप्त करते हुए भविष्य के लक्ष्य निर्धारित करने एवं ब्यावर शहर का नाम पूरे देश मे प्रसारित करने की शुभकामनाएं दीं, सभी छात्राएं बहुत प्रसन्न थी सभी अतिथियों ने छात्राओं को पढ़ने के लिए प्रेरित किया। साइकिल प्रभारी श्रीमती संतोष चौहान ने छात्राओं को सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी तथा सरकारी विद्यालय में अध्ययन के लाभ बताएं, उक्त साइकिल वितरण कार्यक्रम में व्याख्याता पूजा वासवानी,पारस तेली, व्याख्याता अलका जिंदल रविकांत बागड़ा दीपिका संगत श्री नारायण सिंह जी रावत एवं अन्य स्टाफ जनों ने सहयोग प्रदान किया, पारी प्रभारी श्रीमती सविता शर्मा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

रेल कर्मचारियों ने क्षय रोग मुक्त भारत करने की शपथ ली

(आधुनिक राजस्थान)कोटा। मंडल रेल चिकित्सालय द्वारा 100 दिवसीय क्षय रोग उन्मूलन सघन अभियान चलाया जा रहा है। यह जन जागरूकता अभियान के तहत 07 दिसम्बर,2024 से 24 मार्च,2025 तक मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ सुपर्णा सेन राय के निर्देशन में विभिन्न गतिविधियों को आयोजित किया जा रहा है। क्षय रोग उन्मूलन अभियान के अन्तर्गत स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, जागरूकता रैली, नुक्कड़ नाटक, संगोष्ठी, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता इत्यादि गतिविधि शामिल है। इसी कड़ी में 29 जनवरी को वरिष्ठ खण्ड अभियन्ता कार्य एवं वरिष्ठ खण्ड अभियन्ता पीवे दक्षिण कार्यालय में 70 से अधिक कर्मचारियों ने मेडिकल विभाग के निर्देशन में क्षय रोग मुक्त भारत करने की शपथ ली। साथ ही बैनर के माध्यम से टीबी रोग विकसित के उच्च जोखिम वाले रोगों एवं लक्षणों के प्रति जागरूक किया गया।

जरूरतमंदों को कराया भोजन

(आधुनिक राजस्थान)कोटा। लायंस क्लब कोटा द्वारा आज मोनी अमावस्या के पावन पर्व पर जेकेलोन हॉस्पिटल स्थित अन्नपूर्णा रसोई में 100 जरूरतमंद लोगो को भोजन कराया गया. माथुर वैश्य शाखा सभा के सौजन्य से जेकेलॉन चाइल्ड केयर सेंटर को ऋ 2100.00 की आर्थिक सहायता भी उपलब्ध करायी गई. इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष लायन एके गुप्ता, एमजेएफ लायन रजनी गुप्ता, लायन अनिल गुप्ता सहित माथुर वैश्य समाज के अध्यक्ष केपी गुप्ता, सचिव अजय गुप्ता, अंजना गुप्ता, राजीव गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

रूडसेट संस्थान के प्रशिक्षणार्थी ने स्वरोजगार किया शुरू

(आधुनिक राजस्थान)बारां। रूडसेट संस्थान द्वारा प्रशिक्षित प्रशिक्षणार्थी जितेन्द्र कुमार पुत्र ईश्वरलाल ने केलवाडा ने अपनी फोटोग्राफी एंड वीडियोग्राफी की दुकान का उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें मुख्य अतिथि रूडसेट संस्थान के निदेशक देवेन्द्र कुमार मीणा, संकाय अनिरूध बबेरवाल तथा दीपक शर्मा, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के शाखा प्रबंधक ओमप्रकाश मीणा उपस्थित रहे। देवेन्द्र कुमार मीणा ने प्रशिक्षणार्थी जितेन्द्र को आत्मनिर्भर बनने पर बहुत बधाई दी तथा भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। ओमप्रकाश मीना ने जितेन्द्र को बैंक की ओर से ऋण स्वीकृत कर उन्हें और सक्षम बनाने में सहयोग करने को कहा। इस कार्यक्रम के तहत मौजूद ग्रामीणों को रूडसेट बारां में होने वाली आगामी कार्यक्रम की सूचना दी गई।

भामाशाह परिवार ने गौशाला में गो- ग्रास कार्यक्रम किया आयोजित

(आधुनिक राजस्थान)भेराराम सेन, डेगाना। डेगाना गांव की श्रीकृष्ण गोपाल गौशाला में बुधवार को व्यास परिवार डेगाना गांव की और से गो- ग्रास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर गौशाला में गायों की सेवा के लिए व्यास परिवार की ओर से सवा पांच क्विंटल की लापसी गायों को रामावतार व्यास की स्मृति में बनाकर खिलाई गई। इस मौके पर घनश्याम व्यास, राजाराम व्यास, भरतलाल, सुरेश, चेतनप्रकाश, दिनेश, अजय कुमार, गोविंद, मयंक, नरेंद्र, सुनील, गोविंद,राहुल, पंकज, लव, कुश, मुकेश टेलर, कैलाश व्यास, ताराचंद, भावेश, अरुण, रवि, जय, विजय, निखिल, मनीषा, हर्षिता, कृष्णा, अंजू व्यास सहित परिवार के सदस्य मौजूद रहें।

जटिलताओं का निराकरण करवाने को लेकर मसूदा विकास अधिकारी को ज्ञापन दिया

(आधुनिक राजस्थान)मसूदा। पंचायत राज्य मंत्री विभाग राजस्थान सरकार जयपुर निदेशक स्वच्छ भारत मिशन ग्राम राजस्थान सरकार शासन सचिव एवं आयुक्त पंचायती राज विभाग राजस्थान सरकार मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद अजमेर के नाम मसूदा विकास अधिकारी को मसूदा उप शाखा के ग्राम विकास अधिकारियों ने एक लिखित ज्ञापन दिया जिसमें उन्होंने बताया है कि आपकी भावना अनुरुप ग्रामीण निरंतर एवं संपूर्ण स्वच्छता ग्राम विकास अधिकारी संवर्ग की भी वर्षों से सर्वोच्च प्राथ है। केंद्रीय एवं राज्य वित्त आयोग की सिफारिशों में भी निरंतर एवं संपूर्ण स्वच्छता क स्थान प्रदान किया गया है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में स्वच्छता के लिए पर्याप्त राशि च है। उस राशि का उपयोग ग्रामीण कार्य निर्देशिका एवं राजस्थान उपापन नियं अंतर्गत ही किया जा सकता है।राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ विगत 10 वर्षों से स्वच्छता व एवं प्रक्रिया निर्धारित करवाने के लिए संघर्षरत है। इस संबंध में संगठन की मा दिनांक 05.11.2015 तथा 16.11.2015 को शशासन सचिव एवं आयुक्त पंचायती विभाग के द्वारा प्रदेश के समस्त जिला कलेक्टर्स को बीएसआर दरें निर्धारित करने क निर्देशित भी कर दिया गया था लेकिन उन पर किसी भी जिले में 10 वर्षों तक कार्यवाही नहीं की गई। मंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकता ग्रामीण क्षेत्र में निरंतसंपूर्ण स्वच्छता है। मंत्री के निरंतर 1 वर्ष के प्रयासो से पहल बीएसआर दरें निर्धारित हुई एवं बड़ी संख्या में टेंडर भी हुए हैं, लेकिन इसके उपरअभी तक बहुत अधिक तकनीकी एवं व्यावहारिक जटिलताएं हैं जिनके संपूर्ण स्वच्छता सुनिश्चित होने में बहुत अधिक समस्याएं उत्पन्न हो रही है। इन समस्याओं का निराकरण नहीं होने के कारण ग्रामीण क्षेत्र में स्वच्छता सुनिश्चित नहीं हो रही है।ग्रामीण क्षेत्र में स्वच्छता के लिए ग्राम विकास अधिकारी के साथ ही ग्राम पंचायत एवं पंचायत समिति के समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि समान रूप से उत्तरदायी है। ऐसे में मंत्री के द्वारा फील्ड विजिट के दौरान ग्राम विकास अधिकारी संवर्ग, जो कि स्वच्छता का ध्वजवाहक है, के विरुद्ध ही दंडात्मक कार्यवाही करने से प्रदेश के ग्राम विकास अधिकारियों में भारी निराशा व्याप्त हो रही है। ग्राम विकास अधिकारियों ने बताया है कि निम्नलिखित तकनीकी एवं व्यावहारिक समस्याओं का समाधान करवा कर पंचायती राज की त्रिस्तरीय संस्थाओं के समस्त अधिकारी /कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों को प्रोत्साहित करने का श्रम करे जिससे कि संपूर्ण और निरंतर स्वच्छता सुनिश्चित हो सके तथा जब तक तकनीकी एवं व्यावहारिक समस्याओं का समाधान नहीं हो जाता है तब तक किसी भी कर्मचारी/अधिकारी पर किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं करने का श्रम करें। स्वच्छता के लिए पंचायत समिति स्तर से निविदाएं आमंत्रित की गई है जिनमें अधिकांश निविदा दाता ऐसे हैं जिनके द्वारा पूर्व में स्वच्छता से संबंधित कोई कार्य किया ही नहीं गया है, ना ही उनके पास सफाई करने वाले नियमित श्रमिक है एवं ना ही प्रतिदिन घर-घर कचरा संग्रहण के लिए वाहन हैं।कुछ पंचायत समितियों में तो एक ही फर्म के द्वारा 5 से 10 ग्राम पंचायतो यहां तक की संपूर्ण पंचायत समिति के ही टेंडर ले लिए गए हैं और उनके द्वारा कार्य भी नहीं किया जा रहा है। ग्राम पंचायत प्रशासन के द्वारा इन संवेदकों को निरंतर मौखिक एवं नोटिस देकर स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए कहा जा रहा है लेकिन इनके द्वारा सफाई नहीं करवाई जा रही है। ऐसे में नियमित सफाई नहीं हो रही है। यह व्यावहारिक एवं सबसे बड़ी समस्या है। इसके समाधान के बिना निरंतर सफाई करवाया जाना बहुत मुश्किल है।2. मंत्री के द्वारा विगत 1 वर्ष से दिए जा रहे निर्देशों एवं संगठन के बार-बार अनुरोध के बाद भी आज दिनांक तक सफाई कार्य के मूल्यांकन के संबंध में स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है। प्रदेश के समस्त तकनीकी अधिकारियों के द्वारा सफाई कार्य के मूल्यांकन से इन्कार किया जा रहा है। जिसके कारण सफाई करवाने में व्यवधान उत्पन्न हो रहा है।अत: सफाई कार्य के मूल्यांकन के संबंध में प्रक्रिया व निर्देश जारी करने का श्रम करें और इसमें विलंब के लिए उत्तरदायी अधिकारियों पर कार्यवाही की जावे।3. सफाई कार्य के मूल्यांकन की स्थिति स्पष्ट नहीं होने के साथ ही किए गए कार्य के भुगतान की प्रक्रिया भी पूर्णतया अस्पष्ट है। जिसके कारण जिन ग्राम पंचायतो में कार्य चल रहा है, उनमें भुगतान भी नहीं हो रहा है। ऐसे में भुगतान के अभाव में संवेदकों द्वारा भी कार्य करना बंद कर दिया गया है। अत: भुगतान की स्पष्ट प्रक्रिया जारी करवाने का श्रम करें।4. घर-घर कचरा संग्रहण के लिए एक भी संवेदक द्वारा वाहन उपलब्ध नहीं करवाया जा रहा है एवं बहुत अधिक प्रयासों के बाद भी ग्राम पंचायत घर-घर कचरा संग्रहण नहीं करवा पा रही है। अत: इस संबंध में संपूर्ण प्रदेश में कचरा संग्रहण के लिए संसाधन उपलब्ध करवाने का श्रम करें। जल जीवन मिशन योजना में पेयजल की लाइन बिछाने के लिए ग्रामीण क्षेत्र की 80त से अधिक सड़कों एवं नालियों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया है तथा उनकी मरम्मत भी नहीं की जा रही है। इसके अभाव में गन्दा पानी सड़क पर फैलता है। अत: आपसे आग्रह की जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर सबसे पहले जल जीवन मिशन योजना में क्षतिग्रस्त सड़कों एवं नालियों की मरम्मत करवाई जाए।6. ग्राम पंचायत में स्वच्छता के लिए सफाई करने वाले श्रमिकों की और घर-घर कचरा संग्रहण के लिए वाहन की उपलब्धता सबसे बड़ी व्यावहारिक जटिलता है। इसके लिए ऐसे सफाई कर्मी और संवेदक जो शहरी क्षेत्रों में सफाई के कार्य लेते है उन्हें प्रोत्साहित कर गांवों में लाने के दिशा में कार्य योजना बनाई जावे।7. प्रदेश की अधिकांश पंचायत समितियो में आनन फानन में प्रशासनिक, तकनीकी एवं वित्तीय स्वीकृति के बिना ही सफाई के टेंडर कर दिए गए है। यह नियम विरुद्ध है। इसके संबंध में भी नियमानुसार कार्यवाही करने का श्रम करें।8. स्वच्छता के लिए जो दरें निर्धारित की गई है वह भी संपूर्ण प्रदेश के लिए एक जैसी दरें निर्धारित कर दी गई है। राजस्थान प्रदेश की भौगोलिक स्थितिया अलग है। अत: प्रदेश की भौगोलिक स्थितियों के अनुसार जिला दर निर्धारण समिति के द्वारा बीएसआर दरें निर्धारित की जानी चाहिए। इस संबंध में भी उचित कार्यवाही करने की गुहार लगाई।

कार्यालय ग्राम पंचायत शिखरानी पंचायत समिति मसूदा ब्यावर

क्रमांक:-जिप/लेखा/निविदा/2024/37 दिनांक 29.01.2025

ई-निविदा सूचना

ग्राम पंचायत शिखरानी के विभिन्न ग्राम मे निर्माण कार्यो हेतु ई-निविदा आंमत्रित कि जाती है। अनुमानित लागत 13.00 लाख रू. धरोहर राशि 26000/-, फार्म शुल्क 500/-, (प्रति कापी) टेण्डर प्रोसेसिंग शुल्क 500/- (प्रति कॉपी) के आनलाईन ग्राम पंचायत खाते में दिनांक 07.02.2025 को जमा कराना होगा। निविदा दिनांक 08.02.2025 को ग्राम पंचायत शिखरानी के ई-प्रकोष्ठ में खोली जोवगी। विस्तृत शर्ते निविदा फार्म उल्लेखित है। http://sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in ID PAE2425WSLB00025 से प्राप्त कि जा सकती है।

सरपंच
ग्राम पंचायत शिखरानी
पं.स.मसूदा(अजमेर)

बैंकों का ऋण- जमा अनुपात मानक स्तर पर रहे-सुराणा

(आधुनिक राजस्थान)चूरू। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने जिला परिषद सभागार में जिला स्तरीय समीक्षा समिति एवं जिला परामर्शदात्री समिति की दिसम्बर 2024 तिमाही हेतु आयोजित बैठकों में बैंक अधिकारियों से चर्चा कर समुचित निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने कहा कि बैंकों का ऋण- जमा अनुपात मानक स्तर पर रहे। बैंकों के माध्यम से आमजन के लिए संचालित की जाने वाली योजनाओं में लंबित आवेदनों को त्वरित से निस्तारण करें। आमजन को बैंकों की ऋण व विभागीय योजनाओं संबंध में किसी प्रकार की शिकायत न रहे। बैंक अधिकारी आमजन की शिकायतों का समयसीमा निर्धारित कर निस्तारण करें। उन्होंने भारतीय स्टेट बैंक का 31 दिसंबर, 2024 पर ऋण-जमा अनुपात मानक स्तर से कम रहने, विभिन्न राजकीय योजनाओं में बहुत अधिक मात्रा में ऋण आवेदन लंबित रहने व ग्राहकों की बढ़ती शिकायतों पर नाराजगी जताई। जिला कलक्टर ने नाबार्ड डीडीएम जीएल निर्वाण द्वारा चूरू जिले की वर्ष 2025-26 के लिए 9459.87 करोड़ रुपए संभाव्यतायुक्त ऋण योजना का विमोचन किया। आरबीआई जयपुर के अग्रणी जिला अधिकारी अखिलेश तिवारी ने भारतीय स्टेट बैंक और येस बैंक को ऋण- जमा अनुपात को चरणबद्ध तरीके से मानक स्तर से अधिक करने का सुझाव दिया तथा 2000 रुपए मूल्य वर्ग के नोटों को भारतीय रिजर्व बैंक के किसी भी क्षेत्रीय कार्यालय में बदलवाने की सुविधा के बारे में जानकारी दी। अग्रणी जिला प्रबन्धक अमर सिंह ने बैठक का संचालन करते हुए रूपरेखा प्रस्तुत की। इस दौरान बीआरकेजीबी सहायक प्रबंधक करनवीर सिंह, बीओबी उप क्षेत्रीय प्रबंधक चन्द्र शेखर, कृषि संयुक्त निदेशक मुकेश कुमार माथुर, राजीविका डीपीएम दुर्गा देवी ढाका, उद्योग महाप्रबंधक उजाला, भारत भूषण पूनिया, अमनदीप सिंह मीना, सहायक अग्रणी जिला प्रबन्धक दिनेश कुमार खरींटा सहित विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयक व अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यालय अधिकारियों द्वारा कोटा-सवाई माधोपुर रेल खण्ड पर संरक्षा ऑडिट एवं निरीक्षण

(आधुनिक राजस्थान)कोटा। पश्चिम मध्य रेलवे के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड स्तर के अधिकारियों की इंट्रा रेलवे संरक्षा ऑडिट टीम द्वारा दिनांक 29 जनवरी को कोटा-सवाईमाधोपुर खण्ड के मध्य कापरेन-घाट का बराना के मध्य यातायात समपार फाटक सं. 134, घाट का बराना स्टेशन, लबान-लाखेरी के मध्य मेज नदी पर मेजर ब्रिज सं. 250, लाखेरी इंद्रगढ़ खण्ड में कर्व सं. 50 अप एवं इंजीनियरिंग समपार फाटक सं. 137, इंद्रगढ़ स्टेशन पर प्वाइंट नं. 118, सवाई माधोपुर का ट्रेक्शन सब स्टेशन एवं सवाईमाधोपुर स्टेशन का संरक्षा ऑडिट एवं निरीक्षण किया गया। सभी क्षेत्रीय रेलों पर इंट्रा-रेलवे संरक्षा ऑडिट नियमित रूप से किये जाते हैं। इसके अन्तर्गत संरक्षा ऑडिट टीम में वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के अधिकारियों द्वारा बेहतर संरक्षा उपायों को सुनिश्चित करने एवं प्रणालीगत कमियों के निराकरण हेतु सकारात्मक प्रयास किये जाते हैं। इंट्रा रेलवे संरक्षा ऑडिट एवं निरीक्षण पश्चिम मध्य रेलवे के प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी प्रवीण खोराना के नेतृत्व में, मुख्य बिजली वितरण इंजीनियर जगराम मीना, कोटा मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक एल. के. धुरंधर एवं वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी कोटा निरीश कुमार रुपावत की उपस्थिति में किया गया। इस निरीक्षण के दौरान मुख्यालय के अन्य अधिकारीगण, कोटा मंडल के अभियान्त्रिकी, यांत्रिक, संकेत एवं दूर संचार, टीआरडी, विद्युत एवं परिचालन विभागों के शाखा अधिकारी भी उपस्थित रहे।

बाड़मेर जिला परिषद सीईओ का नवाचार, माई नरेगा एप लॉच

(आधुनिक राजस्थान)धर्मेंद्र फुलवारियां बाड़मेर। बाड़मेर जिले में मनरेगा श्रमिक अपने घर से मोबाइल एप के जरिए मनरेगा में रोजगार की मांग कर सकेंगे। इसके लिए जिला कलक्टर टीना डाबी एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सिद्धार्थ पलनीचामी ने बुधवार को दरूड़ा ग्राम पंचायत से माई नरेगा एप लॉच किया। इस दौरान वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से मनरेगा आयुक्त एवं अतिरिक्त आयुक्त भी जुड़े। उन्होंने जिला परिषद सीईओ की इस अभिनव पहल की सराहना की। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम समन्वयक एवं जिला कलक्टर टीना डाबी ने कहा कि मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने मनरेगा श्रमिकों के लिए एप विकसित करके सराहनीय पहल की है। अब तक मनरेगा में रोजगार की मांग करने के लिए फार्म संख्या-6 में आवेदन करना पड़ता था। इस नवीन पहल की वजह से श्रमिक अपने घर से मोबाइल एप के माध्यम से रोजगार की मांग कर सकेगा। इससे समय की बचत होगी। उन्होंने कहा कि बाड़मेर जिले की भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए यह मोबाइल एप काफी मददगार साबित होगा। कई ग्राम पंचायतों का क्षेत्रफल काफी बड़ा होने के कारण श्रमिकों को ग्राम पंचायत मुख्यालय पहुंचने में अधिक समय लगता है। उनके लिए माई नरेगा एप खासा मददगार साबित होगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी सिद्धार्थ पलनीचामी ने कहा कि बाड़मेर जिले में श्रमिकों की सहूलियत के लिए मोबाइल एप विकसित किया गया है। इसके माध्यम से परिवार का कोई भी सदस्य स्वयं एवं अन्य सदस्यों के लिए ऑनलाइन रोजगार की मांग कर सकता है। इसकी प्रभावी मोनेटरिंग की जाएगी। उन्होंने बताया कि इसकी शुरूआती ट्राइल के दौर पर पांच ग्राम पंचायतों में लागू किया जाएगा। इसके उपरांत अन्य ग्राम पंचायतों में इसको लागू किया जाएगा। इस दौरान मनरेगा के अधिशाषी अभियंता अक्षय पांचाल ने माई नरेगा बाड़मेर एप को डाउनलोड करने के साथ रोजगार की मांग करने की प्रक्रिया के बार में विस्तार से अवगत करवाया। इससे पहले दरूड़ा ग्राम पंचायत मुख्यालय पर जिला कलक्टर टीना डाबी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी सिद्धार्थ पलनीचामी, विकास अधिकारी प्रदीप इणाणिया, सरपंच श्रीमती पैंपी देवी ने माई नरेगा एप लॉच किया। इस दौरान अधिशाषी अभियंता रामलाल जैन, सहायक विकास अधिकारी भीमसिंह, ग्राम विकास अधिकारी जगदीश कुमार, एप डवलपर पक्षव जोशी, लेखाकार चंपालाल, एमआईएस मैनेजर नेतसिंह, विनोद खत्री, पोकरराम कुमावत उपस्थित रहे। कैसे काम करेगा माई नरेगा एप - इसके लिए गूगल प्ले स्टोर से माई नरेगा एप डाउनलोड करना होगा। एप को खोलने के बाद जोबकार्ड में पंजीकृत मोबाइल नंबर दर्ज करने होंगे। इसके उपरांत पंजीकृत मोबाइल में माई नरेगा एप लोगिन में 6 अंकों का ओटीपी दर्ज करना होगा। इसके बाद श्रमिकों को अपने जोबकार्ड पर लगे (यूनिक क्यू आर कोड) क्यू आर कोड को स्कैन करना होगा। इससे माई नरेगा एप का होम पेज ओपन होगा। इसमें कार्य के लिए नया आवेदन पर क्लिक करके कार्य चाहने वाले व्यक्ति अथवा अन्य सदस्यों, पखवाड़े का चयन करते हुए आवेदन सबमिट करना होगा।

राजकीय महाविद्यालय डेगाना में पांच दिवसीय महिला शक्ति आत्मरक्षा प्रशिक्षण आयोजित

(आधुनिक राजस्थान)भेराराम सेन,डेगाना। राजकीय महाविद्यालय डेगाना में पांच दिवसीय महिला शक्ति आत्मरक्षा प्रशिक्षण का आयोजन महिला नीति 2021 के तहत करवाया जा रहा है। बुधवार को मास्टर ट्रेनर संगीता एवं कृष्णा जाट ने बालिकाओं को बस और अन्य यातायात साधनों में कोई असामाजिक तत्व परेशान करें तो उनसे कैसे निपटा जाए, इसको लेकर गुर सिखाए। जिसमें पंच, ब्लॉक और किक मारना सिखाया साथ ही अलग अलग आत्मरक्षा रणनीति के बारे में बताया गया। साथ ही सुनसान जगहों पर खुद की सुरक्षा के बारें में विस्तार से बताया। बालिकाओं ने शिकायत पेटिका के तहत अपनी परेशानियां साझा की। जिसपे विस्तृत चर्चा की। साथ ही महाविद्यालय में एनएसएस के तत्वाधान में खेल सप्ताह के तहत क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें अश्विनी पारीक की टीम विजेता रही। इस दौरान प्राचार्य जितेन्द्रसिंह सिसोदिया, महिला नीति प्रभारी सरिता, महाविद्यालय प्रशासन उपस्थित रहे।

जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक राजस्थान)सुरेंद्र गौतम दबलाना। सावंतगढ़ पंचायत क्षेत्र के हरमाली का खेड़ा वासीयो ने परिसीमन के दौरान नवगठित होने वाली सोरण पंचायत में हरमाली का खेडा जोड़ने एवं रानीपुरा से हरमाली का खेडा को जोड़ने वाली मुख्य सड़क के दोनों ओर हो रहे बबूलों को हटाने की मांग को लेकर जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों द्वारा दिए गए ज्ञापन में बताया गया है कि वर्तमान में ग्राम हरमाली का खेड़ा ग्राम पंचायत सावतगढ़ में आता है। लेकिन ग्राम पंचायत सावतगढ़ का परिसिमन होने से उक्त ग्राम पंचायत के 2 भाग होने है यदि ग्राम हरमाली का खेडा को ग्राम पंचायत सावतगढ़ से हटाया जाता है तो उक्त गाँव को नवगठित ग्राम पंचायत सोरण में जोडा जाए। क्योंकि हरमाली का खेडा से सोरण की दूरी मात्र 1 किलोमिटर है तथा समस्त ग्रामवासी नवगठित होने वाली ग्राम पंचायत सोरण में ही रहना चाहते है। नजदीक होने से सोरण में आने जाने में कोई परेशानी नही है। यदि उक्त ग्राम को किसी अन्य ग्राम पंचायत में जोडा जाता है। तो ग्रामवासीयों को आने जाने में तथा अपने रोजगार के कार्य करने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। साथ ही ग्रामीणों ने एक अलग ज्ञापन सौंपा जिसमें बताया कि रानीपुरा से हरमाली का खेडा को जोड़ने वाली डामरीकरण सड़क के दोनो तरफ जंगल सफाई नही होने के कारण आये दिन दुर्घटना का सामना करना पड रहा है। हमनें पूर्व में भी प्रशासन को लिखित में अवगत करवा चुके है। लेकिन अभी तक भी कोई कार्यवाही नही हुई है। ग्रामीणों ने हरमाली का खेडा को परिसीमन के दौरान नवगठित सोरण पंचायत में जोड़ने एवं रानीपुरा से हरमाली का खेडा तक सड़क के दोनों ओर हो रहे बंबूलों को हटवाने की मांग की। इस दौरान कई ग्रामीण मौजूद रहे।

उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी को लधु व कुटीर उद्योग से जुडी समस्याओं से अवगत करवाया

(आधुनिक राजस्थान)चूरू। उप मुख्यमंत्री दीयाककुमारी के सरदारशहर दौरे पर लधु व कुटीर उद्योग से जुडी महिलाओ ने हैण्डीक्रॉफ्ट से बनी वस्तु भेंट की। इस मौके पर स्थानीय सूरज एक्सपोर्ट की सीइओ मोनिका सैनी, जयभवानी उद्योग की सुगंधा जैन और रचना पापड़ उद्योग की मीना बरडिया सहित अनेक महिलओं ने उप मुख्यमंत्री को लधु व कुटीर उद्योग से जुड़ी समस्याओं के बारे में अवगत करवाया। सैनी ने कहा की सरकार इन उद्योग को सरकारी सहायता करें तो महिलाओं आत्मनिर्भर हो सकती है। उन्होनें बताया की सरदारशहर जैसे कस्बे में घर- घर में पापड़-बड़ी,खाटा- चूरी जैसे कार्य महिलाएं कर रही है। उन्हें अगर सरकार से आर्थिक सहयोग मिले तो वो और अधिक महिलाओ को रोजगार मुहैया करवा सकती है। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री दीयाककुमारी ने सैनी के साथ आए प्रतिनिधि मंडल को पूरा सहयोग करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में शहर के कई गणमान्य जन मौजूद रहे।

महाविद्यालय की गौरवशाली परम्परा में विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सन्निहित है- डॉ मंजु शर्मा

(आधुनिक राजस्थान)चूरू। लोहिया महाविद्यालय में सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं खेलकूद सप्ताह का दूसरे दिन का शुभारंभ करते हुए प्राचार्य मंजु शर्मा ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि चूरू के लोकदेवता कन्हैयालाल लोहिया द्वारा स्थापित इस महाविद्यालय की पावन धरा को ही ये वरदान है कि यहाँ के विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होता है और वे संस्कारों से युक्त होकर अपने भविष्य को सँवारते हैं। इस अवसर पर उन्होंने महाविद्यालय की गौरवशाली शैक्षणिक परम्पराओ के साथ सहशैक्षणिक परम्परा का हवाला देते हुए कहा कि यहाँ के विद्यार्थी सांस्कृतिक कार्यक्रमों में ही नहीं अपितु खेलकूद गतिविधियों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं और जिले का नाम रोशन करते हैं। सांस्कृतिक समिति की संयोजक डॉ ट्विंकल शर्मा ने बताया कि आज के दिन युगल नृत्य व युगल गायन की प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की भागीदारी रही व उनकी प्रस्तुतियाँ आकर्षण का केन्द्र रही व मनमोहक रही। युगल नृत्य प्रतियोगिता में क्रमश प्रथम द्वितीय व तृतीय तनिष्का व हंसिका, विशाल वाल्मिकी व जितेंद्र सिहाग, लक्ष्मी शर्मा व प्रिया पिलानिया रहे वहीं युगल गायन में क्रमश प्रथम, द्वितीय व तृतीय दक्षिता व विनिता शर्मा, आफ़रीन व ममता, संगीता कानखेडिया व संजना कानखेडिया रहे। उन्होंने बताया कि अभी आने वाले दो दिन में विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन प्रस्तावित है। कार्यक्रम का संचालन डॉ शान्तनु डाबी व डॉ आशीष शर्मा ने किया । इस अवसर पर सांस्कृतिक समिति की डॉ वीना ढेनवाल, डॉ संजु झाझडिया, डॉ पूजा प्रजापत ने आयोजकीय भूमिका का निर्वहन किया। इस अवसर निर्णायक की भूमिका में डॉ केसी सोनी, डॉ रेणु धतरवाल, डॉ हेमंत मंगल, डॉ जावेद खान, डॉ मोनिका शेखावत, डॉ विनोद कुमार रहे।इस अवसर पर वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ अरविंद शर्मा, डॉ संतोष बलाई, प्रो एम एम शेख, प्रो मूलचंद,प्रो धीरज बाकोलिया, प्रो शालिनी हेमकार,डॉ मुकेश मीणा तथा मती उर्मिला फ़गेडीया डॉ लालचंद चाहर, डॉ सुखवीर पूनिया, डॉ विनीत ढाका, डॉ रवींद्र शर्मा, डॉ प्रशांत शर्मा, डॉ अजु ओझा, डॉ सुरेश कन्दोई सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

लक्ष्मीपत सिंघानिया एकेडमी बिसाऊ में किया बाल मेले का आयोजन

(आधुनिक राजस्थान)चूरू। लक्ष्मीपत सिंघानिया एकेडमी, बिसाऊ में शीतकालीन विशाल बाल मेले का आयोजन 27 जनवरी 2025 को किया गया। प्राचार्य दीपक पुरोहित ने बताया कि अतिथियों द्वारा फीता काटकर बाल मेले का शुभारंभ किया गया। बाल मेले में चूरू जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा सहित, बिंदु प्रसाद, रजनीश सापरा तथा आस पास के गणमान्य लोगों ने शिरकत की। मेले में विभिन्न प्रकार की फूड स्टोल, संगीत, नृत्य, ऊंट की सवारी, ऊंट का नृत्य, बकरी नृत्य, घुड़सावरी, झूले तथा विभिन्न मनोरंजन के खेलों का आयोजन किया गया। मेले का मुख्य आकर्षण लकी ड्रा रहा जिसके अंतर्गत विभिन्न उपहार प्रदान किए गए, जिसके अंतर्गत टीवी, फ्रिज, प्रेस, साइकिल, स्पीकर, रजाई, इंडक्शन एवं कई अन्य उपहार प्रदान किए गए। मेले में बच्चों ने कई प्रकार के व्यापारिक और नैतिक मूल्यों को ग्रहण किया।

विद्यार्थियों को दी सड़क सुरक्षा की जानकारी

(आधुनिक राजस्थान)चूरू। जिला परिवहन एवं सडक सुरक्षा अधिकारी कार्यालय की ओर से सड़क सुरक्षा माह 2025 परवाह के अंतर्गत परिवहन विभाग ने डॉ. जाकिर हुसैन शिक्षण संस्थान में जिला परिवहन अधिकारी नरेश कुमार की ओर से सड़क सुरक्षा जागरूकता का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने के लिये शपथ दिलाकर यातायात नियमों के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में विधायल के प्रधानाध्यापक इदरीश खान, देवेन्द्र सिंह शेखावत, जिला परिवहन कार्यालय के सहायक लेखाधिकारी सत्यपाल सिंह,, वरिष्ठ सहायक भवानी सिंह, जगदीश कस्वां, भंवर सिंह व ऑटो यूनियन अध्यक्ष असगर अली आदि उपस्थित रहे।

जिला कारागृह में भक्ति संगीत संध्या आयोजित आत्मा का परमात्मा से मिलन करवाता है संगीत-ओमप्रकाश तंवर

(आधुनिक राजस्थान)चूरू। जिला कारागृह में भक्ति संगीत संध्या का आयोजन किया गया जिसमें जेल कार्मिक और बन्दियों ने श्रद्धा और उल्लास के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का आरम्भ हनुमानजी के चित्र के समक्ष दीप व अगरबती प्रज्वलन तथा पुष्प अर्पण से हुआ। तत्पश्चात् समवेत स्वर में हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। उसके बाद 'मत सोच मुसाफिर रे राम करे सो होई, समय को भरोसो नहीं कद पलटी मार जावे, कांई कारण आयो बन्दा कांई धन्धै लाग्यो रे, मत दिज्यो मायड़ली नै दोस करमा री रेखा न्यारी न्यारी, बेटा श्रवण पाणीड़ो पिलाय वन में बेटा प्यास लगी आदि भजनों की मधुर स्वर में प्रस्तुति दी गई जिन्हें सुनकर श्रोता भाव विभोर हो गए और वातावरण भक्ति व संगीत मय हो गया। इस अवसर पर जेल में नवाचार प्रेरक पुरस्कृत शिक्षक फोरम के जिला सचिव ओमप्रकाश तँवर ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि संगीत आत्मा से परमात्मा के मिलन का सबसे सुगम साधन है। मधुर स्वर में जब हम भजन व गीत सुनते हैं तो इससे हमारे मन को शान्ति मिलती है, चिन्ताएं दूर होती है और आत्म बल मजबूत होता है। इसलिए जब भी हमें अवसर मिले एकान्त में बैठकर अपनी पसन्द के भजन व गीत आदि सुनने चाहिए। इस अवसर पर उपस्थित अणुव्रत समिति की जिला अध्यक्ष रचना कोठारी ने ओंकार मन्त्र और ध्यान के महत्त्व को रेखांकित करते हुए बन्दियों को इनका अभ्यास करवाया। कार्यक्रम में उपस्थित से.नि. प्रधानाचार्य ओमप्रकाश इन्दौरिया और पूर्व बैंक मैनेजर सांवताराम ईसराण ने भी बन्दियों को सम्बोधित किया तथा नियमित रूप से पुस्तकें पढ़ने और सुबह-शाम भजन-कीर्तन करने का सुझाव दिया। जेल उपाध्यक्ष नरेन्द्र कुमार स्वामी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बन्दियों के व्यवहार व सोच में सकारात्मक परिवर्तन हेतु पुरस्कृत षिक्षक फोरम की ओर से जेल में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर बन्दियों को डायरी लेखन हेतु कापी व पेन तथा प्रसाद स्वरूप फल वितरित किए गए। अन्त में उपकारापाल दलीप कुमार सुथार ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा भविष्य में भी इसी प्रकार के भक्ति-संगीत के कार्यक्रमों के आयोजन करने का अनुरोध किया। मुख्य प्रहरी मोहरसिंह, प्रहरी नरेषकुमार कस्वां, महेन्द्र डूडी, प्रदीपकुमार, मनीषा व मनोजकुमारी ने कार्यक्रम के आयोजन में सहयोग किया।

रंगशाला में 'सीढ़ी दर सीढ़ी उर्फ तुक्के पे तुक्का' नाटक 2 फरवरी को

(आधुनिक राजस्थान)उदयपुर। पश्चिम क्षेत्र सास्कृतिक केंद्र उदयपुर द्वारा आयोजित मासिक नाट्य संध्या 'रंगशाला' में रविवार 2 फरवरी 2025 को नाटक 'सीढ़ी दर सीढ़ी उर्फ तुक्के पे तुक्का' का मंचन किया जाएगा। पश्चिम क्षेत्र सास्कृतिक केंद्र उदयपुर के निदेशक फुरकान खान ने बताया की प्रति माह आयोजित होने वाली मासिक नाट्य संध्या रंगशाला रविवार 2 फरवरी 2025 को शिल्पग्राम उदयपुर स्थित दर्पण सभागार में 'सीढ़ी दर सीढ़ी उर्फ तुक्के पे तुक्का' नाटक का मंचन रंग विदूषक संस्था भोपाल द्वारा किया जाएगा। इस नाटक के लेखक राजेश जोशी तथा निर्देशक पद्म स्व. बंशी कौल है। इस नाटक में प्रवेश निःशुल्क रहेगा। एक अमीर जमींदार का बेटा कभी स्कूल नहीं गया। वह अपना समय गली के खेल खेलने और अपने साथियों के साथ पतंग उड़ाने में बिताता है, जिससे एक तरह की लुम्पेन संस्कृति पैदा होती है। एक दिन एक नजूमी तुक्कू में एक आसान आय देखता है।

वह तुक्कू के पास जाता है और उसे बताता है कि वह शाही दरबार में एक उच्च अधिकारी बनने के योग्य है। अगर वह शाही परीक्षा में शामिल होता है तो वह पहले तीन पदों में से एक हासिल कर लेगा। घटनाओं के मोड़ से काफी खुश होकर, तुक्कू नजूमी को उदारता से पुरस्कृत करता है। तुक्कू राजधानी पहुँचता है। शाही मुहर के बल पर, तुक्कू का शाही दरबार में एक अधिकारी बनने का सपना आखिरकार साकार होता है। तुक्कू के मूर्खतापूर्ण निर्णयों का दरबार में स्वागत किया जाता है। हालाँकि, यह मस्कारा ही है जो शुरू से ही तुक्कू की मूर्खता को देख लेता है। नवाब को उनके जन्मदिन पर प्रशंसात्मक कविता भेंट करने का तुक्कू का जल्दबाजी और अनुचित निर्णय उसे अंततः निरक्षरता की समस्या से रूबरू कराता है। बूढ़ा अफसर, जो तुक्कू की निरक्षरता का रहस्य जानता है, इसका पूरा फायदा उठाता है और तुक्कू की ओर से कविता लिखता है। जैसे ही कविता का पाठ शुरू होने वाला होता है, विद्रोही महल पर आक्रमण कर देते हैं और नवाब के शासन को समाप्त कर देते हैं। नया नवाब, जो तुक्कू द्वारा लिखी गई बातों से बहुत प्रभावित होता है, तुक्कू को अगला नवाब बनाकर सम्मानित करता है।

रसद विभाग ने किए 10 सिलेण्डर जब्त

(आधुनिक राजस्थान)अजमेर। रसद विभाग द्वारा घरेलू एलपीजी सिलेण्डरों के अवैध उपयोग की शिकायत मिलने पर आनसागर चौकी के पीछे भट्टे वाली गली क्षेत्र में घरेलू गैस सिलेण्डरों की धरपकड़ का अभियान चलाया गया। बुधवार को जांच दल द्वारा 10 घरेलू गैस सिलेण्डर एवं 3 रिफिलींग मशीन जब्त की गई। जिला रसद अधिकारी नीरज जैन ने बताया कि आनासागर चौकी के पीछे, भट्टे वाली गली में परवेज पुत्र सिराजुद्दीन के यहां से 5 घरेलू, 3 कर्मीशयल व 2 रिफिलिंग मशीन तथा राकेश यादव के यहां से एक घरेलू, एक कर्मीशयल व एक रिफिलिंग मशीन जब्त की। इन फर्मो का यह कृत्य एलपीजी ऑर्डर-2000 का उल्लंघन है। साथ ही ये प्रकरण ईसी एक्ट 1955 की धारा 6 ए में जिला कलक्टर के न्यायालय में प्रस्तुत किए जाएंगे। जांच दल में जिला रसद अधिकारी (प्रथम) मती रतन कौर, संभाग उपभोक्ता संरक्षण अधिकारी भंवर सिंह राठौड़, प्रवर्तन अधिकारी मती रेणुका चतुर्वेदी, प्रवर्तन निरीक्षक अतुल बडाया एवं अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी आमोद शुक्ला शामिल रहे।

3 किलो 291 ग्राम गांजे सहित दो आरोपी गिरफ्तार,मोटरसाइकिल जप्त

(आधुनिक राजस्थान)सुरेंद्र गौतम दबलाना। केशोरायपाटन थाना पुलिस ने 3 किलो 291 ग्राम गांजे सहित दो आरोपी गिरफ्तार कर, परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को जप्त किया। थानाधिकारी हंसराज मीणा ने बताया कि अवैध कार्य चेकिंग एवं गश्त के दौरान थाना क्षेत्र में जलोदा नहर की पाल के पास खेतो की तरफ जाने वाले कच्चे रास्ते से मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्ति आते हुए दिखाई दिए। जिन्हें रुकवा कर तलाशी ली तो उनके पास अवैध मादक पदार्थ गांजा 3 किलो 291 ग्राम गांजा मिला। पुलिस ने नाम पता पूछने पर आरोपियों ने अपना नाम पता शिवराज सैनी पुत्र रामभरोस सैनी निवासी मालियो का मौहल्ला देईखेडा थाना देईखेडा,कृष्ण कुमार पुत्र विजय सिह योगी निवासी अग्रसेन स्कूल के पास सुभाष नगर थाना अटलबन्द जिला भरतपुर हाल मालियो के मन्दिर के पास लाखेरी थाना लाखेरी बताया जिस पर पुलिस ने मय स्प्लेण्डर मोटरसाईकिल के जप्त कर आरोपियों को नियमानुसार गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर अवैध मादक पदार्थ गांजा की खरीद फरोख्त के संबंध में पुछताछ जारी है। उक्त कार्यवाही के दौरान पुलिस टीम में थानाधिकारी हंसराज मीणा,हरिशंकर शर्मा ए.एस. आई, गजराज सिंह हेड कानि,दिनेश कानि, मुकेश कानि,कृष्ण कानि,रामधन कानि,जितेन्द्र सिह कानि शामिल रहे। विशेष भूमिका दिनेश कानि, मुकेश कानि, की रही।

मोनी अमावस्या पर पीटीए एसएमसी पदाधिकारियों की बैठक सम्पन्न

(आधुनिक राजस्थान)बांसवाड़ा। ग्राम पंचायत अमरथुन स्कूल में मोनी अमावस्या पर पीटीए एसएमसी पदाधिकारियों की मासिक बैठक सरपंच राजेन्द्र कुमार चरपोटा के मुख्य आतिथ्य संस्था प्रधान अरुण व्यास की अध्यक्षता ओर लक्ष्मण लाल के विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुई। बैठक में अभिभावकों ने नोडल अधीन विभिन्न आंगनवाड़ी केंद्रों, मां बाड़ी केंद्र,राप्रावि स्कूल कोठारिया पाड़ा, खेड़ली पाड़ा, भौम पाड़ा, ग्वाल माता, उपला पाड़ा , आंबा पाड़ा, गुलाब पूरा, भंवर वोड,नोडल अमरथून स्कूलों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा कर प्रस्ताव पारित किए गए। इस अवसर पर प्रत्येक सरकारी राप्रावि स्कूलों में जर्जर भवन मरम्मत स्छरूकक्ष पुराने बर्तन मरम्मत,मूत्रालय शौचालय नव निर्माण सहित पांच कक्षा कक्ष निर्माण करने के प्रस्ताव पारित किए गए। इस अवसर पर राउमावि अमरथुन स्कूल एवम् भंवर वोड स्कूल में कक्षा कक्ष की कमी ओर 10 कमरों ,पांच प्रयोगशाला,बालिका सशक्तिकारण हेतु छात्रावास निर्माण,खेल स्टेडियम निर्माण सहित एन एस एस,एन सी सी योजना शुरू करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने हेतु ज्ञापन भेज ने सहित समसा कार्यालय को वार्षिक योजना के तहत कार्यवाही करने के प्रस्ताव पारित किए गए। इस अवसर पर बैठक को शैलेश कुमार,राधेश्याम, भेरू लाल,कचरू लाल चरपोटा मयूर पड़ियार मुकेश पटेल जीवन लाल निनामा बदन लाल डामोर अनूप मेहता कपिल वर्मा पर्वत सिंह हरिशंकर मानसिंह श्रीमति रैना निनामा हितेष कुमार निनामा दिलीप मीणा श्रीमति प्रज्ञा अधिकारी , वार्ड पंचो सहित कई अभिभावकों ने संबोधित किया । सभा का संचालन खुश पाल कटारा ने ओर आभार प्रदर्शन दया शंकर चरपोटा ने ज्ञापित किया।

सार-समाचार

कहानी लेखन प्रतियोगिता में अकलंक कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन के बच्चों ने लहराया परचम

(आधुनिक राजस्थान)कोटा। अखिल भारतीय साहित्य परिषद, राजस्थान की इकाई कोटा द्वारा प्रांतीय स्तर पर विद्यार्थियों में उत्कृष्ट साहित्य का प्रचार प्रसार व साहित्यिक अभिरुचि विकसित करने हेतु ,कुटुंब, परिवार भाव, भारतीय परिवार व्यवस्था एक सकारात्मक दृष्टि एवं औपनिवेशिकता के ऋणात्मक पक्ष में से कोई भी एक विषय पर कहानी लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. आशा शर्मा के निर्देशानुसार, अकलंक कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन के विद्यार्थियों ने भी भाग लिया। अध्यक्ष पीयूष बज व सचिव अनिमेश जैन ने बताया कि प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को को भारत विकास परिषद चिकित्सालय के सूरज सभागार में आयोजित पुरस्कार वितरण व साहित्यकार सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रथम तीनों ही स्थान महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्राप्त किए। प्रतियोगिता में क्रमशः प्रथम स्थान महाविद्यालय की बी.एससी. बी.एड. तृतीय वर्ष की छात्रा अहिंसा गोस्वामी, द्वितीय स्थान रक्षित एच प्रजापति व तृतीय स्थान बीएड प्रथम वर्ष की छात्रा शिखा हाडा ने प्राप्त कर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया ।

आहूजा ग्रामीण पत्रकार समिति के प्रदेश विधि सलाहकार नियुक्त

(आधुनिक राजस्थान)केकड़ी(हर्ष राठी)। ग्रामीण पत्रकार समिति की प्रदेश कार्यकारिणी की मीटिंग धनोप माताजी मंदिर के निकट निजी धर्मशाला में रखी गई जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों के ग्रामीण पत्रकारों ने भाग लेकर प्रदेश स्तरीय टीम का निर्वाचन किया। जिसके अनुसार मुख्य संरक्षक के रूप में वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र चतुर्वेदी, अध्यक्ष विजय पाराशर, उपाध्यक्ष कबीर मोहम्मद कुरैशी व रामप्रसाद सैनी तथा महासचिव राजेश वर्मा, सह सचिव पूरण उदय, संगठन प्रभारी किशन अवतार पारीक, महामंत्री चंद्र प्रकाश कुमावत,कोषाध्यक्ष सत्यनारायण वैष्णव,विधि सलाहकार डॉ.मनोज आहूजा,प्रचार प्रसार प्रभारी राम अवतार जांगिड़, कार्यकारिणी सदस्य पप्पू सिंह राठौड़, जीवराज प्रजापति का निर्वाचन किया गया।इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए वरिष्ठ पत्रकार व संरक्षक सुरेन्द्र चतुर्वेदी ने कहा कि ग्रामीण पत्रकार समिति एक रजिस्टर्ड संगठन है जिसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के पत्रकारों को संगठित कर उनके हितों के लिए संघर्ष करना है ताकि उनकी वाजिब मांगो सहित पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करवाया जा सके। वहीं इस मौके पर नव निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष विजय पाराशर हिंगोनिया ने कहा कि संगठन पत्रकारों के हितों के लिए क्रियाशील है और अब संगठन ने अपना दायरा बढ़ाते हुए प्रदेश स्तरीय कर लिया है और उसकी जिम्मेदारी उन्हें दी गई है। उन्होंने सभी पत्रकार साथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वो पत्रकारों की गरिमा को बढ़ाने के लिए हर सम्भव प्रयास करेंगे तथा पत्रकारों को सुरक्षा दिलवाने सहित अन्य वाजिब मांगो को सरकार के पास रखकर सभी सुविधाएं दिलवाने का पूरा प्रयास करेंगे। इस मौके पर उपस्थित पत्रकार साथियों ने नव निर्वाचित टीम के पदाधिकारियों का माला व साफा पहनाकर अभिनन्दन किया तथा सामूहिक भोजन प्रसादी भी ग्रहण की। इससे पूर्व सभी साथियों ने धनोप माताजी के दर्शन कर देश व प्रदेश की खुशहाली की मंगल कामना की।

एडवोकेट के खिलाफ अनर्गल टिप्पणी करने वाले कैलाश शर्मा के खिलाफ प्रसंज्ञान लेते हुए कोर्ट ने किया तलब

(आधुनिक राजस्थान)केकड़ी(हर्ष राठी)। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या दो हिरल मीणा ने एडवोकेट मनोज आहूजा के परिवाद पर सुनवाई करते हुए बांदनवाड़ा निवासी कैलाश शर्मा पुत्र प्यारे लाल शर्मा के खिलाफ प्रसंज्ञान लेते हुए न्यायालय में तलब करने के आदेश जारी किये हैं।परिवादी मनोज आहूजा ने बताया कि आरोपी के खिलाफ एक मुकदमे में वह परिवादी का वकील होने कि वजह से वह उनसे रंजिश रखता है इसलिये उसने दिनांक 18 अक्टूबर 22 को रजवाड़ा यू ट्यूब चैनल पर टिप्पणी करते हुए कहा कि मनोज आहूजा लड़ाई झगड़े करवाता है तथा पुलिस थाना भिनाय में झूठे मुकदमे दर्ज करवाता है।इस बात की जानकारी आहूजा को उनके मित्रों द्वारा दी गई जिस पर आहूजा ने कैलाश शर्मा को उलाहना दिया तो उसने कहा कि तूने मेरे खिलाफ वकील बनने कि हिम्मत कैसे की, मैं तुझे जाटों से कुटवा दूंगा।इस पर आहूजा ने समझाना चाहा तो वह लड़ाई झगड़ा करने लगा।जिस पर आहूजा ने कैलाश शर्मा के खिलाफ पुलिस थाना भिनाय में भारतीय दंड संहिता की धारा 499,500,505 व आईटी एक्ट में मुकदमा दर्ज करवाया।जिस पर पुलिस ने बाद अनुसन्धान आरोपी के खिलाफ मानहानि करने का मामला प्रमाणित पाए जाने पर न्यायालय में रिपोर्ट पेश की जिस पर सुनवाई करते हुए न्यायाधीश ने आरोपी के खिलाफ प्रसंज्ञान लेते हुए न्यायालय में उपस्थित होने की आदेशिका जारी की है। आरोपी के खिलाफ न्यायालय मे एक और भी मुकदमा विचाराधीन है जो पत्रकार अशोक ठाकुर के द्वारा करवाया गया था जिसमें आरोपी खुद व उसका पुत्र गौरीशंकर भी मुल्ज़िम है।

श्रमिक पंजीयन और योजनाओं के ऑनलाइन आवेदन के बंद पड़े पोर्टल को खुलवाने की मांग

(आधुनिक राजस्थान)धर्मेंद्र फुलवारियां बाड़मेर। कमठा मजदूर यूनियन बाड़मेर के अध्यक्ष लक्ष्मण बडेरा ने प्रेस बयान जारी कर राज्य के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा से भवन निर्माण श्रमिकों के पंजीयन और योजनाओं के आवेदन को ऑनलाइन करने वाले बंद पड़े पोर्टल को श्रमिक हितों के लिए तत्काल खुलवाने की मांग की है। मजदूर नेता लक्ष्मण बडेरा ने बताया कि मजदूर के श्रम विभाग में रजिस्ट्रेशन का पोर्टल बंद होने के कारण मजदूरों का रजिस्ट्रेशन नहीं हो रहा है इस कारण भवन निर्माण श्रमिक खाद्य सुरक्षा योजना के लाभ से वंचित होना पड़ रहा है और श्रम विभाग में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के आर्थिक मदद हेतु समस्त योजनाओं के आवेदन भी पोर्टल पर ऑनलाइन नहीं हो रहे है मजदूर नेता लक्ष्मण बडेरा ने बताया कि श्रमिकों के कल्याण हेतु गठित श्रमिक कल्याण बोर्ड लेबर सेसकर तो ठेकेदारों और बिल्डरों से वसूल कर रहा है लेकिन पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को सहायता योजनाओं के जरिये आर्थिक सहायता प्रदान करने वाली योजनाओं के काम ठप्प होने से मजदूरों को आर्थिक सहायता से वंचित होना पड़ रहा है।मजदूर नेता लक्ष्मण बडेरा ने राज्य के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा से भवन निर्माण श्रमिकों के हितों के लिए श्रमिक रजिस्ट्रेशन और सहायत आवेदन के पोर्टल को खुलवाने की मांग की है।

श्रीमद् भागवत कथा में श्रद्धालुओं का उमड़ा जनसैलाब

(आधुनिक राजस्थान)सुरेंद्र गौतम दबलाना। नीम का खेड़ा में श्री लक्ष्मी नाथ भगवान मंदिर की नो दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष में चल रही नो दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के सप्तम दिवस पर आसपास के गांवों से कथा श्रवण करने श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ा।श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कराते हुए कथा व्यास पंडित शिवलहरी गौतम ने कहा कि भगवान के अवतार मनुष्य के लिए तभी सार्थक होंगे जब मनुष्य के हृदय में भगवान का अवतार हो भगवान प्रेम से प्रगट होते हैं उन्होंने कहा कि मनुष्य कितना भी धनवान हो , गुणवान हो , उसकी बुद्धि धन ,गुण भगवान के काम में न आता हो तो उसका कोई महत्व नहीं है। जो क्रोध का त्याग करता है वही पृथ्वी पर परम सुखी है भागवत कथा एक धार्मिक ग्रंथ है अगर इस कथा को सच्चे दिल से श्रवण कर लिया जाए तो उसके परिवार का जीवन धन्य हो जाता है। कथा के साथ-साथ लोगों को झांकी दिखाने का केवल एक ही अर्थ होता है कि अतीत झंकार अपने मन इस बात का चिंतन कर सके अगर भगवान की कृपा प्राप्त करना चाहते हैं तो भागवत कथा अपने मन में उतारे ताकि जीवन धन्य हो जाये । कथा के मध्य में मेरी लगी श्याम संग प्रीत, ये दुनिया क्या जाने, काली कमली वाला मेरा यार है जैसे विख्यात भजनों पर पूरा पंडाल आनंदित हो उठा और पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से भक्तिमय में हो गया कथा में तरह-तरह की झांकियां प्रस्तुत की गई जो लोगों का आकर्षण का केंद्र रहीकथा विश्राम के बाद आरती मंत्र पुष्पांजलि हुई। भगवान को भोग लगाकर प्रसाद वितरण किया गया। कथा में ग्राम आचार्य प्रेम शंकर शर्मा, यज्ञ आचार्य दीनदयाल शास्त्री, बूंदी पत्रिका प्रधान संपादक मनोज कुमार शर्मा, गौरी शंकर शर्मा, राजेंद्र शर्मा, शशांक गौतम सहित सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने सोलर लैम्पों के संग्रह से सूर्य की सबसे बड़ा आकृति बनाकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया, इन सोलर लैम्पों से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के घरों को रोशन करेंगे

(आधुनिक राजस्थान)उदयपुर। मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार के सदस्य डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बुधवार को सोलर लैम्पों से सूर्य की सबसे बड़ी आकृति बनाकर सूर्योदय अभियानका शुभारंभ कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने डॉ. लक्ष्यराज सिंह को सोलर लैम्पों के संग्रह से दुनिया में पहली बार सूर्य की सबसे बड़ी आकृति बनाकर इस विश्व कीर्तिमान से सिटी पैलेस में सम्मानित किया है। डॉ. लक्ष्यराज सिंह का समाज सेवा के विभिन्न प्रकल्पों में यह नौवां गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड है। इस अवसर पर डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने कहा कि सूर्योदय अभियान की शुरुआत का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के परिवारों को सोलर लैंप वितरित कर उनके घरों को सौर ऊर्जा से रोशन कर पर्यावरण संरक्षण की जीवंत पहल करना है। सौर ऊर्जा के उपयोग से पर्यावरण संरक्षण की पहल होगी। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर बिजली के बिलों का भार नहीं आएगा। सौर ऊर्जा के माध्यम से परिवार आत्मनिर्भर बनेंगे और उन्हें बाहरी ऊर्जा स्रोतों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। डॉ. लक्ष्यराज सिंह पिछले 7 साल में समाज सेवा-पर्यावरण संरक्षण-महिला स्वच्छता प्रबंधन, शिक्षा जैसे विषयों पर 9 गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित कर चुके हैं। उनका कहना है कि ये विश्व कीर्तिमान देश-दुनिया में समाज सेवा और नागरिक दायित्वों के निर्वहन की ज्योति जलाने की पुनीत सोच के साथ स्थापित किए हैं, जिसका क्रम अनवरत जारी रहेगा।

पढ़िए = डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने कब, कौन-सा विश्व कीर्तिमान कैसे स्थापित कर सामाजिक चेतना जागृत करने का कार्य किया रिकॉर्ड-1 = मार्च 2019 को भी जरूरतमंदों को 3 लाख 29 हजार से अधिक वस्त्रों का दान कर पहला गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया था। एकत्रित किए तीन लाख कपड़ों को भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, यूएसए, ओमान, श्रीलंका, यूएई सहित अन्य देशों के 80 शहरों से एकत्रित कर जरूरतमंदों तक पहुंचाया। रिकॉर्ड-2 = अगस्त 2019 को 24 घंटे में 20 टन से ज्यादा स्टेशनरी छात्र-छात्राओं में वितरित कर दूसरा गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया। लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने उदयपुर संभाग में एक महीने तक शिक्षा प्रोत्साहन कैंपेन चलाकर सरकारी स्कूलों के छात्र-छात्राओं को किताब, कॉपी-पेन-पेंसिल, कलर्स बुक, बुक्स आदि शिक्षण सामग्री वितरित की। रिकॉर्ड-3 = जनवरी 2020 को महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन ट्रस्ट की ओर से 20 सैकंड में 4000 से अधिक पौधे लगाकर तीसरा गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल किया। सिटी पैलेस के माणक चौक में पर्यावरण संरक्षण की अलख जगाने अमलतास, गुलमोहर, सहजन व केशिया श्याम वृक्षों के 4035 पौधों को 20 सैकंड में लगाया गया। रिकॉर्ड-4 = जनवरी 2021 को मात्र एक घंटे में महिला स्वच्छता प्रबंधन से जुड़े 12 हजार से अधिक स्वच्छता प्रोडक्ट बांटकर चौथा गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया। कोरोना महामारी के दौरान स्वच्छता और महिला माहवारी स्वच्छता प्रबंधन की अलख जगाने के लिए साढ़े बारह हजार से ज्यादा सेनेट्री पेड, हैंड सेनेटाइजर, साबुन, टूथब्रश जैसे प्रोडक्ट्स दान किए।

रिकॉर्ड-5 = जनवरी 2022 को एक घंटे में सबसे ज्यादा स्वेटर वितरण कर 5वां गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। सर्दी के सीजन में जरूरतमंद 28 सौ लोगों को स्वेटर पहनाकर पुनीत पहल की। रिकॉर्ड-6 = जनवरी 2022 को एक घंटे 2800 भोजन के पैकेट वितरण कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया। उद्देश्य कोई भूखा ना सोए पहल का जन-जन तक संदेश पहुंचाना। रिकॉर्ड-7 = जनवरी 2023 को बीज भविष्य का अभियान के तहत 21 हजार 58 विभिन्न तरह के पेड़-पौधों के बीज बोकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया। रिकॉर्ड-8 = जनवरी 2024 को जनसमूह को तनाव प्रबंधन का पाठ पढ़ाकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया किया है। बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड ने विश्व में पहली बार तनाव प्रबंधन से संबंधित यह श्रेणी बनाने की पहल की है। रिकॉर्ड-9 = सोलर लैम्पों के संग्रह से सूर्य की सबसे बड़ी आकृति बनाकर यह गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। सूर्योदय अभियान का शुभारंभ कर पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के घरों को सौर ऊर्जा से रोशन करने की पहल की है।

अधिक उत्पादन- अच्छी गुणवत्ता के साथ करें खाद्यान्न उत्पादन- चौधरी

(आधुनिक राजस्थान)अजमेर। राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र तबीजी में आयोजित किसान संवाद कार्यक्रम में राजस्थान राज्य किसान आयोग के अध्यक्ष सी.आर. चौधरी ने किसानों को अधिक उत्पादन-अच्छी गुणवत्ता को केन्द्र में रखकर खाद्यान्न का उत्पादन करने का आह्वान किया। राजस्थान राज्य किसान आयोग के अध्यक्ष सी.आर. चौधरी ने कहा कि वर्तमान में जीवन की गुणवत्ता के प्रति जागरूकता बढ़ी है। इसलिए व्यक्ति उत्तम गुणवत्ता के भोज्य पदार्थ उपयोग लेना पसंद करते है। ऐसे में किसानों के सामने अच्छी गुणवत्ता युक्त खाद्य पदार्थों का अधिक उत्पादन करना एक चुनौती है। इसे स्वीकार करते हुए जैविक खेती तथा प्राकृतिक खेती को अपनाने की आवश्यकता है। विदेशों में खाद्यान्न निर्यात करने पर भी गुणवत्ता को पहले जांचा परखा जाता है। उन्होंने कहा कि राजस्थान किसान आयोग सरकार तथा किसानों के मध्य कड़ी का कार्य करता है। किसानों की समस्याओं का निदान कर उनका समाधान सरकार के माध्यम से करवाने का प्रयास किया जाता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा ने किसानों की पीड़ा को समझा है। किसान को अन्नदाता के रूप में विश्व में पहचान दिलाई है। सरकार स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट के अनुसार किसानों को उपज की लागत का डेढ़ गुना मुल्य दिलवाने के लिए संकल्पबद्ध है। इससे किसानों की आय दुगुनी होगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाकर डेढ़ गुना तक कर दिया है । बाजरा 1100 से 1975 तथा मूंग 5000 से 6975 रूपए किया गया है । एक फसली क्षेत्रों में पैदा होने वाली फसलों का समर्थन मूल्य तुलनात्मक रूप से अधिक बढ़ाया गया है। किसानों को पर्याप्त उर्वरक लगातार उपलब्ध कराने के लिए सरकार काम कर रही है । किसानों को प्रमाणित बीज ही इस्तेमाल करने चाहिए। किसान अब स्वयं गिरदावरी कर सकते है। उन्होंने कहा कि पर ड्रॉप मोर क्रोप की अवधारणा पर काम करते हुए खेत का पानी खेत में तथा गांव का पानी गांव में रहे। इसके लिए प्रत्येक खेत में फार्म पौण्ड होना चाहिए। सरकार ने किसानों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पड़ौसी राज्यों के साथ समझौते किए है। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना को रामजल सेतु के नाम से जाना जा रहा है। इससे आधे राजस्थान को पीने तथा सिंचाई का पानी मिलेगा। शेखावाटी के लिए यमुना का पानी उपलब्ध होगा। अगले पांच वर्ष में इन परियोजनाओं का लाभ किसानों को मिलने लगेगा। देहात अध्यक्ष जीतमल प्रजापत ने कहा कि सरकार किसानों के हित के लिए विभिन्न आयोजन करवा रही है। किसान संवाद के माध्यम से प्राप्त सुझावों को सरकार तक पहुंचाया जाएगा। इन्हें बजट में शामिल करवाने के लिए सरकार को भेजा जाएगा। विभिन्न योजनाओं का अधिकतम लोगों तक पहुंचाने का संकल्प लें। भारतीय किसान संघ के अध्यक्ष श्री लक्ष्मण गुर्जर ने कहा कि किसानों को अनुदान समय पर मिलना चाहिए। संवाद में उपस्थित किसानों ने विभिन्न विषयो पर अपनी बात रखी। इस अवसर पर कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक संजय तनेजा, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. सुनिल घीया, उद्यान विभाग के उपनिदेशक श्री के.पी. सिंह राजावत सहित विभागीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

शंभूपुरा में व्यापारी बनकर आये ठग ने कि 24500 रुपये की ठगी, पुलिस में मामला दर्ज

(आधुनिक राजस्थान)ओम जैन शंभूपुरा। चित्तौड़गढ़ जिले के शंभूपुरा थाना क्षेत्र में बुधवार को एक ठगी का मामला सामने आया है। लोकेश कोठारी ने शंभूपुरा थाने में दी रिपोर्ट में बताया कि मैं शंभूपुरा स्टेशन रोड़ स्थित अपनी दुकान लोकेश किराना पर बैठा था तभी मोटरसाइकिल लेकर एक व्यक्ति आया जिसने स्वयम को आरके ट्रेडर्स नीमच से होना बताकर विमल, शक्कर ओर तेल की एजेंसी होना बताया, भाव तय होने पर मैने उसे 24500 रुपये रोकड़ देकर विमल का सौदा किया, उसने पैसे लेकर कहा गाड़ी रोड पर खड़ी है माल लेकर आता हूं, ओर वो पैसे लेकर चला गया, कुछ देर तक नही आने पर ढूंढने गए तो कही नही था तब अपने साथ हुई ठगी का पता चला जिसके बाद अज्ञात ठग के खिलाफ शंभूपुरा थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई गई। ठगी के इरादे से आया यह ठग इससे पूर्व पास ही स्थित महेश किराना पर गया, जहाँ पर इसकी दाल नही गली तो यह मोटरसाइकिल लेकर निकला ही था कि आगे जाकर लोकेश किराना पर रुका ओर वहा अपने ठगी के इरादे को अंजाम दिया, यह ठग महेश किराना पर लगे सीसीटीवी में कैद हो गया, जिसका एक वीडियो भी दिनभर सोशल मीडिया पर वायरल होता रहा। शंभूपुरा थानाधिकारी रामलाल मीणा ने बताया कि मामले को लेकर रिपोर्ट मिली है, हमने मामले की जांच शुरू कर दी है, सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे है, लोकेशन ट्रेस सहित पुलिस की कार्यवाही जारी है।

एफ.पी.ओ. प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आगाज

(आधुनिक राजस्थान)कोटा। कोटा बूंदी जिला दुग्ध संघ लगातार ग्राहकों की संतुष्टि और प्लांट को बढाने के लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता चला आ रहा है। इसी क्रम में नेशनल डेयरी डवलपमेन्ट बोर्ड आनंद गुजरात द्वारा आयोजित एफ.पी.ओ. प्रशिक्षण कार्यक्रम का आगाज हुआ जिसमें कोटा बूंदी जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ के अध्यक्ष चैन सिंह राठौड़ ने प्रशिक्षण के लिए जाने वाले दल की बस को झण्डी दिखाकर रवाना किया। कोटा बूंदी जिला दुग्ध संघ के द्वारा संचालित एफपीओ (फार्मर प्रोड्यूसर आगेर्नाइजेशन) कंपनी छोटी काशी सरस फोडर सीड़ कंपनी तथा कोटा सरस फोडर सीड प्रोड्यूसर की और से 20 व्यक्तियो को नेशनल डेयरी डवलपमेन्ट बोर्ड आनंद गुजरात 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम मे भाग लेने भेजा गया है। जिसमे चारा बीज, नेपियर स्टेम कंटिंग, खाद प्रबंधन बायोगैस और जैविक उर्वरक प्रसंस्करण सयंत्र, साईलेज, नवीन बीज किस्मों का उपयोग उन्नत नवीन खेती विधियों, आदि का प्रशिक्षण दिया जाएगा। अध्यक्ष चैन सिंह राठौड़ ने बताया की नेशनल डेयरी डवलपमेन्ट बोर्ड आनंद गुजरात की तर्ज पर आगे बढ़ने की जरूरत है, इसके लिए प्रशिक्षण की अति आवश्यकता है ताकि कोटा बूंदी दुग्ध संघ भी प्रगति की और अग्रसर हो और चारा बीज, नेपियर स्टेम कंटिंग, खाद प्रबंधन बायोगैस और जैविक उर्वरक प्रसंस्करण, उन्नत नवीन खेती विधियों को जान सके, जिससे ज्यादा से ज्यादा किसान भाईयों को लाभ हो और संघ भी प्रगति की और बड़े। इस प्रशिक्षण में प्रत्येक सदस्य पर 2000 रुपए का वहन होगा, जिसमे 20 सदस्यों का खर्च 40 हजार रुपए होगा जो कि कोटा दुग्ध संघ के सीबीबीओ खाते से वहन किया जाएगा।

सावर में जिला प्रमुख की अध्यक्षता में पंचायत समिति स्तरीय जनसुनवाई एवं लोकार्पण/शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित

(आधुनिक राजस्थान)अजमेर। जिला प्रमुख सुशील कंवर पलाडा का ध्येय सदैव ही जनकल्याण एवं ग्रामीण विकास का रहा है। जिसके तहत जिला परिषद एवं हस्तानान्तरित विभागों को साथ लेकर जिला प्रमुख पंचायत समिति स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन कर रही है उसी क्रम में बुधवार को सावर पंचायत समिति में जनसुनवाई एवं जिला प्रमुख द्वारा स्वीकृत कार्यो का लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सैकडो की तादाद में जनसैलाब उमडा व पांडाल छोटा पड गया। जनसुनवाई का उद्धेष्य ग्रामीणजन की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण एवं योजनाओं का प्रत्यक्ष एवं परोक्ष लाभ प्रदान करना है। जिसके तहत कार्यक्रम की शुरूआत दिनांक 19.11.2024 को पंचायत समिति अंराई से की गई थी। कार्यक्रम की शुरूआत जिला प्रमुख सुशील कंवर पलाड़ा भाजपा नेता भंवर सिंह पलाड़ा एवं प्रधान आशा देवी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम स्थल पर जिला प्रमुख का स्वागत माला व शोल पहनाकर प्रधान आशा देवी द्वारा किया गया। भंवर सिंह पलाडा वरिष्ठ भाजपा नेता का स्वागत विकास अधिकारी सावर चिरंजी लाल द्वारा माला व साफा पहनाकर किया गया। स्वागत कार्यक्रम में पलाडा दम्पति का स्वागत करने हेतु लोगो को ताता लगा रहा जिनमें सरपंचगण सावर, पंचायत समिति सदस्यगण सावर, ग्राम विकास अधिकारी संघ व कनिष्ठ लिपिक संघ सावर व अन्य ग्रामीणजन द्वारा माला व साफा पहनाकर व तलवार भेंट कर किया गया। जिला प्रमुख ने अपने उद्धबोधन में कहां कि मैने अपने पन्द्रह वर्ष के राजनैतिक कार्यकाल जिनमे जिला प्रमुख, विधायक एवं पुनः जिला प्रमुख में केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओ को धरातल पर मूर्त रूप देने का हरसंभव प्रयास किया। मैनें जिला परिषद को मंदिर व ग्रामीणजन को भगवान मानकर सेवा की है। इसी का परिणाम है कि मुझे भगवान षिव व आपके आषीर्वाद से पुनः जिला प्रमुख का पद प्राप्त हुआ। हम राजनीति में केवल सेवा के लिये आये है हमने हर तबके व क्षेत्र के लोगो के विकास हेतु कार्य किया है जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण आपकी हजारों में इस पांडाल में उपस्थिति है। जिला प्रमुख ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं माननीय मुख्यमंत्री श्री भजन लाल जी का ध्येय है कि डबल इंजन सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ ग्रामीण स्तर पर प्राप्त हो। इसी ध्येय के अनुरूप मेरे व पलाड़ा साहब एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद अजमेर अभिषेक खन्ना का भी यह ध्येय था कि जिस प्रकार जिला स्तर पर प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई का आयोजन कर आठो विधानसभा से पधारे ग्रामीणजन की समस्या का निवारण करते है उसी प्रकार अब जनसुनवाई का आयोजन पंचायत समिति स्तर पर कर ओर अधिक लोगो को राहत पहुचाने का कार्य करेगें साथ ही केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचायेंगें। इसी अनुरूप आज कार्यक्रम स्थल पर हम पंचायतीराज सहित हस्तानान्तरित विभागो के अधिकारियों को आपके बीच लेकर आये है और विभिन्न योजनान्तर्गत सावर् के ग्रामीणजनों को प्रत्यक्ष व परोक्ष लाभ प्रदान किया गया। जिला प्रमुख के समापन व्यक्तवयों में कहा कि सभी जिला स्तरीय पंचायत राज एवं हस्तानान्तरित विभाग के अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण के शिविर में योगदान हेतु शुभकामनाऐं एवं आभार प्रेषित किया गया साथ ही सावर् क्षेत्र के समस्त पंचायत समिति सदस्यगण, सरपंचगण, वार्डपंचगण एवं जनप्रतिनिधिगण व ग्रामीण जन का सैकडों की तादात में प्रधारने पर आभार प्रेषित किया। भंवर सिंह पलाडा, उपाध्यक्ष राष्ट्रीय खो-खो संघ भारत एवं वरिष्ठ भाजपा नेता ने अपने उद्बोधन के सर्वप्रथम पंक्तियों में समस्त जिला स्तरीय व ब्लाक स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों का इस भव्य कार्यक्रम के लिए धन्यवाद प्रेषित किया साथ ही पंचायत समिति सावर् के पधारे समस्त जनप्रतिनिधिगण एवं सैकडो की तादाद में आये ग्रामीणजन का दिल से आभार व्यक्त किया व इस भव्य अभिवादन के लिए धन्यवाद प्रेषित किया।

एयू बनो चैंपियन: 600 खिलाड़ियों के साथ झुंझुनू में संपन्न हुआ ,तीसरे राज्य स्तरीय टूर्नामेंट का पहला चरण

(आधुनिक राजस्थान)झुंझुनू। भारत के सबसे बड़े एसएफबी, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक (एयू एसएफबी), ने 28 और 29 जनवरी 2025 को गोमती देवी कॉलेज, बड़ागांव, झुंझुनू में आयोजित अपने एयू बनो चैंपियन तीसरे राज्य स्तरीय टूर्नामेंट के पहले चरण का समापन किया। इस कार्यक्रम में वॉलीबॉल, थ्रोबॉल और कबड्डी में प्रतिस्पर्धा करने वाले 600 से अधिक खिलाड़ियों के साथ-साथ 300 से अधिक कोच, स्वयंसेवी और अधिकारियों ने भाग लिया। अक्टूबर 2021 में शुरू हुआ एयू बनो चैंपियन कार्यक्रम एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक की अनूठी सीएसआर खेल पहल है। इसका उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को थ्रोबॉल, कबड्डी, फुटबॉल, एथलेटिक्स, वुशु, बॉक्सिंग और वॉलीबॉल जैसे खेलों में गाइडेड स्पोर्ट्स ट्रेनिंग प्रदान करना है। जमीनी स्तर पर खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने के साथ-साथ एयू बनो चैंपियन अपने कोचों के प्रशिक्षण और विकास पर भी लगातार निवेश कर रहा है, ताकि उन्हें खिलाड़ियों को सर्वोत्कृष्ट तरीके से समर्थन देने के लिए नवीनतम तकनीकों, प्रशिक्षण विधियों और पोषण के ज्ञान से अवगत कराया जा सके। बनो चैंपियन को विभिन्न क्षेत्रों से समर्थन मिला है, जिसमें क्षेत्रीय विशेषज्ञों, एसोसिएशन निकायों और सरकार के साथ भागीदारी शामिल है। पिछले कुछ वर्षों में एयू बनो चैंपियन ने 55 से अधिक राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार किए हैं।बनो चैंपियन' टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ आईएएस अधिकारी श्री राजेंद्र सिंह शेखावत, डिप्टी एसपी नवलगढ़ श्री राजवीर सिंह संग अंतराष्टीय कबड्डी खिलाडी परदीप और बिंटू नारवाल द्वारा दीप प्रज्वलित करके शुरू किया गया तीसरे राज्य स्तरीय टूर्नामेंट में विजेता बने- परिणाम- खेल 1)कबड्डी लड़के शाहपुरा (विजेता) अजमेर (उपविजेता) कबड्डी लड़कियाँ सीकर (विजेता) अलवर (उपविजेता) 3) थ्रोबॉल गर्ल्स जयपुर (विजेता) शाहपुरा (उपविजेता) 4) वॉलीबॉल लड़कियाँ झुंझुनू (विजेता) सीकर (उपविजेता) 5) वॉलीबॉल लड़के शाहपुरा (विजेता) अलवर (उपविजेता) इस पहल पर विस्तार से जानकारी देते हुए एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के संस्थापक, एमडी और सीईओ, श्री संजय अग्रवाल ने कहा, एयू बनो चैंपियन तीसरे राज्य स्तरीय टूर्नामेंट के विजेताओं को मेरी हार्दिक बधाई। मैं उनके खेल कॅरियर में निरंतर सफलता की कामना करता हूं। हमें इन खिलाड़ियों का खेल देखकर गर्व है, जो अनुशासन विकसित करने, नेतृत्व कौशल विकसित करने और चरित्र निर्माण के लिए एक संगठित दृष्टिकोण को बढ़ावा देकर ग्रामीण युवाओं के जीवन में बदलाव लाने के हमारे ईमानदार प्रयासों का प्रमाण है। शुरुआत से ही एयू बनो चैंपियन कार्यक्रम ने नामांकित बच्चों और युवाओं की प्रगति पर बारीकी से नजर रखी है और उन्हें मैदान से मंजिल तक के इस सफर पर आगे बढ़ाया है। कार्यक्रम ने उल्लेखनीय रूप से 55 से अधिक राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को तैयार किया है, जिन्हें हमारी रणनीतिक और केंद्रित पहल के तहत अच्छी तरह से तैयार और प्रशिक्षित किया गया है। एयू बनो चैंपियन एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक की ओर से समुदाय के उत्थान, जमीनी स्तर पर खेल की संस्कृति विकसित करने और खेल प्रेमियों को अपने राज्य के लिए सम्मान लाने में मदद करने की दिशा में योगदान देने के लिए अग्रसर है। इस अवसर पर, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी श्री राजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, मैं सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को बधाई देना चाहता हूं। इन 600 खेल प्रेमियों को 2 दिनों में अपने पूर्ण समर्पण और भावना के साथ भाग लेते देखना एक गर्व का क्षण है। यह खेलों के लिए अनुकूल भारत के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक जैसी कॉर्पोरेट इकाई को इस उद्देश्य को बढ़ावा देने और दूरदराज के क्षेत्रों के युवाओं को व्यवस्थित तरीके से खेलों को अपनाने के लिए साथ ही सशक्त बनाने के लिए आगे आते देखना प्रेरणादायक है। मैं इस अवसर का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं और एयू बनो चैंपियन राज्य स्तरीय टूर्नामेंट के तीसरे सफल सीजन के लिए एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक को बधाई देता हूं। मुझे विश्वास है कि हम भविष्य में इनमें से कई युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय मंचों पर चमकता देखेंगे। एयू बनो चैंपियन के अलावा, एयू एसएफबी अपनी सीएसआर शाखा, एयू फाउंडेशन के माध्यम से दो अन्य केंद्र बिंदुओं, कौशल विकास और महिला सशक्तिकरण में सक्रिय रूप से कार्यरत है।

राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2024 ,प्रशिक्षण के संबंध में बैठक आयोजित

(आधुनिक राजस्थान)अजमेर। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा 2 फरवरी को दोपहर 12 बजे से दोपहर 3 बजे तक एक पारी में 127 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होने वाली राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2024 के संबंध में परीक्षा कार्य से जुड़े अधिकारियों एवं केन्द्राधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं उपसमन्वयक दलों को प्रशिक्षण देने के लिए जिला कलक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में बुधवार को माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सभागार में बैठक का आयोजन किया गया। इसमें परीक्षा केन्द्र से 100 मीटर क्षेत्र में ई-मित्र एवं साइबर कैफे बन्द करवाने के निर्देश दिए गए। अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं नोडल अधिकारी परीक्षा वन्दना खोरवाल ने बताया कि राजस्थान राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा 2 फरवरी को दोपहर 12 से दोपहर 3 बजे तक एक पारी में राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा आयोजित होगी। इसके सफल, निष्पक्ष एवं सुचितापूर्ण आयोजन के लिए जिला कलक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में प्रशिक्षण बैठक आयोजित की गई। प्रशिक्षण श्री नन्दकिशोर प्रजापति द्वारा दिया गया। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने कहा कि राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2024 के संबंध में परीक्षा कार्य से जुड़े अधिकारियों एवं केन्द्राधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं उपसमन्वयक दलों के प्रशिक्षण सत्रा में राजस्थान लोक सेवा आयोग की सम्पूर्ण गाईड लाईन के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। राज्य सरकार परीक्षा को सुचिता के साथ आयोजित करवाने के लिए गम्भीर है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने वीसी के माध्यम से राज्य के समस्त जिला कलक्टर्स एवं पुलिस अधीक्षकों के साथ विस्तृत चर्चा की है। परीक्षा के दौरान लापरवाही एवं असंवैधानिक कृत्य करने वालों पर तत्काल कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा आयोजन में सहभागिता प्रदान कर रहे समस्त विभागों द्वारा भी नियन्त्राण कक्ष स्थापित किए गए है। ये विभागीय नियन्त्राण कक्ष जिला स्तरीय नियन्त्राण कक्ष 0145-2422517 से लगातार सम्पर्क में रहेंगे। नियंत्रण कक्ष लगातार कार्यरत रहेंगे। परीक्षा आयोजन के संबंध में किसी प्रकार की शंका एवं बाधा होने पर स्वयं के स्तर पर निर्णय लेने के स्थान पर आयोग, परीक्षा शाखा अथवा नियंत्रण कक्ष से सम्पर्क किया जा सकता है। नोडल अधिकारी परीक्षा भी हमेशा उपलब्ध है। प्रत्येक परीक्षा को एक नई चुनौति मानते हुए निर्धारित प्रोटोकॉल, प्रक्रिया एवं निर्देशिका का पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा केन्द्र से 100 मीटर के क्षेत्र में स्थित समस्त साईबर कैफे एवं ई-मित्रा को परीक्षा के दौरान बन्द करवाने के निर्देश जारी हुए है। परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पूर्णतया वर्जित रहेंगे।

राजपूत सभा संस्थान ब्यावर के जिलाध्यक्ष अजीतसिंह चांदारुण का व्यापार मण्डल संघ डेगाना व करणी क्लब डेगाना ने किया स्वागत

(आधुनिक राजस्थान)भेराराम सेन, डेगाना। श्री क्षत्रिय सेवा समिति डेगाना के वर्तमान अध्यक्ष अजीतसिंह चांदारूण को श्री राजपूत सभा संस्थान ब्यावर के जिलाध्यक्ष निर्वाचित होने पर व्यापार मण्डल संघ डेगाना व व्यापार मण्डल संघ डेगाना व श्री करणी क्लब, डेगाना द्वारा स्वागत, अभिनन्दन किया गया। मारवाडी परंपरा से माला व साफा पहंनाकर स्वागत, अभिनन्दन किया गया। इस मौके पर व्यापार मंडल पूर्व अध्यक्ष विजय कालिया, द्वारकाप्रसाद हैड़ा, रामनिवास कुकंणा, नितेश खंडेलवाल, संजय सिसोदिया, सतीश बजाज, प्रवीण ओसवाल, सुनिल तोषनिवाल, मंशीराम मुवाल, हनुमानप्रसाद जांगिड़, रामनिवास गोदारा, ओमप्रकाश मालू और करणी काला उपस्थित रहे। करणी क्लब, डेगाना से गिरवरसिंह सिरसू, गजेंद्र सिंह किरोदा, शिम्भूसिंह तिलनेश,करण सिंह मृगानेणी,शक्ति सिंह गोरेडी,अर्जुन सिंह डोटोलाई,महेंद्र सिंह खियास,जयेंद्र सिंह बीका,दोलत सिंह शेखावत,दलपत सिंह जालसू उपस्थित रहे। राजेन्द्र सिंह झगड़वास ने साफ़ा पहनाकर स्वागत किया और चैन सिंह झगड़वास ने माला पहनाकर स्वागत किया। शौभाग सिंह झगड़वास ने बताया की अजीतसिंह चांदारूण लगातार 5 वर्षों से क्षत्रिय सेवा समिति के अध्यक्ष है और दूसरी बार लगातार अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुवे है तथा अपनी कार्यकुशलता से समाज का नेतृत्व कर समाजोत्थान कार्यों मे अपानी भूमिका निभाते है। अजीतसिंह चांदारूण ने सम्बोधन मे कहा की श्री राजपूत सभा संस्थान ब्यावर के जिला अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी को पूर्ण समर्पित भाव निभाने एवं समाज को आगे बढाने के लिए हर तरह से प्रयासरत रहूंगा।

मौनी अमावस्या पर गौ माता के लिए रु.51000/ का सहयोग

(आधुनिक राजस्थान)मंगल जैन,मोरिया। प्रेम सिंह सुपुत्र स्वर्गीय आईदान सिंह जी रूपावत पाबू नगर ग्राम पंचायत मुंजासर जिला फलोदी जिन्होंने आज मोनी अमावस्या पर गौमाता के लिए 51000 रुपये का सहयोग शिव सनातन गौशाला मुंजासर को दिया इस दौरान कई गौ भक्त उपस्थि रहे।

एवीवीएनएल श्रमिक संघ ने स्पॉट बिलिंग में हो रही समस्याओं के निवारण को लेकर अधीक्षण अभियंता को दिया ज्ञापन

(आधुनिक राजस्थान)अजमेर। अजमेर विद्युत वितरण निगम श्रमिक संघ ने के कार्यान्वयन में आ रही बधाओं समस्याओं के निवारण के लिए कार्यालय अधीक्षण अभियंता हाथी भाटा मेंअधीक्षण अभियंता दिनेश सिंह को ज्ञापन सोपा विनीत कुमार जैन अजमेर डिस्कॉम कार्यकारी अध्यक्ष ने बताया कि वर्तमान में 1.1.2025 से अजमेर डिस्कॉम द्वारा UBS कार्य लागू किया गया है जिसकी प्रदाता कंपनी मैं- BCITS द्वारा निगम कार्यादेश के अनुरूप कोई भी मानक एवं शर्तें पूर्ण नहीं की गई हैं जिसके चलते स्पॉट UBS कार्य में निम्न वर्णित अनेक बाधाएं/समस्याएं सामने आ रही हैं एवं क्र- प्रदाता कंपनी BCITS के इस दोषपूर्ण कार्यान्वयन से निगम में बिलिंग कार्य बहुत ही दोषपूर्ण एवं निगम को भारी घाटा देने वाला साबित हो रहा है। उल्लेखनीय है कि निगम द्वारा UBS कार्य आदेश जारी होने पर श्रमिक संघ द्वारा इसके अव्यावहारिक होने तथा निगम को घाटा पहुंचाने वाला मानते हुए विरोध प्रदर्शन भी किया था एवं कार्यादेश निरस्त करने की मांग की थी - टीएसपी क्षेत्र के अधीन सभी व्रतों में अपर्याप्त मानव शक्ति होने तथा पहाड़ी दुर्गम स्थानों एवं उपभोक्ताओं के छितराए हुए परिसरों के कारण भौतिक रूप में स्पाट बिलिंग अपने निर्धारित समय में हो पाना नितांत असंभव एवं दुष्कर हो रहा है , उक्त प्रकार से इन व्रतों में उपलब्ध/कार्यरत अपर्याप्त संख्या कर्मचारियों पर अनावश्यक दबाव बनाकर बिलिंग कार्य पूर्ण कराने की कवायद कार्मिकों का शोषण एवं मानसिक संताप को बढ़ावा देना है जिसका श्रम संघ विरोध करता है एवं मांग करता है कि टीएसपी क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में निगम कर्मचारी बढ़ाए जाएं तथा दुर्गम स्थलों पर स्पॉट बिलिंग कार्य हेतु कार्मिकों को उपभोक्ता तक पहुंचने हेतु समुचित निगम वाहन/ संसाधन उपलब्ध कराए जाएं । फील्ड में स्पॉट बिलिंग कार्य के दौरान डिवाइस की घटिया क्वालिटी होने के कारण बार-बार हैंग होता है जिसके कारण डिवाइस को बार-बार स्विच ऑफ/ ऑन करना होता है जिससे कार्मिक को बहुत अधिक असुविधा एवं समय की बर्बादी हो रही है । UBS प्रदाता कंपनी द्वारा बिलिंग सिस्टम हेतु उपलब्ध कराई गई कनेक्टिविटी नगण्य होने पर कर्मचारी को स्वयं के मोबाइल से हॉटस्पॉट डिवाइस को अपडेट करने हेतु अधिकारियों द्वारा कार्मिक को विवश किया जाता है यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि निगम द्वारा UBS प्रदाता कंपनी को करोड़ों रुपए का कार्यादेश करने के बाद भी स्पॉट बिलिंग के दौरान कनेक्टिविटी के लिए परेशान होना पड़ता है एवं बिलिंग कार्य बाधित होता है । श्रमिक संघ मांग करता है कि UBS कार्य हेतु उच्च गुणवत्ता की कनेक्टिविटी (5G) उपलब्ध कराई जाए ।अधिकांश उपखंडों में बिलिंग मशीन की तुलना में प्रिंटर उपलब्ध नहीं कराए गए हैं जिससे कार्य को गति मिलना असंभव हो रहा है एवं ऐसे में निगम के आला अधिकारियों द्वारा निगम कर्मी पर जल्द बिलिंग करने का दबाव बनाकर कार्मिक पर अनावश्यक मानसिक संताप/ तनाव बढ़ाया जा रहा है ।स्पॉट बिलिंग कार्य हेतु उपलब्ध संसाधन उपकरण यथा बिलिंग मशीन(मोबाइल), प्रिंटर, पावर बैंक इत्यादि बहुत ही घटिया क्वालिटी के हैं जो सुचारू रूप से काम नहीं करते हैं जबकि कार्यादेश में इनकी आपूर्ति हेतु करोड़ों रुपए की राशि निगम द्वारा प्रदाता कंपनी को अनुमत की गई है । श्रमिक संघ मांग करता है कि स्पॉट बिलिंग हेतु उपलब्ध कराए गए घटिया क्वालिटी के उपकरणों को रद्द कर प्रदाता कंपनी को उच्च गुणवत्ता के उपकरण उपलब्ध कराने हेतु आदेशित किया जाए अन्यथा कार्यादेश रद्द किया जाए ।

सार-समाचार

राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2024 प्रशिक्षण के संबंध में बैठक कल

(आधुनिक राजस्थान)अजमेर। अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं नोडल अधिकारी श्रीमती वन्दना खोरवाल ने बताया कि राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा 2 फरवरी को दोपहर 12 बजे से दोपहर 3 बजे तक एक पारी में 127 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होने वाली राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2024 के संबंध में परीक्षा कार्य से जुड़े अधिकारियों एवं केन्द्राधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं उपसमन्वयक दलों को प्रशिक्षण देने के लिए जिला कलक्टर श्री लोक बन्धु की अध्यक्षता में बुधवार 29 जनवरी को दोपहर 2.30 बजे माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के ऑडिटोरियम हॉल में बैठक का आयोजन किया जाएगा।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक गुरूवार को

(आधुनिक राजस्थान)अजमेर। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक जिला कलक्टर श्री लोक बन्धु की अध्यक्षता में गुरूवार 30 जनवरी को अपराह्न 4 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित होगी। यह जानकारी सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता श्री गिर्राज प्रसाद गुप्ता ने दी।

मोडरिया गांव के निवासी एसडीएम पिडेंल को मिला उत्कृष्ट कार्यो को लेकर सम्मान

(आधुनिक राजस्थान)भेराराम सेन,डेगाना। उपखंड के ग्राम मोडरिया निवासी ग्रामीण प्रतिभा के धनी राजस्थान में टॉप रैंक में चयनित एसडीएम सुखराम पिडेंल वर्तमान में बाप जिला फलोदी में एसडीएम के रूप में कार्यरत है। एसडीएम सुखराम पिडेंल को फलोदी जिला मुख्यालय पर आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में उत्कृष्ट एसडीएम के रूप में सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को 1 वर्ष के सफल कार्यक्रम में सफलता को लेकर सम्मानित किया। प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य कैबिनेट मंत्री गजेंद्रसिंह खींवसर, फलोदी जिला कलक्टर हरजीलाल अटल, एसपी पूजा अवाना, विधायक पब्बाराम विश्नोई सहित ने उत्कृष्ट कार्यो पर प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि लगातार जहां भी कार्यरत रहे हैं सुखराम पिडेंल उत्कृष्ट कार्यो के लिए जाने जाते हैं। ग्रामीण प्रतिभा के धनी है। पैतृक गांव में ग्रामीणों ने खुशी जताई।

कांस्टेबल एवं ई मित्र संचालक रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार, रु.2670/ व रु.2000/ बरामद

(आधुनिक राजस्थान)केकड़ी (हर्ष राठी)। पुलिस थाना भिनाय, जिला अजमेर के कांस्टेबल अर्जुन लाल 2670 एवं ई-मित्र संचालक विक्रम शर्मा को 2000 रूपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफतार किया गया। ए.सी.बी मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. चौकी अजमेर इकाई द्वारा आज कार्यवाही करते हुये आरोपी अर्जुन लाल कानि0 2670 पुलिस थाना भिनाय, जिला अजमेर एवं विक्रम शर्मा, ई-मित्र संचालक को रिश्वत राशि 2000 रूपये लेते रंगे हाथो गिरफतार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि ए.सी.बी. चौकी अजमेर को एक शिकायत इस आशय की मिली की परिवादी के विरूद्ध पुलिस थाना भिनाय, जिला अजमेर में दर्ज परिवाद की जांच आरोपी अर्जुन लाल कानि0 2670 द्वारा की जा रही थी, जिसमें राजीनामा हो जाने पर परिवाद को बंद करने की एवज में आरोपी अर्जुन लाल कानि0 द्वारा 10,000 रूपये रिश्वत राशि की मांग कर दिनांक 15.12. 2024 को 7000 रूपये रिश्वत राशि लेना तय कर उसी दिन 3000 रूपये रिश्वत राशि लेना व शेष रिश्वत राशि के 4000 रूपये के पेटे परिवादी की सोने की अंगुठी आरोपी ई-मित्र संचालक विक्रमशर्मा के पास रखवाना, जिस पर परिवादी ने दिनांक 18.12.2024 को ब्यूरो में शिकायत करने पर दिनांक 19.12.2024 को दौराने सत्यापन 4000 रूपये रिश्वत राशि की मांग कर वक्त सत्यापन 2000 रूपये आरोपी ई-मित्र संचालककोदिलवाना पाया गया।जिस पर ए.सी.बी. अजमेर रेन्ज उप महानिरीक्षक कालुराम रावत के सुपर विजन में ए.सी. बी. अजमेर भागचन्द्र अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अजमेर के नेतृत्व में आज निरीक्षक पुलिस दीनदयाल एवं अन्य के ट्रेप कार्यवाही करते हुये आरोपी अर्जुन लाल कानि. 2670 व ई- मित्र संचालक आरोपी श्री विक्रम शर्मा को 2000 रूपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथो गिरफतार किया गया है एवं रिश्वत राशि आरोपी श्री विक्रम शर्मा के पहने हुए जॉकिट से बरामद की गई।ए.सी.बी. की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस श्रीमति स्मिता श्रीवास्तव के सुपरवीजन में आरोपीगण से पुछताछ तथा कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रीम अनुसंधान किया जायेगा ।

एरिया डोमिनेन्स अभियान के तहत 65 वांछित अपराधियों को किया गिरफ्तार

(आधुनिक राजस्थान)सुरेंद्र गौतम दबलाना। एक दिवसीय एरियाडोमिनेन्स अभियान के तहत 65 वांछित अपराधियों को गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षक राजेंद्र कुमार मीणा ने बताया कि 28 जनवरी को जिले के सभी थाना क्षेत्र मे 175 पुलिस अधिकारियों एवं पुलिस जवानो के साथ अलग अलग 47 पुलिस टीमो द्वारा एक साथ कुल 178 चिन्हित स्थानों पर दबिश दी गई ।पुलिस टीमो द्वारा की गई कार्यवाही में अवैध मादक पदार्थ तस्करो के विरुद्ध 2 प्रकरण दर्ज कर 3 आरोपियो को गिरफ्तार किया तथा 18 स्थाई वारंटी व 34 गिरफ्तारी वारन्टी सहित सहित कुल 65 वांछित अपराधियो को गिरफ्तार किया गया ।बून्दी पुलिस द्वारा विशेष अभियान के तहत अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त एवं स्थाई / गिरफ्तारी वारन्टी, सामान्य प्रकरणो मे वांछित चल रहे अपराधियो सहित सक्रिय वाछित अपराधियो को गिरफ्तार किया गया ।विशेष अभियान के दौरान पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार मीणा द्वारा सम्पुर्ण मॉनिटरिंग करते हुए पुलिस टीमो को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कार्यवाही को अंजाम दिया गया तथा सम्पुर्ण अभियान मे समस्त पुलिस थानो के पुलिस बल ने सक्रिय भूमिका निभाई।

युवाओं को नौकरी से अधिक व्यवसाय की ओर बढ़ने की प्रेरणा-आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज

युवा आत्मनिर्भर बने

(आधुनिक राजस्थान)कोटा। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, महावीर नगर द्वितीय में आचार्य श्री 108 प्रज्ञा सागर जी महाराज के ससंघ सानिध्य में विशेष प्रवचन सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर गुरुदेव ने युवाओं को आत्मनिर्भर बनने और व्यवसाय की ओर अग्रसर होने का संदेश दिया। अध्यक्ष दर्पण जैन ने बताया कि गुरूदेव का पाद पक्षालन पवन अजमेरा व विनोद चुनावाला परिवार द्वारा किया गया। मंगलाचारण परिधि बाकलीवाल ने किया ।कार्यक्रम का संचालन विकास पाटौदी ने कुशलतापूर्वक किया। गुरुदेव ने अपने प्रवचन में कहा कि युवा केवल नौकरी की अपेक्षा न करें, बल्कि अपने कौशल और क्षमता के आधार पर स्वयं का व्यवसाय स्थापित करें। उन्होंने बताया कि स्वरोजगार न केवल आत्मनिर्भरता लाता है, बल्कि समाज और राष्ट्र की आर्थिक समृद्धि में भी योगदान देता है। गुरुदेव ने कहा कि प्राचीन भारतीय संस्कृति में व्यापार और स्वावलंबन को विशेष महत्व दिया गया है। हमारी परंपरा में वैश्य धर्म को जीवन का आधार माना गया है, जहां व्यक्ति स्वयं के परिश्रम और बुद्धिमानी से समाज के लिए रोजगार के अवसर उत्पन्न करता है। गुरुदेव ने उदाहरण देते हुए कहा कि धन कमाना बुरा नहीं है, लेकिन धन का सदुपयोग करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रेरित किया कि युवा अपने व्यवसाय को समाजसेवा और धार्मिक कार्यों से जोड़ें, जिससे वे न केवल आर्थिक रूप से समृद्ध होंगे बल्कि आत्मिक संतोष भी प्राप्त करेंगे। उन्होने अपने पर्यावरण सरंक्षण हेतु 1 करोड पौधे लगानें के संकल्प में युवाओं को जोडने का आव्हान किया।

जिला कलेक्टर ने किया स्पर्श कुष्ठ जागरुकता अभियान के पोस्टर का विमोचन

(आधुनिक राजस्थान)जयपुर। बुधवार को जिला कलेक्टर, जयपुर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने स्पर्श कुष्ठ जागरुकता अभियान के पोस्टर का विमोचन किया। जिले में 30 जनवरी से 13 फरवरी तक स्पर्श कुष्ठ जागरुकता अभियान का आयोजन किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित विमोचन कार्यक्रम में संयुक्त निदेशक, सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग बी. पी. चंदेल, एस.पी. जयपुर ग्रामीण आनंद शर्मा, उपमुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (स्वास्थ्य), जयपुर द्वितीय डॉ. सुरेंद्र कुमार गोयल, उपमुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (परिवार कल्याण), जयपुर प्रथम डॉ. मनीष मित्तल सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। आइए सब मिलकर जागरूकता बढ़ाएं, भ्रांतियां दूर करें तथा यह सुनिश्चित करें कि कुष्ठ रोग से प्रभावित कोई भी व्यक्ति छूट न जाए थीम आधारित अभियान में 30 जनवरी को कुष्ठ दिवस पर मान जिला कलेक्टर द्वारा जनता के नाम कुष्ठ रोग के प्रति जागरूकता हेतु संदेश, ग्राम सभा प्रमुख (सरपंच) द्वारा ग्राम सभा के सदस्यों से कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों से भेदभाव दूर करने की अपील के साथ ही अन्य कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

साथ ही जिला व ब्लॉक स्तर पर माइकिंग के द्वारा आमजन को कुष्ठ रोग के प्रति जागरुक किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत 30 जनवरी से 13 फरवरी तक जिला, ब्लॉक एवं ग्राम पंचायत स्तर पर निरंतर प्रचार-प्रसार गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा एवं नुक्कड़ नाटकों सहित विभिन्न माध्यमों द्वारा लोगों को इस रोग के बारे में जानकारी दी जाएगी। अभियान के अंतर्गत स्लोगन लेखन, माइकिंग, पम्फलेट्स वितरण, प्रचार वाहन, फ्लैक्स बैनर प्रदर्शन आदि गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट मीडिया सहित जिले के सोशल मीडिया हैंडल्स पर अनवरत रूप से अभियान का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाएगा। इसके अतिरिक्त जिले के अधिकारीगणों द्वारा कुष्ठ आश्रमों में जाकर कुष्ठ सहायता सामग्री व औषधियों का वितरण किया जाएगा

एम्स दो हजार बिस्तरों का नया विश्राम सदन तैयार करेगा

(आधुनिक राजस्थान) नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने दो हजार बिस्तरों की क्षमता वाले विश्राम सदन के निर्माण की कवायद शुरू कर दी है। इसके निर्माण से अन्य राज्यों से आने वाले मरीजों और तीमारदारों को काफी सहूलियत होगी। एम्स प्रशासन ने महसूस किया कि अस्पताल में आने वाले हजारों मरीजों और उनके परिजनों को ठहरने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसको देखते हुए विश्राम सदन के निर्माण की योजना बनाई गई है। नाममात्र का शुल्क देकर लोग इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। अभी एम्स के पास 559 बिस्तरों की क्षमता वाले तीन विश्राम सदन हैं। इनमें साईं विश्राम सदन, राजगृह विश्राम सदन और भाऊराव देवरस विश्राम सदन शामिल हैं। एम्स का नया विश्राम सदन अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा। इसमें कुछ निजी कमरे होंगे जो मरीजों और उनके परिजनों की जरूरत के अनुसार तैयार किए जाएंगे। राजस्थान के कोटा से रामलाल अपने बेटे की गंभीर बीमारी के इलाज के लिए एम्स पहुंचे थे। महंगे होटलों में रुकना उनके लिए संभव नहीं था और अस्पताल के आसपास रहने के लिए जगह ढूंढना भी मुश्किल था। ऐसे में जब उन्हें विश्राम सदन में ठहरने की सुविधा मिली, तो उन्हें काफी सहूलियत हुई। महाकुंभ मे श्रद्धालुओं तक अपनी चिकित्सा सेवाएं पहुँचाने के अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। पहले तीन दिनों के दौरान हज़ारों की संख्या मे मरीजों का इलाज किया जा चुका है और ये सिलसिला लगातार जारी है। यहाँ आने वाले मरीजों मे ज्वर, शूल, संधि शूल, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, दौर्बलय, मानसिक विकार, वमन,गैस जैसे कई बीमारियों से ग्रसित मरीज़ लगातार यहाँ आ रहे है। दिल्ली से आई सात सदस्य चिकित्सको की टीम प्रतिदिन चोबिसो घण्टे मरीजों की सेवा मे तत्पर है। यहाँ देशभर के विभिन्न हिस्सों से लोग पहुँच रहे है और आयुर्वेदिक चिकित्सा का लाभ ले रहे है। मोनी अमावस्या के अवसर पर शाही स्नान को देखते ही अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान ने पुख्ता इंतज़ाम किये है, श्रद्धालुओं और मेले मे अपनी सेवाएं दे रहे लोगों को मुफ्त मे आयु रक्षा किट का वितरण किया जा रहा है। संस्थान की निदेशक (प्रभारी) डा (प्रो) सुजात कदम ने टीम का उत्साह वर्धन करते हुए कहा ये हमारा सौभाग्य है की हमे इस पावन अवसर पर हमे सेवा करने का अवसर मिला है। मेले मे मौजूद अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के एमएस डा आनंद रमन ने र्श्रधालुओं से अपील करते हुए मास्क लगाने और स्वच्छ जल और स्वच्छ भोजन करने का अनुरोध किया। संस्थान के प्रवक्ता सिद्धार्थ ने बताया कि इस महाकुंभ के माध्यम से अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान न केवल यहां आने वाले लाखों - करोड़ों श्रद्धालुओं का इलाज कर रहा है बल्कि लोगों में विशुद्ध भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद के प्रति लोगों में जागरूकता एवं रुझान पैदा कर रहा है।

गुरूसेवा संघ द्वारा कुन्हाडी दो दिवसीय नि:शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर आयोजित

(आधुनिक राजस्थान)कोटा। रिद्धि सिद्धि जैन मंदिर, कुन्हाड़ी चंद्रप्रभु मंदिर परिसर में गुरू सेवा संघ द्वारा आयोजित दो दिवसीय निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर के पहले दिन 628 मरीजों ने लाभ प्राप्त किया। पूज्य आचार्य भगवन विद्यासागर महाराज व नवाचार्य 108 श्री समयसागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से आयोजित इस शिविर में दमोह के सुप्रसिद्ध वैद्य रोहित भैया का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। शिविर का उद्घाटन भाजपा नवनियुक्त जिलाध्यक्ष राकेश जैन ने किया। गुरूसेवा संघ व कुन्हाडी जैन मंदिर पदाधिकारियों द्वारा उनका इस अवसर पर सम्मान भी किया गया। कार्याध्यक्ष पारस बज आदित्य ने बताया कि शिविर में डॉ. वैभव जैन और डॉ. मियलेश जैन की विशेष उपस्थिति में मरीजों को देखा। शिविर में शुगर, हृदय रोग, घुटने-कमर दर्द, चर्म रोग, लीवर रोग, माइग्रेन, किडनी समस्या, टाइफाइड, पोलियो, साइनस और नि:संतान जैसी समस्याओं का निःशुल्क इलाज किया जा रहा है। इस शिविर के पुण्यार्जक श्री नाथुलालजी अशोकजी , संजय बालेश,अनुराग, मौलिक एवं समस्त सांवला परिवार है।मंदिर अध्यक्ष राजेन्द्र गोधा ने बताया कि विशेष बात यह रही कि शिविर में 6 माह के शिशुओं से लेकर 90 वर्ष तक के बुजुर्गों का इलाज किया जा रहा है। शिविर का आयोजन सावला परिवार द्वारा किया गया है। शिविर 30 जनवरी को भी प्रात: 9 बजे से सायं 6 बजे तक जारी रहेगा। शिविर में विशेष रूप से कम उम्र के युवाओं को ड्रूह की समस्या, शुगर व बी.पी. का कुछ ही माह में ठीक करने का विशेष प्रयास किया जा रहा है। साथ ही घुटने का इलाज बिना ऑपरेशन के किया जा रहा है। शिविर को गुरु सेवा संघ परिवार और रिद्धि सिद्धि नगर का विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है।

आयुष्मान आरोग्य शिविर का हुआ आयोजन

(आधुनिक राजस्थान) संजीव पाराशर अंराई। राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र परिसर में ब्लॉक स्तरीय मुख्यमंत्री आरोग्य शिविर का आयोजन ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा राजेश वर्मा के सानिध्य में हुआ। शिविर में मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों ने चिकित्सकीय परामर्श दिया। शिविर प्रभारी डा राहुल यादव ने बताया कि शिविर में कुल 410 मरीजों को चिकित्सा परामर्श दिया गया। 68 मरीजों की खून, पेशाब, कफ सहित कई जांचे की गई। शिविर में टीकाकरण व एएनसी सेवाएं भी दी गई। शिविर में नेत्र विशेषज्ञ डा हेमन्त, स्त्री रोग विशेषज्ञ डा निधि गुप्ता, अस्थि रोग विशेषज्ञ डा नवीन कुमावत, शिशु रोग विशेषज्ञ डा सुधारानी जीनगर, दन्त रोग विशेषज्ञ डा विनय मित्तल, चिकित्सा अधिकारी डा कृतिक बंशीवाल ने चिकित्सकीय परामर्श दिया। दिव्यांगजनों के प्रमाण-पत्र बनाने के साथ ही जिला स्तरीय शिविर के लिए चिन्हित किए गए मरीजों को रेफर किया। शिविर में नर्सिंग कर्मचारी, प्रसाविका, आशा सहयोगिनियों ने सेवाएं दी।

रविदास जयंती के अवसर पर सत्संग समारोह का होगा आयोजन

(आधुनिक राजस्थान)केकड़ी (हर्ष राठी)। रेगर समाज की ओर से आगामी 12 फरवरी को रविदास जयंती के अवसर पर सत्संग समारोह के आयोजन को लेकर कादेड़ा रोड़ स्थित रेगरान समाज के संस्थान भवन में मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग में रेगर समाज के अध्यक्ष पारसमल कांसोटिया बताया कि गुरू संत रविदास महान समाज सुधारक एवं समाज के मार्गदर्शक रहे हैं। और कहा कि सभी की सहमति से आगामी फरवरी माह में रविदास महाराज की जयंती के अवसर पर सत्संग समारोह का आयोजन करने जा रहे हैं जिसमें सभी का सहयोग अपेक्षित रहेगा। मीडिया प्रभारी महावीर प्रसाद कांसोटिया बताया कि सत्संग समारोह में प्रदेश के कई जिलों से संत महात्माओ को आमंत्रित किया गया है। सत्संग समिति अध्यक्ष कैलाश उचैनिया बताया कि आगामी मीटिंग में कार्यक्रम की सफलता को लेकर विभिन्न कमेटियों का गठन कर अलग-अलग दायित्व सोपे जाएंगे । रेगर महासभा अध्यक्ष पारसमल कांसोटिया,मीडिया प्रभारी महावीर कांसोटिया, सत्संग समिति अध्यक्ष कैलाश चंद उचैनिया,पूर्व पार्षद मोहनलाल रेगर,चेतन प्रकाश जग्रवाल,प्रवीण रेगर,गजानंद कांसोटिया,गोकुल रेगर धनरूप गढ़वाल,सुरेंद्र कांसोटिया, भागचंद खटकड़िया,राधेश्याम कांसोटिया,पीरुतुनगरिया,रणजीतआरेटिया व चेतन कोटवाल सहित कई लोग मौजूद थे।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए बहुद्देशीय चिकित्सा शिविर सम्पन्न

(आधुनिक राजस्थान)अजमेर। सीनियर सिटीजन सोसाइटी , मन्ना हवेली व पारब्रह्म संस्था के संयुक्त तत्वावधान में मन्ना हवेली धोलाभाटा पर 121 रोगियों के मधुमेह व ब्लड प्रेशर की जांच व चेकअप के बाद एक महीने की नि:शुल्क आयुर्वेदिक दवाइयाँ दी गयीं। 21 रोगियों का चिकित्सक डॉ. राजेन्द्र शर्मा व आशीष बाकलीवाल द्वारा एक्यूप्रेशर चिकित्सा से इलाज किया गया। 24 रोगियों को रैकी ग्रैंड मास्टर भगवान साधवानी, चंद्र हरवानी व देवेंद्र गुप्ता ने रैकी व सिद्धा साइंस से उपचार प्रदान किया। सीनियर सिटीजन सोसाइटी के महासचिव के के गौड़ ने बताया कि पिछले 30 वर्षों से वरिष्ठों के हितार्थ हमारी संस्था सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। संस्था वरिष्ठों के आध्यात्मिक, सामाजिक, शारीरिक व चिकित्सकीय उत्थान के लिए सदैव कुछ न कुछ करती ही रहती है। मन्ना हवेली के बी के चौहान ने सीनियर सिटीजन के समस्त अजमेर से पधारे हुए लाभार्थियों का आभार व्यक्त किया। सम्पूर्ण कार्यक्रम की देखरेख के के गौड़ ने की । कार्यक्रम में कमल, मनोहर टाक, विजय सिंह, दलजीत मकवाना, सोहन सोलंकी, हरलाल जिरोता, लेखराज, अनंत, अजय सेठ, दिनेश अग्रवाल, हेमंत, लोचना गोयल, बाबूलाल परिहार आदि उपस्थित रहे।

मील ने बाड़मेर में किया 155 वीं बार रक्तदान,सीकर के युवा रक्तदान शिविरों में रक्तदान करने के साथ-साथ जरूरतमंद रोगियों के लिए भी हर समय रक्तदान के लिए तत्पर रहते हैं

(आधुनिक राजस्थान)धर्मेंद्र फुलवारियां बाड़मेर। बाड़मेर के संयोजक मुल्तान सिंह राठौड़ और गजेंद्र सिंह शेखावात बताया कि जिला प्रशासन, बाड़मेर द्वारा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओं के तहत मरू उड़ान कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित कैरियर काउंसलिंग सेमिनार को सम्बोधित करने हेतु बाड़मेर आये सुधीर महरिया स्मृति संस्थान, सीकर और यूनाइटेड एजुकेशन लिंक्ज के डायरेक्टर और ब्लड मोटीवेटर बी एल मील ने जिला अस्पताल बाड़मेर ब्लड सेंटर पहुंचकर 155 वीं बार रक्तदान कर मानवता की मिशाल पेश की है। इस अवसर पर टीम आज़ाद बाड़मेर संयोजक मुल्तान सिंह राठौड़ , शिशपाल सिंह कपुरडी , ब्लड बैंक तकनीशियन रंजीत मालिया, गजेंद्र सिंह शेखावत, यूनाइटेड एजुकेशन लिंक्ज निदेशक डॉ वंदना सहरावत, आई आर एस डायरेक्टर विकास चौधरी, प्रशांत, मधुर सहित रक्तदाता उपस्थित थे। सुधीर महरिया स्मृति संस्थान निदेशक बी एल मील के नेतृत्व में सुधीर महरिया स्मृति संस्थान एवं राजस्थान ब्लड डोनर ग्रुप के तत्वावधान में जरूरतमंद रोगियों को जरूरत के समय रक्त उपलब्ध हो सके इसके लिए अब तक 650 से ज्यादा रक्तदान शिविरों का आयोजन कर सवा लाख से ज्यादा ब्लड यूनिट रक्तदान करवा चुके हैं। कोरोना काल में भी कोविड ग्रस्त गंभीर रोगियों को 336 यूनिट प्लाज्मा डोनेट करवाकर उनकी जान बचाने का कार्य किया था। गत दो वर्ष पूर्व तथा इस वर्ष भी 6000 से ज्यादा डेंगू पीड़ित रोगियों को प्लेटलेट उपलब्ध करवा कर उन्हें जीवन दान देने का कार्य किया। गत 17अगस्त को मात्र 1 घंटे में 132 लोगों को मोटिवेट कर अंगदान व देहदान की घोषणा करवाकर एक विश्व रिकॉर्ड भी स्थापित किया था। गत 30 वर्षो से रक्तदान, प्लेटलेट, प्लाज्मा दान, जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए राशन वितरण, रजाई वितरण, कंबल वितरण, पौधरोपण, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शिविर तथा सड़क सुरक्षा हेतु रिफ्लेक्टर सहित अनेक सामाजिक गतिविधियों का आयोजन कर अग्रणी भूमिका निभा रहे है।

सृजन कोटा द्वारा अनप्लग्ड संगीत की शाम आज, प्रसिद्ध गायक क्षितिज तारे करेंगे प्रस्तुति

(आधुनिक राजस्थान)कोटा। सृजन द स्पार्क कोटा चैप्टर द्वारा 30 जनवरी को शौर्य घाट, चंबल रिवर फ्रंट पर एन इवनिंग ऑफ म्यूजिक अनप्लग्ड कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कोटा चैप्टर अध्यक्ष डॉ. विजय सरदाना ने बताया कि अवसर पर प्रसिद्ध गायक, संगीतकार और प्रस्तुतकर्ता क्षितिज तारे अपनी सुरीली आवाज से श्रोताओं का मन मोहेंगे। सचिव संजीव अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम शाम 6:30 बजे से चंबल नदी के पश्चिमी घाट पर आयोजित होगा। इसमें वी.एम.ओ.यू. के कुलपति प्रो. कैलाश सोडानी और आई.पी.एस. (सेवानिवृत्त) प्रसन्ना खमेसरा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। सृजन द स्पार्क के अध्यक्ष डॉ. विजय सरदाना ने बताया कि यह आयोजन संगीत प्रेमियों को संगीतमय आनंद प्रदान करने के साथ-साथ उत्कृष्ट कलाकारों को सम्मानित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पियानो वादक ब्रायन सिलास को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। उपाध्यक्ष अनिमेष जैन ने बताया कि ब्रायन सिलास भारतीय फिल्म संगीत के सबसे प्रतिष्ठित पियानो वादकों में से एक हैं। उनकी उंगलियां जब पियानो पर चलती हैं, तो खय्याम, सलिल चौधरी, ओ.पी. नैय्यर, एस.डी. बर्मन, लक्ष्मीकांत प्यारेलाल, रवि और मदन मोहन जैसे दिग्गज संगीतकारों की कालजयी धुनें पुनर्जीवित हो उठती हैं। उन्हें विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सम्मानित किया गया है।भारतीय सिनेमा के रोमांटिक गीतों को पियानो पर प्रस्तुत करने में उन्हें विशेष महारत हासिल है। कोषाध्यक्ष विकास जैन अजमेरा ने बताया कि तीन वर्ष की उम्र से ही हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में रुचि रखने वाले क्षितिज ने गंधर्व महाविद्यालय से संगीत विशारद की उपाधि प्राप्त की है। तोसे नैना लागे, मधो, अये खुदा और बंदेया जैसे प्रसिद्ध गीतों के लिए जाने जाने वाले क्षितिज ने ग्रैमी विजेता कलाकार रुसलान सिरोता और पंडित विश्व मोहन भट्ट के साथ भी काम किया है।उल्लेखनीय है कि क्षितिज को कला और संस्कृति के लिए भारत यूथ अवार्ड 2023, ग्लोबल इंडियन म्यूजिक अकादमी अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। डा विजय सरदाना ने कहा कि यह कार्यक्रम न केवल सुरों की एक बेहतरीन प्रस्तुति होगी, बल्कि संगीत की विरासत को सम्मान देने का एक अवसर भी होगा। कोटा के संगीत प्रेमी इस अनूठी शाम में क्षितिज तारे की गायकी का आनंद उठा सकेंगे।

शिक्षकों की कमी से गुस्साए विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों ने सरकारी स्कूल को जड़ा ताला, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मीणा के आश्वासन के बाद खुला

(आधुनिक राजस्थान)सुरेंद्र गौतम दबलाना। ग्राम पंचायत बड़गांव के राजकीय उच माध्यमिक विद्यालय में हो रही शिक्षकों की कमी से परेशान ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों ने विद्यालय के में गेट पर ताला लगाकर विरोध जताया। छात्र-छात्राओं ने मुख्य सड़क पर झाड झंकार लगाकर आवाजाही को बंद कर दिया।सड़क पर ही दरी पट्टीया बीछा कर गर्म जोशी के साथ शिक्षा विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया।पूर्व सरपंच व भाजपा मंडल महामंत्री रमेश चंद्र पारीक ने बताया कि स्थानीय विद्यालय में शिक्षकों की कमी के बारे में ग्राम वासियों एवं जनप्रतिनिधियों ने पूर्व में ही जिला कलेक्टर व मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी व प्रशासन को पहले ही अवगत करा दिया था। लेकिन अधिकारियों ने अनसुना कर दिया।जिससे आक्रोशित होकर विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को मजबूर होकर तालाबंदी कर सड़कों पर प्रदर्शन करना पड़ा। वर्तमान सरपंच सीताराम वर्मा ने कहा कि बचों के भविष्य के साथ शिक्षा विभाग द्वारा खिलवाड़ करना बर्दाश्त नहीं होगा। विद्यालय में अगर शिक्षक ही नहीं होंगे तो आज का विद्यार्थी कल देश का भविष्य कैसे बनेगा। शिक्षा विभाग की अनदेखी से विद्यार्थियों का भविष्य अंधकार में होता जा रहा है। अधिकारी आंखें बंद कर अपने चेंबर में बैठे रहते हैं। लिखित में अवगत करवाने के बावजूद भी अधिकारियों के कानों में जूं तक नही रेंगी। समाजसेवी दिलीप कुमार पारीक ने बताया कि विद्यार्थियों एवं अभिभावकों द्वारा स्कूल के में गेट पर ताला लगा कर धरना प्रदर्शन करने की जानकारी मिलते ही ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अनीता मीणा मौके पर पहुंची। जहां शिक्षा अधिकारी मीणा ने विद्यार्थियों को समझाने का प्रयास किया। गुस्साए अभिभावकों एवं विद्यार्थियों ने जयपुर डेपुटेशन पर लगे कार्यवाहक प्रिंसिपल माया गुर्जर व वरिष्ठ सहायक अर्जुन सिंह भाटी का डेपुटेशन निरस्त कर वापस स्थानीय विद्यालय में लगाने सहित रिक्त पदों को जल्द भरने की मांग को लेकर ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अनीता मीणा को ज्ञापन सौंपा।शिक्षा अधिकारी मीणा ने तीन शिक्षक लगाने का आश्वासन दिया और मौके पर ही आदेश जारी करवाया और कहा कि जल्दी ही डेपुटेशन पर लगे हुए अध्यापकों को विद्यालय पर लगाया जाएगा। शिक्षा अधिकारी मीणा के आश्वासन के बाद विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों ने विद्यालय का ताला खोला। आश्वासन के बाद विद्यार्थियों ने के चेहरे खुशी से खिल उठे।इस दौरान एसएमसी अध्यक्ष महावीर महावर, मुकेश प्रजापत,सलीम मोहम्मद, महावीर शर्मा, दयाराम गुर्जर, संत कुमार शर्मा , लोकेश पारीक, राम अवतार शर्मा, कमलेश शर्मा, रामस्वरूप महावर, प्रभु गोरसिया,जगदीश मीणा सहित कई ग्रामीण एवं छात्र छात्राएं मौजूद रही।

जरूरतमंद की सेवा ही हमारा मुख्य ध्येय है , 167 दिव्यांगों को दिए उपकरण

(आधुनिक राजस्थान)केकड़ी (हर्ष राठी)। भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति जयपुर एवं लायंस क्लब केकड़ी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिविर में लायंस भवन पोकी नाडी केकड़ी में मुख्य अतिथि प्रदेश राजस्थान कर्मचारी संघ के संगठन मंत्री एवं सेवानिवृत्ति विकास अधिकारी करण सिंह ने कहा की जरूरतमंद की सेवा करना ही हमारा मुख्य ध्येय है। उन्होंने लायंस क्लब की सेवा कार्यों की भूरी भूरी प्रशंसा की। विशिष्ट अतिथि एमएलडी मेमोरियल संस्थान के सचिव लायन चंद्रप्रकाश दुबे ने कहा कि दिव्यांग व्यक्ति को देखकर हर व्यक्ति की इछा बनती है कि मैं भी सेवा करूं, जो की लायंस क्लब के समस्त सदस्य कर रहे है। विशिष्ट अतिथि संभागीय कोर्डिनेटर सुरेश मेहरा ने कहा कि दिव्यांग की सेवा करने पर मन को संतुष्टि प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि चिन्हित दिव्यांगों के अलावा नए दिव्यांग को 30 जनवरी को उपकरण नए चिन्हित कर प्रदान किए जाएंगे। प्रांतीय सभापति व प्रोजेक्ट चेयरमैन लायन एस एन न्याति ने स्वागत भाषण देते हुए शिविर की विस्तृत जानकारी प्रदान की । उन्होंने बताया कि ट्राई साइकिल 32 , व्हीलचेयर 13 , बुजुर्ग छड़ी 32 , कान की मशीन 42, बैसाखी 21, जयपुर फुट 11, कैलिफर्स 16 वितरण किए गए। शिविर 30 जनवरी को 2 बजे तक चलेगा। शिविर में अतिथि के रूप में पूर्व प्रधान सीमा चौधरी एवं स्वछ भारत के जिला परियोजना कोर्डिनेटर विजेंद्र सिंह राठौर, क्षेत्रीय अध्यक्ष मुरारी लाल गर्ग उपस्थित थे। दिव्यांग संघ के पदाधिकारी सुरेश साहू भी उपस्थित थे। समारोह की अध्यक्षता लायंस क्लब केकड़ी के अध्यक्ष राकेश जैन ने की। सभी अतिथियों ने गणेश जी की मूर्ति के सामने दीप प्रवलित कर शुभारंभ किया। अतिथियों का लायंस क्लब के सदस्य लायन निरंजन चौधरी, भागचंद मूंदड़ा,विनय कटारिया, जगदीश फतेहपुरिया, पुरुषोत्तम गर्ग, आसाराम जांगिड़, विनय पांड्या दिनेश गर्ग , राजेंद्र कुमार सोनी, भरत माहेश्वरी अनिल बंसल ,ने माला पहनाकर स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया। आभार प्रदर्शन डॉ बृजेश गुप्ता ने किया। कार्यक्रम का संचालन लायन निरंजन चौधरी ने किया। जयपुर विकलांग सहायता समिति से लोकेश चौधरी, मोतीलाल शर्मा, मनोज कुमार जाट, अनवर अहमद, सागर दत्ता, भंवर सिंह, डॉ अजय कुमार, नरेंद्र नायक, मोहम्मद खालिम, रिपु दमन सिंह, जुगल किशोर, कमल, मोना शर्मा, वंदना, इस्लाम एवं पप्पू लाल ने सराहनीय सहयोग दिया।

इनर व्हील क्लब ऑफ रांची साउथ ने हेल्थ कैम्प का आयोजन किया

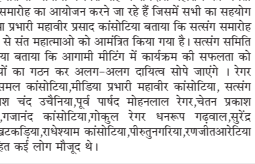

(आधुनिक राजस्थान)रांची। इनर व्हील क्लब ऑफ रांची साउथ ने भगवान महावीर मेडिका अस्पताल के साथ मिलकर कडरू टी ओ पी ग्राउंड, राँची में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। मेडिका अस्पताल के मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. सतीश शर्मा अपनी टीम डॉ. समर सौरव, चिकित्सा अधिकारी, सुश्री स्वेता कोऑर्डिनेटर और डॉ. सतीश शर्मा के पीए सुधांशु झा जांच के साथ वहां मौजूद थे। डॉ. सतीश ने स्तन कैंसर और मुख के कैंसर पर जागरूकता वार्ता की। कई लोगों ने स्वास्थ्य शिविर में भाग लिया और डॉक्टर शर्मा से परामर्श लिया। रक्तचाप और शर्करा की भी मापी की गई। अधिकांश मरीज स्थानीय थे और कुछ लोहरदगा से भी थे। मरीजों को भोजन के पैकेट भी वितरित किए गए। डॉ. सतीश शर्मा ने आगे भी क्लब को वंचित लोगों के लिए दूरदराज के क्षेत्रों में काम करने का वादा किया है।

नि:शुल्क दन्त जाँच एवं स्कीन हेयर केयर चिकित्सा परामर्श शिविर कल

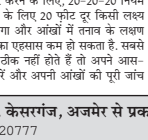

(आधुनिक राजस्थान)अमित गोधा,ब्यावर। ब्यावर श्री पार्श्वनाथ जैन चिकित्सालय एवं शोध संस्थान - उदयपुर रोड़ ब्यावर में दिनांक 31/01/2025 (शुक्रवार) को प्रात: 10:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक नि:शुल्क दन्त जाँच एवं स्कीन हेयर केयर चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया है, जिसमें दन्त रोग एवं कोस्मेटोलॉजिस्ट विशेषज्ञ डॉ. तृप्ति तंवर B.D.S., Cosmetologist द्वारा रोगियों के दाँतों कि जाँच की जायेंगी एवं परामर्श दिया जायेंगा। शिविर श्री पार्श्वनाथ जैन मेड़िकल रिलीफ ट्रस्ट ब्यावर के सौजन्य से प्रायोजित किया जायेंगा। आमजन से निवेदन है कि नि:शुल्क परामर्श शिविर का अधिकाधिक लाभ उठावें।

मेगा चिकित्सा शिविर का हुआ समापन

(आधुनिक राजस्थान)अमित गोधा,ब्यावर। पीएमश्री राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय छावनी रोड ब्यावर में 27 जनवरी 2025 से प्रारंभ हुई तीन दिवसीय मेगा चिकित्सा कैंप का आज समापन समारोह हुआ प्रधानाचार्य डॉक्टर सीमा कृपलानी ने बताया कि राजकीय अमृत कौर चिकित्सालय से पधारे डॉ हिमांशु जी फुलवारी डॉक्टर जितेंद्र की फुलवारी दो रेखा मीणा डॉक्टर आशा देवड़ा एवं नर्सिंग स्टाफ के निर्देशन में आज दिनांक 29 जनवरी 2025 को 417 बालिकाओं की सघन चिकित्सा जांच की गई तीन दिवसीय कैंप में कुल 942 बालिकाओं ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया 103 बालिकाओं को चश्मे के नंबर आवंटित किए गए इन बालिकाओं को शीघ्र ही चश्मे भी उपलब्ध करवाए जाएंगे समापन समारोह में श्री नारायण सिंह पवार जी ने पधारे सभी डॉक्टर का माल्यार्पण एवं सफा बांधकर स्वागत किया, सभी बालिकाएं निशुल्क चिकित्सकीय जांच को प्राप्त कर प्रफुलित दिखाई दी उक्त कार्यक्रम में व्याख्याता निधि गुप्ता, व्याख्याता पूजा वासवानी, सविता शर्मा, अलका जिंदल नोरत मल मेहरा, नरपत सिंह रावत इत्यादि का सहयोग रहा आज के कार्यक्रम का मंच संचालन राम लाल मीणा के द्वारा किया गया

जेसीआई सुरभि अवार्ड सेरेमनी: मीता अग्रवाल को मिला लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

(आधुनिक राजस्थान)कोटा। जेसीआई सुरभि की अवार्ड सेरेमनी एवं शपथ ग्रहण समारोह एक निजी होटल में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस आयोजन में वर्षभर सेवा कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले सदस्यों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्ष नेहा सेठी ने बताया कि इस अवसर पर लाईफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से मीता अग्रवाल को सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि मीता अग्रवाल को हाल ही में गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान सेवा कार्यों के लिए जिला प्रशासन द्वारा भी सम्मानित किया गया था। मीता अग्रवाल- प्रेरणादायक व्यक्तित्व और उत्कृष्ट नेतृत्व का प्रतीक नेहा सेठी ने अपने उद्बोधन में कहा कि एक सच्चा नेता प्रेरणा की विरासत छोड़ता है। यह कथन जेसीआई सीनेटर मीता अग्रवाल के व्यक्तित्व को पूरी तरह परिभाषित करता है। वे दूरदर्शी नेतृत्व, सकारात्मक सोच और समाज सेवा की मिसाल हैं। मीता अग्रवाल वर्तमान में कोटा के विज्ञान नगर स्थित प्रसिद्ध फिल्म और म्यूजिक प्रोडक्शन हाउस मार्स स्टूडियो की डायरेक्टर हैं। वह जेसीआई इंडिया की प्रमाणित ट्रेनर भी हैं, जिन्होंने व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व कौशल और गुड गवर्नेंस जैसे विषयों पर छात्रों, अधिकारियों और प्रबंधन संस्थानों में अनेक सेशन्स लिए हैं।उन्होंने समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और नेतृत्व विकास के लिए अपने समर्पण को दोहराया। उनकी अटूट प्रतिबद्धता ने न केवल जेसीआई, बल्कि रोटरी क्लब, सामाजिक संगठनों और अन्य एनजीओ में भी उत्कृष्टता की मिसाल कायम की है। मीता अग्रवाल को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। वर्ष 2013 में ज़ोन राजस्थान की उत्कृष्ट अध्यक्ष, संपूर्ण भारत में उत्कृष्ट चेयरपर्सन (ज़ोन राजस्थान),नेशनल अवार्ड फॉर पब्लिक स्पीकिंग की विजेता,एशिया पैसिफिक कॉन्फ्रेंस (जापान) में जेसीआई इंडिया का प्रतिनिधित्व,गुड गवर्नेंस और पुलिस अधिकारियों के प्रशिक्षण में योगदान आदि अवार्ड से उन्हे सम्मनित किया जा चुका है। अवार्ड प्राप्त करने के बाद अपने उद्बोधन में मीता अग्रवाल ने कहा कि जीवन में असली सफलता तब है जब आप अपने ज्ञान और अनुभव से दूसरों को आगे बढ़ने की प्रेरणा दें। सेवा, नेतृत्व और आत्म-विकास मेरे जीवन के मूलमंत्र हैं। मैं जेसीआई और अपने परिवार की आभारी हूं, जिन्होंने मुझे इस मुकाम तक पहुंचने में सहयोग दिया।

आंखों को ड्राई कर रहा प्रदूषण, एम्स के विशेषज्ञ ने बताया बचाव का फार्मूला

(आधुनिक राजस्थान) नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण आज आम जिंदगी की एक कड़वी सच्चाई बन चुका है. हमारे लिए इससे प्रभावित न होना मुश्किल है. धूल जैसे कण, वाहनों और कारखानों से निकलने वाली जहरीली गैसें जैसे एन ओ2, एस ओ2, हाइड्रोकार्बन, न केवल फेफड़ों को प्रभावित करते हैं, बल्कि आंखों को भी प्रभावित करते हैं. प्रदूषकों में मौजूद पीएम 2.5 प्रदूषक आंखों को बुरी तरह बीमार कर रहा है. इनमें आंखों का सूखना और इनफेक्शन सबसे कॉमन समस्या के तौर पर दिख रहा है. एम्स के वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ बृजेश लहरी कहते हैं कि वायु प्रदूषण के कारण आंखें प्रभावित होती हैं क्योंकि वे लगातार आसपास की हवा के संपर्क में रहती हैं. क्या आपने हाल ही में आंखों में दर्द, आंखों से पानी आना, आंखों में खुजली, आंखों में किसी बाहरी चीज़ का अहसास जैसे लक्षण देखे हैं यह सब हमारे आस-पास के वातावरण में बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण हो सकता है. आइए जानते हैं कि इनके क्या कारण हैं और इन लक्षणों को नियंत्रित करने तथा जीवन की अच्छी गुणवत्ता बनाए रखने के लिए क्या किया जाना चाहिए हाइड्रेटेड रहें- वायु प्रदूषण आंखों में मौजूद टियर यानी आंसू फिल्म के उत्पादन में कमी के कारण सूखी आंखों और एलर्जिक कंजंक्टिवाइटिस के लक्षणों को बढ़ा सकता है और नियमित रूप से पर्याप्त पानी पीने से आपको आंसुओं के उत्पादन में सुधार करने में मदद मिलेगी और इस प्रकार लक्षणों में कमी आ सकती है. प्रदूषकों के संपर्क में आने से बचें- अगर प्रदूषण लेवल बहुत खराब है, तो बाहर जाने से बचना पर्यावरण प्रदूषकों द्वारा आपकी आंखों को जलन से बचाने का सबसे अच्छा तरीका होगा. लेकिन अगर यह संभव नहीं है तो वायु प्रदूषकों के संपर्क में आने से बचने के लिए सुरक्षात्मक धूप का चश्मा पहनें.

चेहरे और आंखों को छूने से बचें- अपने हाथों को साफ किए बिना आंखों और चेहरे को छूने से संक्रामक एजेंट आपकी आंखों और पलकों तक पहुंच सकते हैं, जिससे संक्रमण हो सकता है और इससे आंखों में जलन के लक्षण और बढ़ सकते हैं. मस्कारा और काजल जैसे आई मेकअप के इस्तेमाल से बचें- मस्कारा और आई मेकअप के इस्तेमाल से आंखों की एलर्जी बढ़ सकती है और कभी-कभी पलकों में संक्रमण भी हो सकता है. स्क्रीन का लंबे समय तक इस्तेमाल करने से बचें-ज्यादातर आजकल लोग मोबाइल या लैपटॉप के सामने समय बिताते हैं और उन्हें पलक झपकाने की भी याद नहीं रहती. इससे ड्राई आई डिजीज के लक्षण और भी बढ़ जाते हैं. लंबे समय तक स्क्रीन का इस्तेमाल करने से पलकें कम झपकती हैं, जिससे ड्राई आई की समस्या बढ़ जाती है. डॉ बृजेश लहरी बताते हैं कि जब हम स्क्रीन या किताब पढ़ते समय किसी नज़दीकी लक्ष्य को लंबे समय तक देखते हैं, तो हमारी आंखों पर तनाव आ सकता है. इस तनाव को दूर करने के लिए, 20-20-20 नियम का पालन करें यानी हर 20 मिनट में 20 सेकंड के लिए 20 फ़ीट दूर किसी लक्ष्य को देखें. इससे आपकी आंखों को आराम मिलेगा और आंखों में तनाव के लक्षण जैसे आंखों का भारीपन और किसी बाहरी चीज़ का एहसास कम हो सकता है. सबसे महत्वपूर्ण बात, यदि उपरोक्त सुझावों से लक्षण ठीक नहीं होते हैं तो अपने आस-पास के किसी भी नेत्र रोग विशेषज्ञ से संपर्क करें और अपनी आंखों की पूरी जांच करवाएं. याद रखें, जल्दी इलाज ही सबसे अच्छा वकिल्प है. वायु प्रदूषण आज एक ग्लोबल हेल्थ प्रॉब्लम बन चुकी है. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार निम्न और मध्यम आय वाले देशों के 90त्न से अधिक शहरों में वायु प्रदूषण का लेवल हाइएस्ट लिमिट को पार कर चुका है. साल 2019 में वायु प्रदूषण के कारण वैश्विक स्तर पर 6.7 मिलियन मौतें हुईं, जिनमें से 4.1 मिलियन मौतें परिवेशी कण वायु प्रदूषण से संबंधित थीं. सभी वायु प्रदूषकों में पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) इंसान की आंखों को भी बहुत तेजी से प्रभावित कर रहे हैं.एक लेटेस्ट स्टडी के मुताबिक पीएम तत्व आंखों की सतह के सीधे संपर्क या सांस के जरिए अप्रत्यक्ष संपर्क में आकर आंख के सभी हिस्सों में प्रवेश करता है, जिससे आंखों में कई तरह की समस्याएं हो रही हैं. स्टडी में बताया गया कि कैसे हमारी कॉर्निया, कंजंक्टिवा, कॉर्नियो स्क्लेरल लिम्बस और टियर फिल्म से बनी ऑक्यूलर सतह बाहरी वातावरण के संपर्क में रहती है. ये हमें तमाम तरह के संक्रमण से बचाने में मदद करती है. लेकिन पीएम तत्व इनमें पहुंचकर संक्रमण और जलन पैदा कर सकते हैं. इसी कारण कॉर्निया और कंजंक्टिवल डिसफंक्शन हो सकता है, जिसमें दर्द, खुजली, आंखों में कुछ पड़ गया है जैसी अनुभूति, दृष्टि में कमी या अंधापन जैसे लक्षण दिखाई देते हैं. तमाम स्टडीज इस बात की पुष्टि कर चुकी हैं कि ऑक्यूलर सरफेस के रोग अब बढ़ रहे हैं. इनके खास लक्षणों में आंखों में सूखापन, चुभन, लालिमा और खुजली जैसे ड्राई आई सिंड्रोम के लक्षण बढ़ने लगे हैं. महीन धूल के संपर्क में आने वाले लोगों में एलर्जिक केराटोकोनजंक्टिवाइटिस के मामले बढ़े हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक त्रिलोक जैन द्वारा महावीर प्रेस, केसरगंज, अजमेर से मुद्रित एवं कार्यालय आधुनिक राजस्थान, आधुनिक भवन, मदनगोपाल मार्ग, केसरगंज, अजमेर से प्रकाशित संपादक त्रिलोक जैन आर. एन. आई. पंजीयन संख्या 35155/79 फोन. 2620777, adhuniks@yahoo. com, Fax 0145- 2620777